पश्चिम बंगाल चुनाव : मतगणना से... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जानकारी की अधिकता आज की... 11

वर्ष - 02, अंक - 30 | गाजियाबाद / सोमवार 04 मई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

चलती फ्लाइट में यात्री ने खोल दिया इमरजेंसी गेट

- चेन्नई एयरपोर्ट पर हुआ गिरफ्तार 231 लोग थे सवार

चेन्नई (एजेंसी)। शारजाह से चेन्नई आ रही एयर अरबिया की एक फ्लाइट में रविवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक 34 साल के यात्री ने विमान के लैंड होने के बाद टैक्सीवे पर चलते समय अचानक इमरजेंसी एग्जिट दरवाजा खोल दिया। इस घटना के बाद पायलट को तुरंत विमान रोकना पड़ा और सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट जारी किया गया। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के

अनुसार, एयर अरबिया का विमान 231 यात्रियों को लेकर शारजाह से चेन्नई पहुंचा था। विमान सुरक्षित रूप से रनवे पर लैंड कर चुका था और रनवे से टर्मिनल को जोड़ने वाले रास्ते (टैक्सीवे) पर धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा था। इसी दौरान पुदुक्कोट्टई के रहने वाले एक यात्री ने अचानक उठकर विमान का आपातकालीन निकास द्वार खोल दिया। विमान उस समय पूरी तरह रुका नहीं था, जिसके कारण बड़ा हादसा हो सकता था। यात्री की इस हरकत को देख केबिन क्रू और साथी यात्री सन्न रह गए। जैसे ही इमरजेंसी दरवाजा खुला, विमान के कॉकपिट में चेतावनी का अलार्म बज उठा।

जांच के घेरे में यात्री की मानसिक स्थिति

विमान से उतारे जाने के बाद आरोपी यात्री से गहन पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि वे इस बात की जांच कर रहे हैं कि यात्री ने आखिर ऐसा क्यों किया। अधिकारी यह भी आंकलन कर रहे हैं कि क्या यात्री किसी मानसिक तनाव या स्वास्थ्य समस्या से गुजर रहा था, जिसके कारण उसने यह आत्मघाती और अवैध कदम उठाया। आपको बता दें कि विमानन नियमों के तहत टैक्सीवे या उड़ान के दौरान बिना किसी आपात स्थिति के इमरजेंसी गेट खोलना एक गंभीर अपराध है।

दिल्ली में 4 मंजिला बिल्डिंग में आग, 9 लोगों की मौत

- डेढ़ साल का बच्चा भी शामिल, 15 लोग बचाए गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के शाहदरा इलाके के विवेक विहार में एक चार मंजिला बिल्डिंग में रविवार सुबह भीषण आग लग गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। इनमें 4 पुरुष, 4 महिलाएं और एक डेढ़ साल का बच्चा शामिल है। दिल्ली फायर सर्विस के मुताबिक, उन्हें सुबह करीब 3.47 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। 4 घंटों की मशक्कत के बाद सुबह करीब 8 बजे आग पर काबू पाया गया। बिल्डिंग के अंदर फंसे 10 से 15

लोगों को बचाया गया। इनमें दो लोग घायल हुए हैं। मृतकों के शव बिल्डिंग के अलग-अलग फ्लोर से बरामद किए गए। स्थानीय पार्षद पंकज लूथरा ने बताया कि कुछ शव इतने बुरे तरह जल चुके हैं कि सिर्फ कंकाल बचा है। डीएनए टेस्ट के बाद ही मृतकों का पता चल पाएगा। हादसे को लेकर कुछ लोगों का कहना है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। वहीं कुछ स्थानीय लोगों ने बताया कि एसी में धमाके के बाद आग फैली। फिलहाल अधिकारियों की तरफ से असली कारण की पुष्टि नहीं हुई है।

9 मृतकों के नाम सामने आए लेकिन पहचान मुश्किल

दिल्ली पुलिस के अनुसार, बिल्डिंग के पहले फ्लोर से 1 शव, दूसरे फ्लोर से 5 शव और सीढ़ियों से 3 शव मिले, जहां दरवाजा बंद था। आशंका है कि लोगों ने छत पर भागकर जान बचाने की कोशिश की थी। दूसरे फ्लोर पर मिले मृतकों की पहचान अरविंद जैन (60), उनकी पत्नी अनीता जैन (58), बेटे निशांत जैन (35), बहू आंचल जैन (33) और डेढ़ साल के पोते आकाश जैन के रूप में हुई। तीसरे फ्लोर पर नितिन जैन (50), उनकी पत्नी शैले जैन (48) और बेटे सम्यक जैन (25) मृत पाए गए। पहले फ्लोर पर शिखा जैन (45) का शव मिला, जबकि उनके पति नवीन जैन (48) घायल हो गए।

किसके सिर सजेगा ताज, किसकी होगी हार, चुनावी फैसला आज

पांच राज्यों में आएगा जनता का निर्णय,सुबह 8 बजे से गिनती

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम, केरलम, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के नतीजे कल 4 मई को आएंगे, जिन पर सभी की नजरें टिकी हैं। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक घमासान देखने को मिला, जहां टीएमसी और बीजेपी के बीच कड़ा मुकाबला माना जा रहा है। वहीं असम में बीजेपी सत्ता बचाने की कोशिश में है, जबकि कांग्रेस गठबंधन चुनौती दे रहा है। तमिलनाडु में मुकाबला डीएमके और एआईएडीएमके के बीच है, जबकि केरल में एलडीएफ और यूडीएफ आमने-सामने हैं। पुडुचेरी में भी मुकाबला दिलचस्प है। अंतिम तस्वीर कल 4 मई को ही साफ होगी। चुनाव आयोग ने मतगणना की तैयारियां पूरी कर ली हैं। नतीजे सुबह 8 बजे से आएंगे। असम, केरलम, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के लिए

मतदान हुआ। इसमें असम की 126 सीटों पर 9 अप्रैल को, केरलम की 140 सीटों और पुडुचेरी की 30 सीटों पर एक साथ मतदान हुआ। इसके बाद तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 23 अप्रैल को वोट डाले गए। वहीं पश्चिम बंगाल में दो चरण में मतदान हुआ, जिसमें पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को हुआ। इसमें 152 सीटों पर वोट पड़े। वहीं, जबकि दूसरे और आखिरी चरण में 142 सीटों पर 29 अप्रैल को वोटिंग हुई। बात करें बंगाल की तो इस बार के चुनाव में मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। दोनों ही चरणों में भारी मतदान हुआ। कुल मिलाकर 92.47 फीसदी वोट पड़े। राज्य में एसआईआर के बाद हुए चुनाव में पहले चरण में 152 सीटों पर वोट डाले गए, जिसमें 93.19 फीसदी मतदान हुआ जबकि दूसरे चरण में 142 सीटों पर 91.66 फीसदी वोट पड़े। दोनों ही चरणों में महिला वोटर्स ने ज्यादा वोट डाले।

बंगाल में मतगणना से पहले बीजेपी का खास प्लान ऐक्टिव

सभी उम्मीदवार पहुंचे मंदिर और की पूजा-अर्चना

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने अपने सभी विधानसभा उम्मीदवारों के लिए खास घोषणा की थी। उसी के अनुसार सभी रविवार को सारे कैंडिडेट्स अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों के मंदिरों में जाकर पूजा-अर्चना की। साथ ही, सभी विधानसभा क्षेत्रों में महिलाएं स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर धरना प्रदर्शन करती नजर आईं। पश्चिम बंगाल विधान सभा चुनाव के लिए वोटों की गिनती कल 4 मई को होनी है। इस बीच, पश्चिम बंगाल में मतगणना के लिए केंद्र सरकार के कर्मचारियों की तैनाती को लेकर निर्वाचन आयोग के सर्कुलर पर सुप्रीम कोर्ट ने कुछ दिशा-निर्देश जारी किए हैं। भाजपा और तृणमूल कांग्रेस दोनों ने इसका स्वागत किया और इसे अपने पक्ष में बताया। एससी ने कहा कि मतगणना के लिए केंद्र सरकार के कर्मियों की तैनाती संबंधी ईसी के सर्कुलर को चुनौती देने वाली याचिका पर किसी आदेश की आवश्यकता नहीं है। इसमें टीएमसी ने कलकत्ता न्यायालय की ओर से याचिका खारिज किए जाने के फैसले को चुनौती दी थी।

- बीजेपी की महिलाएं स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर धरना प्रदर्शन करती दिखीं

मतगणना में केंद्रीय कर्मचारियों की तैनाती पर हंगामा

भाजपा नेता ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, सुप्रीम कोर्ट ने एक और कानूनी झटका देते हुए हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। तृणमूल कांग्रेस ने मतगणना पर्यवेक्षक की जिम्मेदारियों से राज्य सरकार के कर्मियों को बाहर रखे जाने को चुनौती देते हुए न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था और तत्काल सुनवाई की मांग की थी। इस याचिका पर सुनवाई से इनकार एक स्पष्ट संदेश है कि मतगणना प्रक्रिया की निष्पक्षता को प्रभावित करने या उस पर संदेह पैदा करने के प्रयासों को किसी भी सूरत में वैधता नहीं मिलेगी।

भारतीय पनडुब्बियों को मिलेगा 'सीक्रेट' सिस्टम

भारत को बड़ी कामयाबी! हफ्तों तक पानी में छिपकर करेंगी वार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना की ताकत में जल्द ही एक बड़ा इजाफा होने जा रहा है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने पनडुब्बियों के लिए एक क्रांतिकारी एयर-इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन सिस्टम तैयार किया है। इस नए सिस्टम की मदद से भारतीय पनडुब्बियां पानी के अंदर पहले से कहीं ज्यादा समय तक रह सकेंगी। डीआरडीओ के अध्यक्ष समीर वी कामत ने आईआईटी बॉम्बे के दीक्षांत समारोह के दौरान यह अहम जानकारी साझा की। नए सिस्टम से डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों की मारक क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी।

कैसे काम करेगा यह नया सिस्टम, मिलेगी जानकारी

डीआरडीओ चीफ समीर वी कामत ने बताया कि इस प्रोपल्शन सिस्टम का लैंड-बेस्ड प्रोटोटाइप 2021 में टेस्ट किया गया था। अब इसका फुल वर्जन गुजरात के हजीरा स्थित एलएन्डटी प्लांट में तैयारी के अंतिम चरण में है। उन्होंने बताया- जल्द ही इसे मुंबई के मझगांव डॉक को सौंप दिया जाएगा।

400 किमी दूर दुश्मन की पनडुब्बी होगी नेस्तनाबूद

पनडुब्बियों की तकनीक के अलावा डीआरडीओ कई अन्य घातक हथियारों पर भी तेजी से काम कर रहा है। समीर वी कामत ने बताया कि डीआरडीओ एक ऐसा मिसाइल-माउंटेड टॉरपीडो (मिसाइल पर लगा टॉरपीडो) विकसित कर रहा है, जो 400 किलोमीटर दूर से ही दुश्मन की पनडुब्बी को तबाह कर सकता है। इसके साथ ही, डीआरडीओ में एक हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल और लेजर-डायरेक्टेड एनर्जी वेपन (लेजर हथियार) पर भी काम चल रहा है। इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम के बारे में बात करते हुए डीआरडीओ प्रमुख ने अन्य जानकारी दी।

45 हजार टन एलपीजी लेकर भारत आ रहा 'सर्वशक्ति'

- अमेरिकी नाकेबंदी के बीच पार कर गया खतरनाक होर्मुज

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में एलपीजी गैस सिलेंडर की दिक्कत के बीच एक बड़ी राहत की खबर है। कम से कम 45 हजार टन एलपीजी लेकर भारत का एक सुपर टैंकर सर्वशक्ति होर्मुज को पार कर गया है जो कि जल्द ही भारत पहुंच सकता है। आपको बता दें कि अमेरिका की नाकेबंदी और ईरान की सख्ती के बीच यह बड़ी सफलता है कि भारत से जुड़ा टैंकर इस रास्ते को पार करके आगे बढ़ गया है। जानकारी के मुताबिक कड़ी सुरक्षा के साथ यह टैंकर भारत के पोर्ट पर पहुंचेगा। इसका चालक दल भी भारतीय ही है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक यह कार्गो शिप भारतीय कंपनियों को गैस उपलब्ध करवाने वाला है।

अमेरिका ने सभी कंपनियों को चेताया

ईरान से तनाव के बीच अमेरिका ने जहाजरानी कंपनियों से कहा है कि वे अगर होर्मुज से गुजरने के लिए ईरान को किसी तरह का शुल्क देंगी तो उन्हे प्रतिबंधों का सामना करना पड़ जाएगा। होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण को लेकर अमेरिका और ईरान के मध्य जारी टकराव के बीच अमेरिकी विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय द्वारा शुक्रवार को दी गई चेतावनी ने दबाव और बढ़ा दिया है।

जम्मू और श्रीनगर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू

- 50 मिनट में तय होगा 272 किमी का यह लंबा सफर

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू और श्रीनगर के बीच पहली सीधी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन शनिवार को धूमधाम से शुरू हो गया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दो दिन पहले इसका उद्घाटन किया था। अधिकारियों के अनुसार, 20 डिब्बों वाली यह ट्रेन मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलेगी और इससे दोनों शहरों के बीच यात्रा समय घटकर पांच घंटे से कम हो जाएगा। पहले यह ट्रेन श्रीनगर से श्री माता वैष्णो देवी कटरा तक चलती थी, लेकिन अब यह जम्मू तवी तक जाएगी। फूलों से सजी यह ट्रेन जम्मू रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर सात से श्रीनगर के लिए रवाना हुई। यह सेमी-हाई स्पीड ट्रेन जम्मू तवी से श्रीनगर तक लगभग 272 किलोमीटर की दूरी चार घंटे 50 मिनट में तय करेगी जबकि सड़क मार्ग से यात्रा करने में 12 से 24 घंटे तक लगते हैं।

राष्ट्रपति के पास जा रहे राघव समेत तीन सांसद

5 मई को होगी मुलाकात,निशाने पर पंजाब सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी से हाल ही में नाता तोड़ने वाले राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने अब अपनी पुरानी पार्टी और पंजाब सरकार के खिलाफ सख्त रुख अपना लिया है। सांसद चड्ढा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात का समय मांगा था, जिसे राष्ट्रपति भवन द्वारा मंजूर कर लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, यह अहम मुलाकात 5 मई को सुबह 10.40 बजे होगी। इस दौरान राघव चड्ढा के साथ तीन अन्य सांसद भी मौजूद रहेंगे, जिन्होंने हाल ही में एएपी का साथ छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है।

समाचार एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से लिखा है कि इस प्रतिनिधिमंडल का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रपति को पंजाब की भगवंत मान सरकार की कथित बदले की राजनीति से अवगत कराना है। राघव चड्ढा और अन्य बागी सांसदों का आरोप है कि पंजाब सरकार अपनी शक्तियों और सरकारी मशीनरी का घोर दुरुपयोग कर रही है।

भारत में ही बनेगी बुलेट ट्रेन, स्वदेशी होगी तकनीक

दुनिया की महाशक्तियों को चुनौती देने का बन गया प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेल उस मुकाम पर खड़ी है, जहां से दुनिया की महाशक्तियों को चुनौती मिलने जा रही है। हाई-स्पीड रेल के लिए जापान की शिंकानसेन और विदेशी तकनीक पर निर्भर रहने वाला भारत अब खुद अपनी स्वदेशी बुलेट ट्रेन बना रहा है। बी28 (बुलेट ट्रेन-28) कोडनेम से बनने वाली यह ट्रेन अगस्त 2027 में अपना हाई स्पीड ट्रायल रन पूरा करेगी। वर्ष 2028 के मध्य में अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड कॉरिडोर के सूरत-बिलिमोरा-वापी सेक्शन पर यात्री 280 किमी प्रति घंटा की रफ्तार का आनंद उठा सकेंगे। लॉचिंग के समय इसका नाम 'वंदे भारत प्रो' अथवा 'अमृत भारत हाई स्पीड' रखा जा सकता है। रेलवे बोर्ड के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि देशभर में स्वदेशी बुलेट ट्रेन चलाने के साहसिक निर्णय के पीछे सबसे बड़ी वजह इसकी लागत और विदेशी तकनीक पर निर्भरता खत्म करना है। मुंबई-अहमदाबाद कॉरिडोर के लिए एक जापानी बुलेट ट्रेन की लागत 250-300 करोड़ रुपये आंकी गई है, वहीं भारतीय रेलवे के इंजीनियरों ने स्वदेशी तकनीक से महज 120 से 140 करोड़ रुपये में इसे तैयार करने का दावा किया है।

मध्यम वर्ग भी यात्रा कर सकेगा

लागत कम होने से बुलेट ट्रेन का किफायती किराया सिर्फ अमीरों की सवारी न रहकर मध्यम वर्ग भी यात्रा कर सकेगा। अधिकारी ने बताया कि स्वदेशी बुलेट ट्रेन को वंदे भारत के प्लेटफॉर्म (बोगी) पर विकसित किया जा रहा है। वंदे भारत स्टील की बनी है, जबकि बी28 एक्सट्रूडेड एल्युमीनियम से बनाया जा रहा है। अमूमन ट्रेन जब 280 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से टनल (सुरंग) से गुजरती है, तो तेज धमाके (सोनिक बूम) जैसी आवाज होती है। इसका नोज-कोन ऐसा डिजाइन है, जो हवा को चीरते हुए शोर को न्यूनतम कर देगा।

चलता-फिरता डाटा सेंटर, मध्यम वर्ग भी यात्रा कर सकेगा

स्वदेशी बुलेट ट्रेन चलता-फिरता डाटा सेंटर होगी। ट्रेन में हजारों अत्याधुनिक सेंसर लगे होंगे। जिससे ट्रेन के पहिये में हल्की खराबी आती है, तो रियल-टाइम हेल्थ मॉनिटरिंग के जरिये ड्राइवर को तुरंत पता चल जाएगा। लागत कम होने से बुलेट ट्रेन का किफायती किराया सिर्फ अमीरों की सवारी न रहकर मध्यम वर्ग भी यात्रा कर सकेगा। अधिकारी ने बताया कि स्वदेशी बुलेट ट्रेन को वंदे भारत के प्लेटफॉर्म (बोगी) पर विकसित किया जा रहा है।

देशभर में बुलेट ट्रेन का जाल बिछाया जा सकेगा

भारतीय रेलवे टिल्टिंग टेक्नोलॉजी सस्पेंस पर भी काम कर रही है। देश में पटरियां बहुत घुमावदार हैं। ट्रेन में झुकने वाली तकनीक शामिल की जा सकती है, जिससे यह घुमावदार मोड़ों पर भी बिना रफ्तार कम किए सुरक्षित निकल सकेगी। यदि रेलवे इस तकनीक को ब्रॉड गेज पटरियों पर उतारने में सफल रहा, तो बिना नया ट्रैक बिछाए पूरे देश में बुलेट ट्रेन का जाल बिछाया जा सकेगा।

क्रूज हादसा : चौथे दिन मिले चाचा-भतीजे के शव, अब मरने वालों की संख्या हुई 13

-मृतकों में 4 बच्चे और 8 महिलाएं शामिल, अभी भी जारी सर्चिंग ऑपरेशन

धनबाद (एजेंसी)। जबलपुर,(ईएमएस)। जबलपुर के बरगी क्रूज हादसे में रविवार सुबह कामराज आर का शव निकाला गया। इससे पहले सुबह करीब 6 बजे उनके 8 साल के भतीजे मयूरन की डेडबॉडी मिली थी। वह त्रिची (तमिलनाडु) से आया था। हादसे में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है। इससे पहले शनिवार शाम 6 बजे दो बच्चों के शव मिले थे। इनमें से एक की पहचान श्रीतमिल पिता कामराज (5) और विराज पिता कृष्ण सोनी (5) के रूप में हुई थी। हादसे के पहले दिन 4 शव, दूसरे दिन 5, तीसरे दिन 2 और चौथे दिन दो शव मिले। मृतकों में 4 बच्चे और 8 महिलाएं शामिल हैं। सीएसपी अंजुल अयंक मिश्रा ने बताया कि एहतियात के तौर पर आज दिनभर सर्चिंग अभियान चलाया जाएगा। बता दें 30 अप्रैल की शाम करीब 5 बजे मप्र टूरिज्म का पर्यटकों से भरा क्रूज बरगी डैम में डूब गया था। उसमें करीब 47 पर्यटक सवार थे, जबकि टिकट सिर्फ 29 लोगों की ही कटी थी। हादसा किनारे से करीब 300 मीटर दूर हुआ था। उस वक्त हवा की रफ्तार करीब 74 किमी/घंटा थी। बरगी क्रूज हादसे में जान गंवाने वाले तमिलनाडु के पर्यटकों के शव उनके गृह राज्य भेजे गए। जबलपुर के डुमना एयरपोर्ट से कार्गो विमान के जरिए शवों को त्रिची रवाना किया गया। शुरुआत में तकनीकी कारणों से एक कार्गो विमान में दिक्कत आई, जिसके बाद शवों को दूसरे विमान से भेजा गया। मृतकों के परिजन भी साथ में गए। प्रशासन की ओर से अन्य शवों को भी उनके गृह राज्यों तक पहुंचाने की तैयारी की जा रही है।

हैदराबाद में खौफनाक घटना, कार के बोनट पर व्यक्ति को 2 किमी तक घसीटा

-पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की

हैदराबाद, (एजेंसी)। हैदराबाद के मीरपेट इलाके में सड़क में हुए विवाद के बाद एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। दरअसल यू-टर्न को लेकर हुए झगड़े के बाद एक कार चालक ने एक व्यक्ति को लगभग 2 किलोमीटर तक कार के बोनट पर घसीट दिया। यह घटना 1 मई की रात की बताई जा रही है। पुलिस ने मीडिया को बताया, कि पीड़ित व्यक्ति अपने बेटे के साथ दोपहिया वाहन पर जा रहा था। बेटे ने यू-टर्न लेने के लिए इंडिकेटर दिया था, जिस पर पीछे से आ रहे कार चालक से बहस हो गई। विवाद बढ़ने पर कार चालक ने कथित तौर पर युवक के बाल पकड़ लिए, जिससे वह सड़क पर गिरकर घायल हो गया। अपने बेटे को बचाने के लिए पिता कार के बोनट पर चढ़ गया, लेकिन चालक ने गाड़ी रोकने के बजाय उसे लेकर आगे तेजी से बढ़ता चला गया। आरोपी कार चालक मीरपेट से बालापुर तक लगभग 2 किलोमीटर तक पीड़ित को बोनट पर घसीटता रहा और बाद में मौके से फरार हो गया। घटना का वीडियो सामने आने के बाद मामला और गंभीर हो गया है। पीड़ित की शिकायत पर मीरपेट पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

गायक फाजिलपुरिया के मैनेजर के घर पर फायरिंग, सुरक्षाकर्मी को लगी गोली

गुरुग्राम (एजेंसी)। सेक्टर 40 थाना क्षेत्र के कन्हई गांव में शनिवार रात बाइक सवार बदमाशों ने गायक राहुल फाजिलपुरिया के मैनेजर के घर के बाहर फायरिंग की। यहां चार राउंड फायरिंग की गई। इसमें एक गोली घर के बाहर सुरक्षा में तैनात सिपाही को लगी। सूचना मिलते ही पुलिस के साथ-साथ अपराध शाखा और फॉरेंसिक की टीमें मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक सौरभ यादव को पहले ही दीपक नांदल गैंग की तरफ से धमकी मिली थी। उसे काफी समय से विदेशी नंबर से वॉट्सएप कॉल आ रहे थे। सौरभ पहले राहुल फाजिलपुरिया के मैनेजर थे और उसके सबसे ज्यादा करीबी भी रहे हैं। रात करीब साढ़े 11 बजे बाइक सवार दो युवक आए जिन्होंने चार राउंड फायरिंग की। इस दौरान सुरक्षा में तैनात सिपाही कुलबीर घर के बाहर मौजूद थे, जिन्हें एक गोली पेट को छूकर निकल गई। वारदात के बाद बदमाश फरार हो गए। घायल सिपाही कुलबीर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बता दें इससे पहले पिछले साल जुलाई में गायत राहुल फाजिलपुरिया पर भी जानलेवा हमला हुआ था। एसपीआर रोड पर दो बदमाशों ने उनकी गाड़ी पर फायरिंग की थी। इसके बाद गायक के फाइनेंसर की भी गोलियों मारकर हत्या कर दी गई थी। बताया जाता है कि दीपक नांदल और राहुल फाजिलपुरिया के बीच पैसों के लेनदेन को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा है। दीपक ने सभी मामलों में सोशल मीडिया पर पोस्टर जारी कर घटना की जिम्मेदारी ली थी और पैसे वापस करने के लिए धमकी दी थी।

चंडीगढ़ में चली आंधी-तूफान, घरेलू उड़ानों पर पड़ा असर, उड़ानें देरी से हुई रवाना

चंडीगढ (एजेंसी)। रविवार सुबह अचानक मौसम ने करवट ली और तेज आंधी तूफान के साथ भारी बारिश ने चंडीगढ़ और आसपास के क्षेत्रों में जनजीवन अस्त व्यस्त कर दिया। इसका सीधा असर चंडीगढ़ इंटरनेशनल एअरपोर्ट की उड़ानों पर पड़ा, जहां कई घरेलू उड़ानों को देर से रवाना होना पड़ा। जानकारी के मुताबिक सुबह 7:50 बजे हैदराबाद के लिए रवाना होने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-1862 को मौसम की खराब स्थिति के कारण करीब एक घंटे देरी यानी 9:02 बजे चंडीगढ़ एअरपोर्ट से उड़ान भर सकी। इस तरह सुबह 8:10 बजे बेंगलुरु के लिए इंडिगो की फ्लाइट 6ई 6634 भी प्रभावित हुई और यह विमान 9:18 बजे रवाना हुआ। वहीं सुबह 8:20 बजे मुंबई के लिए प्रस्थान करने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-472 भी समय पर उड़ान नहीं भर सकी और यह 9:09 बजे मुंबई के लिए रवाना हुई। हालांकि, एअरपोर्ट पर आने वाली उड़ानों पर इस मौसम का ज्यादा प्रभाव नहीं देखा गया। इसका मुख्य कारण एअरफोर्स द्वारा लगाया गया नोटम बताया जा रहा है। इस नोटम के तहत रविवार को सुबह 7:40 बजे से पहले और दोपहर 1:30 बजे के बाद आगमन की अनुमति तय की गई थी, जिससे लैंडिंग संचालन नियंत्रित और सुरक्षित रहा। एअरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक खराब मौसम के बावजूद सुरक्षा मानकों को प्राथमिकता देते हुए उड़ानों का संचालन सावधानीपूर्वक किया गया।

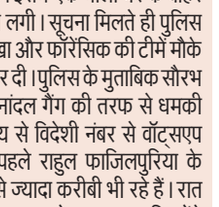

चेहरा बदलने से सरकार का चरित्र नहीं बदलेगा, नीतीश की तर्ज पर चलेगा बिहार

डिप्टी सीएम बोले- मुसलमानों को डरने की जरूरत नहीं, जेडीयू का ट्रिपल सी पर फोकस

पटना (एजेंसी)। बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी ने कहा कि मुसलमानों को डरने की जरूरत नहीं है। चुनाव से पहले 25 से 30 फिर से नीतीश का नारा दिया गया था। अगले पांच साल बिहार उसी तर्ज पर चलेगा, जैसा नीतीश कुमार चाहते हैं नीतीश के मन मुताबिक ही बीजेपी ने सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाया है। सम्राट चौधरी का बैकग्राउंड भी बीजेपी वाला नहीं है। पटना से चंपारण तक अचानक प्रेसवार्ता कर ताबड़तोड़ सुरक्षा वाली गारंटी दी?

सियासी गलियारे में सवाल पूछे जा रहे हैं कि अचानक ऐसा क्या हुआ, जो प्रेस के जरिए गारंटी दी जाने लगी है? राजनीतिक संशयों के बीच उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने अल्पसंख्यकों को सुरक्षा और विकास का भरोसा दिलाया। उन्होंने साफ किया कि सत्ता का शीर्ष चेहरा बदलने से सरकार का चरित्र नहीं बदलेगा। पटना जेडीयू प्रदेश कार्यालय में मीडिया से मुखातिब विजय चौधरी ने कहा कि भले ही कमान सम्राट चौधरी के हाथों में है, लेकिन सरकार का एजेंडा वही रहेगा जो नीतीश कुमार ने पिछले दो दशकों में स्थापित किया है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी के नाम का डर दिखाकर अल्पसंख्यकों को गुमराह करना अब संभव नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विजय चौधरी ने जोर देकर कहा कि चुनाव से पहले दिया गया 25 से 30 फिर से नीतीश का नारा सरकार के लिए प्रतिबद्धता है। अगले पांच साल बिहार का शासन उसी तर्ज पर चलेगा जैसा नीतीश कुमार चाहते हैं। सीएम सम्राट चौधरी ने भी विधानसभा में साफ कर दिया है कि उनकी सरकार क्राइम, करप्शन और कम्युनलिज्म (3सी) से कोई समझौता नहीं करेगी। सांप्रदायिकता के खिलाफ सरकार की नीति पूरी तरह स्पष्ट है। चौधरी ने आरजेडी का नाम लिए बिना 2005 से पहले की सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारें अल्पसंख्यकों को सिर्फ सुरक्षा का डर दिखाकर सत्ता हासिल करती थीं। सरकार का दायित्व केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों की माली हालत सुधारना भी है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष केवल बीजेपी का डर दिखाकर अल्पसंख्यकों का राजनीतिक शोषण करता रहा है। चौधरी यहीं नहीं रूके। उन्होंने नीतीश कुमार के शासनकाल में अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए उठाए गए कामों को भी गिनाया।

नीतीश कुमार के कार्यकाल में मदरसों की ढांचागत और शैक्षणिक स्थिति में अभूतपूर्व सुधार हुआ। छात्र क्रेडिट कार्ड और पोशाक योजना जैसी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के मुस्लिम समाज को मिला। कमजोर तबके के उत्थान के लिए चलाई गई योजनाओं ने अल्पसंख्यकों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाया। सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए सरकार हमेशा अपनी जीरो टॉलरेंस नीति पर अडिग रही। दरअसल 2023 की बिहार जाति आधारित गणना के मुताबिक राज्य में मुस्लिम आबादी 17.7फीसदी है। इनमें अनुमान के मुताबिक 12-14फीसदी मुस्लिम जेडीयू को और 70-75फीसदी आरजेडी को वोट डालते हैं। जो मुस्लिम जेडीयू को वोट देते हैं, वो सिर्फ और सिर्फ नीतीश पर भरोसा करते हैं। अब कुर्सी बदल गई तो उसे मेंटेन रखना एक चुनौती है। अब सीएम की कुर्सी नीतीश से खिसककर बीजेपी के सम्राट चौधरी के पास पहुंच गई है। आरजेडी कुछ गेम न कर दे, इसे लेकर पहले की तैयारी के तौर पर जेडीयू के प्रेस कॉन्फ्रेंस को देखा जा रहा है।

बंगाल की खाड़ी में चीन का जासूसी जहाज शी यान 6 दाखिल, भारत के रणनीतिक बैकयार्ड में ड्रैगन की सेंध का प्रयास

नई दिल्ली (एजेंसी)। जासूसी की अपनी पुरानी फितरत को दोहराते हुए चीन ने एक बार फिर बंगाल की खाड़ी में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। बीजिंग का अत्याधुनिक रिसर्च वेसल और जासूसी जहाज 'शी यान 6' भारतीय समुद्री सीमा के करीब रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र में दाखिल हो चुका है। सैटेलाइट इमेजरी और विशेषज्ञों द्वारा साझा किए गए नक्शों से इस बात की पुष्टि हुई है कि मालदीव के माले में ईंधन और रसद भरने के बाद यह जहाज अब सीधे भारत के रणनीतिक बैकयार्ड की टोह लेने के मिशन पर निकल पड़ा है। यह जहाज मार्च 2025 में हिंद महासागर क्षेत्र में दाखिल हुआ था और तब से लगातार भारत की समुद्री गतिविधियों पर नजर रख रहा है। शी यान 6 का यह मिशन केवल वैज्ञानिक शोध तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत के ग्रेटर निकोबार प्रोजेक्ट के लिए एक बड़ा खतरा माना जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, चीन का यह साइलेंट किलर जहाज चार प्रमुख तरीकों से भारत की सुरक्षा में सेंध लगा सकता है। सबसे बड़ा खतरा समुद्री सतह के नीचे का डेटा चोरी करना है, जो भविष्य में चीनी पनडुब्बियों के लिए गुप्त रास्ते बनाने में मदद कर सकता है। चीन की इस चालबाजी का दूसरा बड़ा कारण उसका मलक्का डिलेमा है। चीन का लगभग 80 प्रतिशत तेल व्यापार मलक्का जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है, जहाँ भारत का ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट एक गेटकीपर की भूमिका निभाता है। चीन चाहता है कि वह इस प्रोजेक्ट की भौगोलिक और सैन्य जानकारी समय से पहले जुटा ले, ताकि युद्ध जैसी स्थिति में भारतीय नाकेबंदी को चकमा दिया जा सके।

भाजपा नेता की हत्या के मामले में कांग्रेस विधायक कुलकर्णी की सदस्यता रद्द

-धारवाड़ विधानसभा सीट रिक्त घोषित

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में भाजपा नेता योगेश गौड़ा की हत्या के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी को विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया है। कर्नाटक विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी एक आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, कुलकर्णी की सदस्यता 15 अप्रैल 2024 से समाप्त मानी गई है, जिस दिन विशेष अदालत ने उन्हें दोषी करार दिया था। यह कार्रवाई भारतीय संविधान के अनुच्छेद 191(1)(ई) और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 के तहत की गई है।

विधानसभा सचिव एम.के. विशालाक्षी द्वारा जारी इस आदेश में स्पष्ट किया गया है कि अयोग्यता न केवल उनकी सजा की अवधि के दौरान प्रभावी रहेगी, बल्कि जेल से रिहाई के बाद भी अगले छह वर्षों तक लागू रहेगी। यह प्रतिबंध तभी हट सकता है जब किसी उच्च या सक्षम अदालत द्वारा उनकी दोषसिद्धि और सजा पर रोक लगा दी जाए। इस फैसले के बाद धारवाड़ विधानसभा सीट को आधिकारिक तौर पर रिक्त घोषित कर दिया गया है। यह मामला वर्ष 2016 का है, जब 15 जून को धारवाड़ के एक जिम में भाजपा नेता योगेश गौड़ा की निर्मम हत्या कर दी गई थी। गौड़ा को विनय कुलकर्णी का राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी माना जाता था। घटना के समय कुलकर्णी सिद्धारमैया सरकार में कैबिनेट मंत्री थे। शुरुआत में उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, लेकिन भाजपा द्वारा इसे बड़ा मुद्दा बनाए जाने और जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपे जाने के बाद कुलकर्णी की मुश्किलें बढ़ गईं। सीबीआई जांच में उन्हें हत्या की साजिश रचने का मुख्य आरोपी पाया गया। बेंगलुरु की विशेष अदालत ने 15 अप्रैल को कुलकर्णी समेत 16 अन्य लोगों को इस हत्याकांड में उम्रकैद की सजा सुनाई थी। हालांकि विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर ने शुरुआत में सजा की आधिकारिक सूचना मिलने तक कार्रवाई में देरी की बात कही थी, लेकिन विपक्षी दलों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के बढ़ते दबाव के बाद यह अधिसूचना जारी की गई। कुलकर्णी, जो वर्तमान में कर्नाटक अर्बन वॉटर सप्लाई एंड ड्रेनेज बोर्ड के अध्यक्ष भी थे, ने इस सजा के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील दाखिल की है। फिलहाल वह बेंगलुरु सेंट्रल जेल में बंद हैं। इस घटनाक्रम ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है, क्योंकि एक रसूखदार नेता को अपने ही राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी की हत्या के षड्यंत्र में पद गंवाना पड़ा है।

पश्चिम बंगाल चुनाव: मतगणना से पहले फाल्टा में भारी बवाल

अभिषेक बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर साधा निशाना

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों की आहट के बीच प्रदेश का सियासी पारा चरम पर पहुंच गया है। 4 मई 2026 को होने वाली मतगणना से ठीक पहले दक्षिण 24 परगना जिले का फाल्टा विधानसभा क्षेत्र भारी तनाव और हिंसा के आरोपों का केंद्र बन गया है। फाल्टा में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार जहांगीर खान के करीबी सहयोगी इस्राफील चौकीदार के खिलाफ स्थानीय जनता का गुस्सा फूट पड़ा है। ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं ने सड़कों पर उतरकर टीएमसी नेताओं पर डराने-धमकाने और घर जलाने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं।

यह विवाद तब और गहरा गया जब भाजपा आईटी सेल की ओर से सोशल मीडिया पर दावा किया गया कि फाल्टा में मतदाताओं को धमकाने के आरोप में अतीबुर शेख, हबीब शेख और हबीब मोल्ला को गिरफ्तार किया गया है, लेकिन मुख्य आरोपी इस्राफील चौकीदार अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर है। भाजपा ने सवाल उठाया कि क्या बंगाल पुलिस कार्रवाई के लिए सत्ताधारी दल के निर्देशों का इंतजार कर रही है। स्थानीय महिलाओं का आरोप है कि उन्हें धमकी दी गई है कि यदि भाजपा चुनाव जीतती है, तो उनके घर जला दिए जाएंगे और खून-खराबा होगा।

विवाद उस समय व्यक्तिगत हमले में बदल गया जब निर्वाचन आयोग ने शिकायतों के आधार पर फाल्टा में फिर से चुनाव कराने का निर्णय लिया। इस फैसले के बाद टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर सीधा निशाना साधते हुए उन्हें कठपुतली तक कह डाला। अभिषेक बनर्जी ने विपक्षी नेताओं को चुनौती देते हुए कहा कि उनके डायमंड हार्बर मॉडल को कोई नुकसान नहीं पहुँचा सकता। उन्होंने विरोधियों को फाल्टा में आकर चुनाव लड़ने की खुली चुनौती दी।

निर्वाचन आयोग की इस कार्रवाई और अभिषेक बनर्जी के कड़े तेवरों ने चुनाव की निष्पक्षता को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। जहां विपक्षी दल इसे सत्ता की हताशा बता रहे हैं, वहीं टीएमसी इसे राज्य की छवि खराब करने की साजिश करार दे रही है। फिलहाल फाल्टा में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और पूरे राज्य की नजरें 4 मई को आने वाले जनादेश पर टिकी हैं।

अखिलेश यादव ने बीजेपी को बताया 'झूठ की सोन पपड़ी' : फाल्टा में पुनर्मतदान के फैसले पर उठाए सवाल, टीएमसी की जीत का दावा

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। फाल्टा विधानसभा सीट पर पुनर्मतदान के फैसले को लेकर उन्होंने बीजेपी की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह पार्टी 卐झूठ की सोन पपड़ी卐 की तरह है, जो एक झूठ के ऊपर दूसरा झूठ चढ़ाती है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए आरोप लगाया कि बीजेपी अपनी संभावित हार से बचने के लिए बहाने ढूंढ रही है। उन्होंने कहा कि फाल्टा में दोबारा मतदान कराने का फैसला इसी दिशा में एक कदम है। उन्होंने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उनके अनुसार, पुनर्मतदान का फैसला मीडिया रिपोर्ट्स और टीवी प्रसारण के आधार पर लिया गया, जो कई गंभीर सवाल खड़े करता है। अखिलेश ने कहा कि यदि मतदान केंद्रों के अंदर तक मीडिया की पहुंच थी, तो यह नियमों के विपरीत है, खासकर तब जब सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। सपा प्रमुख ने यह भी कहा कि यदि बूथ कैप्चरिंग जैसी आशंका जताई गई है, तो चुनावी पर्यवेक्षकों की भूमिका की जांच होनी चाहिए और जरूरत पड़ने पर उनके खिलाफ कार्रवाई भी की जानी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि किसी अधिकारी की लापरवाही के कारण पुनर्मतदान की नौबत आई है, तो उसके खर्च की जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए। इसके साथ ही अखिलेश यादव ने दावा किया कि बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को स्पष्ट बढ़त मिल रही है और जनता ने पहले ही उसे आगे कर दिया है। उन्होंने बीजेपी पर 卐षड्यंत्र卐 रचने का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता हर कोशिश को नाकाम कर देंगे। अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि जब तक जीत का आधिकारिक प्रमाण हाथ में न आ जाए, तब तक पूरी तरह चौकन्ना रहना जरूरी है।

तिरुपति लड्डू विवाद: टीटीडी ने बिना जांच के खरीदा 70 लाख किलो घी

जांच रिपोर्ट में बड़े भ्रष्टाचार का हुआ खुलासा

अमरावती (एजेंसी)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) द्वारा विश्व प्रसिद्ध तिरुपति लड्डू बनाने के लिए इस्तेमाल किए गए घी की खरीद में एक बड़े घोटाले और प्रशासनिक विफलता का खुलासा हुआ है। आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा गठित एक सदस्यीय जांच आयोग ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि टीटीडी ने बिना अनिवार्य गुणवत्ता जांच के 70 लाख किलोग्राम से अधिक घी की खरीद की। इस लापरवाही के कारण ही आपूर्तिकर्ताओं को प्रसाद के लिए मिलावटी घी देने का मौका मिला।

मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू द्वारा नियुक्त सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी दिनेश कुमार की अध्यक्षता वाले आयोग ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया कि यह पूरी तरह से प्रशासनिक विफलता थी। रिपोर्ट के अनुसार, टीटीडी के अधिकारियों ने शुरू में भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के कड़े मानकों को लागू करने की योजना बनाई थी, जिसे जुलाई 2022 से प्रभावी होना था। हालांकि, बाद में नियमों में गुपचुप तरीके से ढील दे दी गई और आपूर्तिकर्ताओं को जरूरी जांचों से छूट प्रदान की गई। इसी छूट का फायदा उठाकर भारी मात्रा में घटिया गुणवत्ता वाला घी खरीदा गया।

आयोग ने पाया कि निविदा (टेंडर) प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा मानकों को जानबूझकर कमजोर किया गया। कम कीमत की बोलियों को बिना जांचे स्वीकार किया गया और उन कंपनियों को भी ठेके दिए गए, जिनके पास पर्याप्त उत्पादन क्षमता तक नहीं थी। जांच में सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह सामने आया कि अगस्त 2022 की एक लैब रिपोर्ट, जिसमें घी में वनस्पति वसा (वेजिटेबल फैट) की मौजूदगी की पुष्टि हुई थी, उसे अधिकारियों ने दबा दिया। मिलावट सिद्ध होने के बावजूद संबंधित कंपनियों को काली सूची (ब्लैकलिस्ट) में डालने के बजाय उनसे आपूर्ति जारी रखी गई। रिपोर्ट में टीटीडी की अपनी प्रयोगशाला की स्थिति पर भी सवाल उठाए गए हैं। बताया गया कि लैब के आधुनिकीकरण का काम तीन साल तक टाल दिया गया और निरीक्षण समितियों में उन्हीं लोगों को रखा गया जो खरीद प्रक्रिया से जुड़े थे, जिससे स्वतंत्र निगरानी खत्म हो गई। प्रीमियर एग्री फूड्स, एआर डेयरी फूड और भोले बाबा ऑर्गेनिक डेयरी जैसी कंपनियों पर मिलावटी घी और सिंथेटिक केमिकल के इस्तेमाल के गंभीर आरोप हैं। आयोग ने इस पूरी गड़बड़ी के लिए टीटीडी बोर्ड, खरीद समिति के सदस्यों और वरिष्ठ अधिकारियों को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया है। प्रशासन की इस अनदेखी ने न केवल करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस पहुँचाई, बल्कि खाद्य सुरक्षा के मानकों की भी धज्जियां उड़ा दीं।

फारूक अब्दुल्ला ने कहा- कश्मीरी पंडितों के बगैर अधूरा है जेएंडके

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में शांति, भाईचारे और सुरक्षा को लेकर दो महत्वपूर्ण स्वर उभरे हैं। एक ओर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कश्मीरी पंडितों की घर वापसी की वकालत करते हुए घाटी के पुराने स्वरूप को बहाल करने पर जोर दिया है, वहीं दूसरी ओर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने नशे के कारोबार और आतंकवाद के गठजोड़ को खत्म करने के लिए निर्णायक युद्ध का शंखनाद किया है।एक पुस्तक विमोचन समारोह के दौरान फारूक अब्दुल्ला ने कश्मीरी पंडितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि कश्मीर सभी समुदायों का साझा घर है और पंडितों के बिना यह अधूरा है। उन्होंने 1990 के दशक में हुए पलायन को क्षेत्र के लिए सबसे बड़ा मानवीय और सांस्कृतिक नुकसान बताया।

अब्दुल्ला ने भावुक होते हुए कहा, मैं अल्लाह से दुआ करता हूं कि जो लोग यहां से चले गए, वे अपने घरों को वापस लौटें और एक बार फिर खुशहाली से रहें। कश्मीर की असली पहचान हिंदू, मुस्लिम और सिख समुदायों का आपसी मेलजोल ही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि घाटी में जल्द ही वह दौर वापस आएगा जब सभी समुदाय पुराने गौरव और भाईचारे के साथ एक साथ रहेंगे। घाटी के सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करने की इस अपील के बीच, प्रशासन सुरक्षा और युवाओं के भविष्य को लेकर बेहद सतर्क है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने केंद्र शासित प्रदेश में बढ़ते नशे के कारोबार को एक रणनीतिक साजिश करार दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नशीली दवाओं का व्यापार सीधे तौर पर आतंकवाद से जुड़ा है, जिसका उद्देश्य युवाओं को बर्बाद करना और नारको-टेरर के जरिए अशांति फैलाना है। प्रधानमंत्री के नशा मुक्त भारत अभियान के तहत उपराज्यपाल ने एक विशेष 3पी रणनीति को लागू किया है। इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य ड्रग सप्लाई चेन को ध्वस्त करना, शिक्षा के माध्यम से जागरूकता फैलाना और नशे के शिकार युवाओं का प्रभावी पुनर्वास करना है। प्रशासन का मानना है कि सीमाओं पर सक्रिय सप्लाई चेन को तोड़ना न केवल युवाओं को बचाएगा, बल्कि आतंकवाद की फंडिंग पर भी करारी चोट करेगा। अब यह अभियान एक जन आंदोलन का रूप ले चुका है, जिसमें पुलिस और जनता के बेहतर तालमेल से सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

कनाडा बनाम भारत: सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने छेड़ी वर्क-लाइफ बैलेंस की बहस

नई दिल्ली(एजेंसी)। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक भारतीय मूल के व्यक्ति का वीडियो काफी चर्चा बटोर रहा है, जिसमें उसने कनाडा और भारत के आईटी सेक्टर के कार्य परिवेश के बीच के बड़े अंतर को उजागर किया है। इस वीडियो ने प्रोफेशनल जगत में वर्क-लाइफ बैलेंस को लेकर एक नई राष्ट्रीय बहस छेड़ दी है। वीडियो में वह व्यक्ति कनाडा के एक ऑफिस का दृश्य दिखाते हुए बताता है कि वहां शाम 4:30 बजते ही कर्मचारी अपना काम समेटकर घर के लिए निकल जाते हैं। उसके अनुसार, विदेशों में समय पर ऑफिस छोड़ना एक सामान्य संस्कृति है, जहां लोग काम के बाद अपनी निजी जिंदगी और परिवार को प्राथमिकता देते हैं।

कनाडा की तुलना भारत से करते हुए उस व्यक्ति ने बताया कि भारत के आईटी ऑफिसों में स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत है। यहां कर्मचारियों को अक्सर 10 से 12 घंटे की लंबी शिफ्ट करनी पड़ती है। कई मामलों में तो कर्मचारी तब तक अपनी सीट नहीं छोड़ पाते, जब तक उनके वरिष्ठ अधिकारी या बॉस उन्हें जाने का संकेत न दे दें। वीडियो के मुताबिक, कनाडा में काम के बाद लोग अपने शौक पूरे करने, जिम जाने या घूमने के लिए स्वतंत्र होते हैं, जबकि भारत में काम के भारी दबाव और हर समय उपलब्ध रहने की अपेक्षा के कारण लोगों के पास खुद के लिए समय ही नहीं बचता।

वीडियो का मुख्य संदेश यह है कि काम केवल आजीविका का साधन होना चाहिए, न कि पूरी जिंदगी का केंद्र। उस व्यक्ति ने सुझाव दिया है कि यदि भारत में भी काम के घंटों और ओवरटाइम को लेकर कड़े नियम लागू किए जाएं, तो यहां के कार्य परिवेश में बड़ा सुधार हो सकता है। इस वीडियो पर नेटिजन्स की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। जहां बड़ी संख्या में लोग विदेशी वर्क-कल्चर की तारीफ कर रहे हैं, वहीं विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में प्रतिभा की कमी नहीं है, लेकिन ऑफिस कल्चर में आमूलचूल बदलाव की आवश्यकता है। यह वीडियो एक गंभीर सवाल खड़ा करता है कि क्या निरंतर बढ़ता पेशेवर दबाव हमारी व्यक्तिगत खुशियों को निगल रहा है?

मजबूत बूथ ही संगठन और चुनावी सफलता का आधार: धर्मपाल सिंह

गाजियाबाद/अलीगढ़ (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने रविवार को गाजियाबाद में पश्चिम क्षेत्र तथा अलीगढ़ में ब्रज क्षेत्र की महत्वपूर्ण बैठकों को संबोधित करते हुए संगठन सुदृढ़ीकरण पर जोर दिया। उन्होंने बूथ सशक्तिकरण, कार्यकर्ता सक्रियता और जनसंपर्क को मजबूत करने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश दिए।

बैठकों में जिला अध्यक्षों, जिला प्रभारियों और मंडल प्रवासियों के साथ बूथ स्तर पर संगठन को सशक्त बनाने को लेकर गहन चर्चा की गई। धर्मपाल सिंह ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका मजबूत संगठनात्मक ढांचा है, जिसकी नींव बूथ इकाई पर टिकी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ह्लमजबूत बूथ ही मजबूत संगठन और चुनावी सफलता का आधार है ह्व

उन्होंने कार्यकताओं को पार्टी की रीढ़ बताते हुए कहा कि उनकी सक्रियता से ही पार्टी की विचारधारा, नीतियां और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचती हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में बूथ समितियों का भौतिक सत्यापन करें और अधूरी समितियों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करें।

धर्मपाल सिंह ने अनुशासन, निरंतरता और सक्रियता को संगठन की सफलता का मूल मंत्र बताते हुए मंडल प्रवासियों से नियमित क्षेत्रीय दौरे करने का आह्वान किया। साथ ही, लाभार्थी संपर्क अभियान को तेज करने और सरकार की योजनाओं से लाभान्वित लोगों से संवाद बढ़ाने पर बल दिया।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को प्रत्येक बूथ पर सामूहिक रूप से सुनने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही। अंत में, उन्होंने प्रशिक्षण वर्गों को सुव्यवस्थित और परिणामोन्मुख बनाने तथा कार्यकताओं से पूर्ण समर्पण के साथ बूथ सशक्तिकरण अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया, प्रदेश मंत्री बसंत त्यागी, अमित वाल्मीकि और सतपाल सैनी मौजूद रहे।

कॉलेज के पास स्टंटबाजी करना पड़ा भारी, वायरल वीडियो के आधार पर दो युवक गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। अपराध की रोकथाम और कानून व्यवस्था बनाए रखने के अभियान के तहत थाना बहादुरगढ़ पुलिस ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रही बाइक स्टंटबाजी की वीडियो का संज्ञान लेते हुए त्वरित कार्रवाई की। पुलिस ने कॉलेज के पास खतरनाक स्टंट कर रहे दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, वायरल वीडियो में दो युवक सार्वजनिक स्थान पर तेज रफ्तार बाइक से स्टंट करते हुए दिखाई दे रहे थे, जिससे आमजन की सुरक्षा को गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा था। मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना बहादुरगढ़ पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों ने अपने नाम वाशु और नवीन बताए हैं, जो ग्राम नवादा खुर्द, थाना बहादुरगढ़, जनपद हापुड़ के निवासी हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है। पुलिस द्वारा दोनों के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों ने आमजन से अपील की है कि इस प्रकार के खतरनाक स्टंट से बचें, क्योंकि इससे न केवल अपनी बल्कि दूसरों की जान भी जोखिम में पड़ती है।

चौकीदार हत्याकांड का खुलासा, मुठभेड़ में एक घायल सहित दो आरोपी गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। चरथावल क्षेत्र में हुए चौकीदार हत्याकांड का पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए मुठभेड़ के बाद दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनमें एक आरोपी घायल हो गया। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त फावड़ा, डंडा, मोटरसाइकिल तथा अवैध तमंचे और कारतूस बरामद किए हैं। घटना 24 अप्रैल की रात की है, जब किड्स हेवन पब्लिक स्कूल में तैनात चौकीदार राजू की सिर और गर्दन पर वार कर हत्या कर दी गई थी। मृतक के भाई आदेश कुमार की तहरीर पर थाना चरथावल में मुकदमा दर्ज किया गया। एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने घटनास्थल का निरीक्षण कर टीमों का गठन किया। दो मई की रात पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी ग्राम किशनपुरा के जंगल में ट्यूबवेल पर छिपे हैं। मौके पर पहुंची पुलिस पर बदमाशों ने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी घायल हो गया और दूसरे को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहन पुत्र सुगनचंद निवासी किशनपुरा थाना चरथावल और नितिन उर्फ नितीश पुत्र सुरेंद्र निवासी ग्राम तेजलहेड़ा थाना छपार के रूप में हुई। पूछताछ में सामने आया कि मोहन पिछले 18-20 वर्षों से मृतक की दुकान में किराए पर इलेक्ट्रिक की दुकान करता था। दुकान खाली कराने को लेकर विवाद चल रहा था। इसी रंजिश में मोहन ने अपने साढ़ू के पुत्र नितिन के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई। घटना के दौरान नितिन के हाथ में चोट लगने से उसका हाथ फ्रैक्चर हो गया। पुलिस ने निशानदेही पर फावड़ा, डंडा, बजाज सीटी 100 मोटरसाइकिल, तमंचा 315 बोर, तमंचा 12 बोर तथा कारतूस बरामद किए। थाना प्रभारी सत्यनारायण दहिया, निरीक्षक जसबीर सिंह, उपनिरीक्षक मोहित सिंह, उपनिरीक्षक अजय गौड़, उपनिरीक्षक नंदकिशोर शर्मा, उपनिरीक्षक राजेश शर्मा, उपनिरीक्षक पुष्पेंद्र सिंह, उपनिरीक्षक परविंद्र सिंह, उपनिरीक्षक गोविंद चौधरी, हेड कांस्टेबल सोनू सिरोही, हेड कांस्टेबल अर्जुन सिंह, कांस्टेबल राहुल गिरी, कांस्टेबल तेजेंद्र धामा और कांस्टेबल राहुल कुमार की अहम भूमिका रही। एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने टीम को 25 हजार रुपये का पुरस्कार दिया।

नारद संवाद लोकमंगल के लिए, स्व का बोध राष्ट्र विकास की कुंजी

प्रो.संजय द्विवेदी

कानपुर (शिखर समाचार)। देवर्षि नारद जयंती के अवसर पर छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान में वक्ताओं ने पत्रकारिता के मूल्यों, संवाद की पवित्रता और राष्ट्र निर्माण में मीडिया की भूमिका पर विस्तार से विचार रखे। कार्यक्रम का विषय राष्ट्रवादी पत्रकारिता में स्व का बोध रहा। भारतीय जन संचार संस्थान के पूर्व महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि देवर्षि नारद की जो लोक छवि प्रचलित है, वह उनके वास्तविक व्यक्तित्व से भिन्न है। उन्हें अक्सर कलह उत्पन्न करने वाला माना जाता है, जबकि उनके प्रत्येक संवाद में लोकमंगल की भावना निहित रहती है। उन्होंने कहा कि नारद का संवाद कभी निरर्थक नहीं होता, बल्कि उद्देश्यपूर्ण और समाजहितकारी होता है। प्रो. द्विवेदी ने बताया कि नारद देवताओं, असुरों और समाज के सभी वर्गों के बीच संवाद स्थापित करने वाले सेतु हैं। सभी उन पर विश्वास करते हैं और वे सलाहकार, मित्र तथा मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के लिए विश्वसनीयता, सतत प्रवास और उद्देश्य की पवित्रता अत्यंत आवश्यक गुण हैं, जो नारद के जीवन से स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि नारद किसी आश्रम या मठ की स्थापना नहीं करते, बल्कि निरंतर प्रवास करते हुए संवाद और संपर्क बनाए रखते हैं। उनका हर कार्य लोकमंगल की भावना से प्रेरित होता है। समाज को बेहतर बनाने के लिए सार्वजनिक संवाद में शुचिता और मूल्यबोध का होना आवश्यक है, तभी संवाद लोकहित केंद्रित बन सकेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहा कि देवर्षि नारद को भारतीय परंपरा में प्रथम पत्रकार माना जाता है, जिन्होंने सदैव सत्य और लोकहित को प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि आज के दौर में पत्रकारिता के मूल्यों को बचाए रखना सबसे बड़ी चुनौती है। स्व का बोध ही व्यक्ति को अपनी संस्कृति, कर्तव्यों और जिम्मेदारियों से जोड़ता है, जो राष्ट्र के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। विभागाध्यक्ष डॉ. दिवाकर अवस्थी ने कहा कि नारद जयंती केवल एक पौराणिक आयोजन नहीं, बल्कि पत्रकारिता के आदर्शों पर आत्ममंथन का अवसर है। उन्होंने कहा कि सूचना की गति से अधिक उसकी सत्यता और उद्देश्य महत्वपूर्ण होना चाहिए। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. हरिओम कुमार ने वैश्विक स्तर पर नारद संचार मॉडल को स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। संचालन करते हुए डॉ. ओम शंकर गुप्ता ने कहा कि नारद का व्यक्तित्व और कार्यशैली मीडिया जगत के लिए मार्गदर्शक स्तंभ की तरह है और छात्रों को उनके संवाद मॉडल का अध्ययन करना चाहिए। अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. योगेंद्र कुमार पांडेय ने किया। कार्यक्रम में डॉ. जितेंद्र डबराल, प्रेम किशोर शुक्ला, सागर कनौजिया सहित अनेक शिक्षक एवं छात्र छात्राएं ऑनलाइन माध्यम से जुड़े।

खुलड़िया में रालोद के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष कुलदीप राठी का भव्य स्वागत

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) गढ़मुक्तेश्वर ब्लॉक के सिंभावली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खुलड़िया में राष्ट्रीय लोकदल के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष कुलदीप राठी का पार्टी कार्यकताओं एवं समर्थकों द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान कार्यकताओं ने फूल-मालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन किया और संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलदीप राठी ने कहा कि वे पार्टी की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने और संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। उन्होंने सभी कार्यकताओं से एकजुट होकर पार्टी को और सशक्त बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रुगराज सिंह ने की, जबकि संचालन हिमांशु गुर्जर द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव शिवकुमार त्यागी ने कहा कि कुलदीप राठी को मिली जिम्मेदारी में सभी कार्यकर्ता उनका पूर्ण सहयोग करेंगे और संगठन को मजबूती प्रदान करेंगे। कार्यक्रम में साहित्य प्रधान, राहुल पंवार (जिलाध्यक्ष, छात्र सभा), मोनू गुर्जर, विशु चौधरी, रोहित, ललित कुमार, मनजीत चौधरी, प्रिंस पंवार, रिंकल पंवार, अभिषेक पंवार, बंटी चौधरी, आकाश चौधरी सहित अनेक कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

आईटीएस मोहन नगर में एमसीए बैच को भावपूर्ण विदाई

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईटीएस मोहन नगर में शनिवार को एमसीए (2024ह्न2026) बैच के विद्यार्थियों के सम्मान में भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। उड़ान सपनों के और थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ उन्हें नई शुरूआत के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक डॉ. सुनील कुमार पांडेय, एमसीए विभाग की संयोजिका डॉ. पूजा धर और सह संयोजिका प्रो. स्मिता कंसल ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। आईटीएस समूह के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा ने अपने संदेश में विद्यार्थियों को नई यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं, जबकि वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने कहा कि संस्थान केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि मूल्यों, अनुशासन और नेतृत्व का भी निर्माण करता है।

निदेशक डॉ. पांडेय ने विद्यार्थियों को सफलता, नैतिकता और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करते हुए इसे नई शुरूआत बताया। समारोह में जूनियर विद्यार्थियों ने नृत्य, संगीत और नाट्य प्रस्तुतियों से रंगारंग माहौल बनाया। साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित कर मिस्टर एवं मिस फेयरवेल का चयन किया गया।

अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए संस्थान और शिक्षकों के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम के अंत में स्मृति चिन्ह वितरित किए गए और समूह छायाचित्र के साथ समारोह का समापन हुआ।

फाइनेंस के ट्रैक्टर बेचने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़, सात ट्रैक्टर बरामद

बिजनौर (शिखर समाचार)। जनपद की मंडावर थाना पुलिस ने फाइनेंस किए गए ट्रैक्टरों की अवैध बिक्री करने वाले एक संगठित अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने विभिन्न फाइनेंस कंपनियों से लिए गए सात ट्रैक्टर बरामद किए हैं। हालांकि गिरोह का मुख्य सरगना समेत तीन आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। मामले का खुलासा करते हुए पुलिस क्षेत्राधिकारी (नगर) संग्राम सिंह ने बताया कि 30 मार्च को चोलामंडलम फाइनेंस कंपनी की ओर से थाने में शिकायत दी गई थी। आरोप था कि फाइनेंस किए गए ट्रैक्टरों के नंबर प्लेट, चेसिस नंबर व अन्य दस्तावेजों में कूटरचना कर बिना एनओसी के उन्हें अवैध रूप से बेचा जा रहा है। जांच के दौरान सामने आया कि गिरोह ने फर्जी कागजात तैयार कर कोतवाली देहात क्षेत्र के गौसपुर सादात निवासी जावेद को ट्रैक्टर बेचे थे। पुलिस जांच में पता चला कि गिरोह ने महिंद्रा फाइनेंस से तीन, एयू स्मॉल फाइनेंस से दो और चोलामंडलम फाइनेंस से एक ट्रैक्टर फाइनेंस कराकर उन्हें धोखाधड़ी से बेच दिया। इस तरह गिरोह ने फाइनेंस कंपनियों को करीब 53 लाख रुपये का नुकसान पहुंचाया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सभी सात ट्रैक्टर बरामद कर लिए हैं। पुलिस के अनुसार जावेद शातिर अपराधी है, जिस पर प्रतापगढ़ में भी दर्जनों ट्रैक्टर फर्जी तरीके से बेचने के मामले दर्ज हैं। उसने अपने साथियों संजीव कुमार और भूपेंद्र के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। फिलहाल तीनों आरोपियों की तलाश जारी है और गिरफ्तारी के बाद और बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव छछरपुर में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया, जहां एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। युवा बेटे के साथ ही माता पिता की अर्थियां एक साथ उठने से गांव में गमगीन माहौल बना रहा। अंतिम संस्कार के दौरान बड़ी संख्या में परिजन, ग्रामीण और रिश्तेदार मौजूद रहे तथा हर आंख नम नजर आई। मृतकों में राजकुमार पुत्र मेहर सिंह (58 वर्ष), उनकी पत्नी महेंद्री (55 वर्ष) और बेटा सोनू (28 वर्ष) शामिल हैं। बताया गया कि तीनों मोटरसाइकिल से फलावदा निवासी एक बीमार रिश्तेदार को देखने जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही दूसरी मोटरसाइकिल को बचाने के प्रयास में उनकी बाइक ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आ गई। घायलों को तुरंत सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने राजकुमार और सोनू को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर घायल महेंद्री को मेरठ के चिकित्सालय भेजा गया, जहां रास्ते में ही उनकी भी मृत्यु हो गई। कोतवाल दिनेशचंद्र बघेल ने बताया कि पुलिस ने ट्रैक्टर ट्रॉली को कब्जे में लेकर मामला दर्ज कर लिया है और अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत, बेटे के साथ उठीं माता पिता की अर्थियां

राजनगर एक्सटेंशन में फिर उठा धर्मांतरण का मामला, नंदग्राम पुलिस ने की जांच

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में लगातार धमार्तारण के मामले सामने आने के बाद उनका विरोध किया जा रहा है। इस बार राजनगर एक्सटेंशन में धमार्तारण का मामला उठाने के बाद हिंदू संगठन सक्रिय हो गए। कृष्ण एंक्लेव सोसायटी के अंदर चल रहे एक प्रीस्कूल में अवैध रूप से चर्च चलने का आरोप लगा है। इतना ही नहीं कैंब्रिज प्रीस्कूल में अवैध रूप से चर्च चलते हुए धर्मांतरण का आरोप लगाते हुए स्थानीय लोग धरने पर बैठ गए। लोगों ने आरोप लगाया कि संडे के दिन प्रीस्कूल में धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। धरने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्कूल का निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस को कई संदिग्ध चीज भी स्कूल के अंदर से मिली। पुलिस ने प्रीस्कूल के अंदर से मिली सामग्री को जब्त करते हुए जाँच शुरू कर दी है। वहीं जब सोसायटी के निवासी धमार्तारण का आरोप लगाते हुए धरने पर बैठे तो हिंदू संगठन को भी इसकी जानकारी मिल गई और वह भी इसका विरोध करते हुए धरने पर बैठ गए। सोसायटी निवासियों के धरने पर बैठने के बाद थाना नंदग्राम पुलिस मौके पर पहुंची और अपनी जाँच शुरू की। स्थानीय निवासियों ने बताया कि वह पिछले कई हफ्तों से इस प्रीस्कूल की मॉनिटर कर रहे थे और उन्हें शक हुआ कि संडे के दिन इस स्कूल में विशेष क्लासेस लगाई जाती हैं, जिसमें अवैध रूप से चर्च चलते हुए बच्चों को धर्मांतरण के लिए प्रेरित किया जाता है। जब उन्हें इस संबंध में सूचना मिली तो वह सभी एकत्रित होकर इसका विरोध करने लगे। जब विरोध करने के लिए वह धरने पर बैठे तो पूरे प्रकरण की जांच करने के लिए पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्कूल की जांच करते हुए बेसमेंट को चेक किया, जहां पर पुलिस ने अनैतिक गतिविधियों से जुड़े साक्ष्य को एकत्रित किया है। हिंदू रक्षा दल से जुड़े कार्यकताओं ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि राजनगर एक्सटेंशन की इस सोसायटी में धर्मांतरण से जुड़ा कार्य इस स्कूल के अंदर किया जा रहा है। इस कार्य को रोकने के लिए वह सभी एकत्रित हुए और स्कूल के गेट पर धरने पर बैठ गए। जब तक पुलिस इन लोगों के खिलाफ सख्त कार्यवाही नहीं करेगी, जब तक वह सभी लोग मिलकर इसका विरोध करते रहेंगे।

जाट भवन में आर्य जाट महासभा की बैठक, 29 मई को चरण सिंह की पुण्यतिथि पर होगा यज्ञ हवन व गोष्ठी

शामली। (शिखर समाचार) आर्य जाट महासभा शामली की मासिक बैठक भैंसवाल रोड स्थित जाट भवन में आयोजित की गई। बैठक में आगामी 29 मई को देश के पूर्व प्रधानमंत्री एवं किसान नेता चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर यज्ञ हवन एवं विचार गोष्ठी आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

अध्यक्ष सुनील निर्वाल और सचिव दिव्य प्रभाकर ने बताया कि 29 मई को जाट भवन में आयोजित कार्यक्रम में यज्ञ-हवन के साथ-साथ चौधरी चरण सिंह के जीवन, उनके संघर्ष और किसानों के हित में किए गए कार्यों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। इस अवसर पर विचार गोष्ठी के माध्यम से उनके योगदान को याद किया जाएगा।

बैठक में महासभा के वार्षिक सम्मेलन और प्रतिभा अलंकरण समारोह को लेकर भी मंथन हुआ। निर्णय लिया गया कि समाज के मेधावी छात्र छात्राओं तथा विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले लोगों को सम्मानित किया जाएगा।

इस दौरान कोषाध्यक्ष नरेश मलिक, बाबूराम पंवार, राजकुमार, रामपाल सिंह देशवाल, ओमपाल सिंह निर्वाल, मास्टर कंवरपाल सिंह और डॉ. ओमपाल सिंह सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

मुजफ्फरनगर में यातायात पुलिस का बड़ा अभियान, 118 वाहनों के चालान

मुजफ्फरनगर। (शिखर समाचार) शहर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए रविवार को यातायात पुलिस ने सख्त अभियान चलाया। इस दौरान सड़कों से अतिक्रमण हटवाया गया और नो-पार्किंग क्षेत्रों में खड़े वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 118 वाहनों के चालान किए गए। अभियान के बाद प्रमुख बाजारों और व्यस्त मार्गों पर यातायात व्यवस्था में सुधार देखने को मिला।

पुलिस अधीक्षक यातायात अतुल कुमार चौबे के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी यातायात रविन्द्र प्रताप सिंह और यातायात प्रभारी राकेश कुमार के नेतृत्व में टीम ने अस्पताल चौराहा, घास मंडी, अंसारी रोड, नोवेल्टी चौक समेत कई स्थानों पर अभियान चलाया। सड़कों और फुटपाथों पर फैले अवैध अतिक्रमण को हटवाया गया और दुकानदारों को सख्त चेतावनी दी गई। सड़क किनारे खड़े वाहनों को हटवाकर नो-पार्किंग में खड़े वाहनों के चालान किए गए। अधिकारियों ने बताया कि जाम की मुख्य वजह अतिक्रमण और गलत पार्किंग है। अभियान के दौरान लोगों को जागरूक भी किया गया और नियमों का पालन करने की अपील की गई। पुलिस की सख्ती से वाहन चालकों में हड़कंप मचा रहा और कई लोगों ने खुद ही वाहन हटा लिए। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि आगे भी नियम तोड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस टीम पर हमले के तीन आरोपी गिरफ्तार

मेरठ, एजेंसी। रेलवे रोड थाना पुलिस ने पुलिस टीम पर हमले के तीन आरोपियों राजू सोनकर, उसके बेटे एकलव्य उर्फ भूरा और पत्नी सुमन सोनकर को गिरफ्तार किया है। सीओ कैंट नवीना शुक्ला ने बताया कि मंगलवार को राजू सोनकर के स्कूटी में शराब बेचने की सूचना पर पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया था। आरोपियों के परिजन व साथियों ने पुलिस टीम पर हमला कर और दरोगा की वर्दी फाड़कर आरोपी को छुड़ा लिया था। इस मामले में 17 आरोपियों पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अन्य आरोपियों को तलाश किया जा रहा है। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी की स्कूटी व 17 पव्वे बरामद किए थे। वह ठेके से शराब खरीदकर अतिरिक्त कीमत पर उनकी बिक्री करता था।

राखी मंडी में लगी आग पर काबू, हालात नियंत्रण में, कोई हताहत नहीं

कानपुर। राखी मंडी में लगी आग पर काबू पा लिया गया है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक शर्मा ने बताया कि हमें नियंत्रण कक्ष से सूचना मिली कि राखी मंडी क्षेत्र में एक उद्योग है उसके भूतल और पहली मंजिल पर भीषण आग लग गई है। इससे आसपास के उद्योग को भी अपनी चपेट में लेने का खतरा मंडरा रहा था। क्षेत्र की संवेदनशीलता को देखते हुए, पास के दमकल स्टेशनों से छह से सात वाहन घटनास्थल पर भेजे गए। हमारी टीम ने तीन तरफ से दमकल कर्मियों को तैनात किया और हमारा प्राथमिक लक्ष्य लोगों को सुरक्षित निकालना था। हमने आग पर लगभग पूरी तरह काबू पा लिया है... कोई घायल नहीं हुआ है, कोई हताहत नहीं हुआ है। पूरा अभियान पूरी तरह सुरक्षित स्थिति में है।

गंगा स्नान कर किया दान-पुण्य, मंदिरों में किए दर्शन

वाराणसी, एजेंसी। वैशाख पूर्णिमा पर गंगा स्नान के लिए भीड़ रही। लोगों ने गंगा स्नान कर दान-पुण्य किया। सुबह से दिनभर घाटों पर स्नान के लिए लोगों का आना-जाना लगा रहा। घाट किनारे के मंदिरों में भी दर्शन-पूजन किए गए। विश्वनाथ मंदिर में भी दर्शन के लिए भीड़ रही। वैशाख मास में स्नान-दान और जल अर्पण करने से देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होने की मान्यता है। पूर्णिमा के अवसर पर बाहर से भी श्रद्धालु पहुंचे। सुबह 11 बजे तक दर्शन के लिए काफी भीड़ रही। श्रद्धालुओं ने गंगा में डुबकी लगाई और तीर्थ पुरोहितों से पूजन व संकल्प कराया। उन्होंने दान में घड़ा, पंखा, मौसमी फल, अन्न और दक्षिणा दी। गंगा स्नान का सिलसिला पूरे दिन चलता रहा। पं. कैलाश पांडेय ने बताया कि वैशाख पूर्णिमा के दिन स्नान करने से पूरे वैशाख मास में स्नान का फल प्राप्त होता है। मान्यता है कि इस दिन गंगा नदी, पवित्र सरोवर या तालाब में स्नान करने के बाद दान-पुण्य करने से सुख-समृद्धि आती है और पाप मिट जाते हैं। दशाश्वमेध घाट, पंचगंगा घाट, राजघाट, अस्सी घाट आदि स्थानों पर श्रद्धालुओं की भीड़ रही।

डिजिटल इंडिया का असर, जिले की ग्राम पंचायतें हुईं ऑनलाइन

गोरखपुर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिजिटल इंडिया की सोच और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सुशासन मॉडल का असर गोरखपुर की ग्राम पंचायतों में साफ दिखाई देने लगा है। लोकसभा में सांसद रवि किशन शुक्ला के सवाल पर केंद्र सरकार ने जानकारी दी कि जिले की सभी ग्राम पंचायतें ई-ग्रामस्वराज पोर्टल से पूरी तरह जुड़ चुकी हैं। इसके साथ ही पंचायतों में ऑनलाइन भुगतान व्यवस्था भी लागू कर दी गई है, जिससे कार्यप्रणाली अधिक पारदर्शी और तेज हुई है। केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह (ललन सिंह) ने सदन को कहा है कि ई-ग्रामस्वराज और पीएफएमएस इंटरफेस के माध्यम से पंचायतों में वित्तीय लेन-देन ऑनलाइन हो रहा है। इससे योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आई है और खर्च पर सीधी निगरानी संभव हुई है। यह पहल राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत दिए गए डिजिटल प्रशिक्षण का परिणाम है।

आर्यभट्ट गणित परीक्षा में आरपीएम के दिव्यांशु ने बढ़ाया मान

गोरखपुर, एजेंसी। सीबीएसई की ओर से आयोजित आर्यभट्ट गणित परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया गया है। इसमें आरपीएम एकेडमी ग्रीन सिटी के कक्षा 10वीं के छात्र दिव्यांशु मिश्रा ने सफलता हासिल की है। प्रयागराज जोन की टॉप 100 सूची में दिव्यांशु को 28वां स्थान प्राप्त हुआ है, जबकि गोरखपुर जनपद में उन्होंने प्रथम स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि पर विद्यालय के चेयरमैन अजय शाही ने दिव्यांशु को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रयागराज जोन के लाखों छात्र-छात्राओं में शीर्ष 100 में स्थान बनाना सम्मान और गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि जनपद के हजारों छात्र-छात्राओं ने इस परीक्षा में भाग लिया था, लेकिन पूरे जनपद से केवल दिव्यांशु मिश्रा का ही चयन हुआ है, जो विद्यालय के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण है। दिव्यांशु की इस शानदार उपलब्धि पर आरपीएम एकेडमी समूह के चेयरमैन अजय शाही, डायरेक्टर आराधना शाही, डायरेक्टर अरिहंत शाही, गरिमा शाही, प्रधानाचार्य रवि श्रीवास्तव सहित पूरे विद्यालय परिवार ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर 55 विद्यालयों को नोटिस

आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को प्रवेश नहीं देना चाहते थे

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी के नामी विद्यालय शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2020 (आरटीई) के तहत आर्थिक रूप से कमजोर और गरीब बच्चों को प्रवेश देने में आनाकानी कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने राजधानी के करीब 55 निजी विद्यालयों को नोटिस जारी किया है। विभाग का स्पष्ट निर्देश है, एक सप्ताह के अंदर प्रवेश न लेने वाले विद्यालयों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।बीएसए विपिन कुमार ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने एल्डिको लखनऊ पब्लिक स्कूल की अपील को खारिज करते हुए आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को प्रवेश देने के निर्देश दिए हैं। राजधानी में 55 ऐसे विद्यालय हैं जो आरटीई के नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। विद्यालय में चयन होने के बाद भी बच्चों को प्रवेश नहीं देना चाहते हैं। इन विद्यालयों को नोटिस जारी करते हुए प्रवेश देने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला बेसिक शिक्षा कार्यालय के अनुसार, राजधानी के सिटी मॉन्टेसरी, जयपुरिया, टीपीएस, एलपीएस, स्टडी हॉल सहित 35 से अधिक विद्यालयों को पहले से नोटिस जारी किया गया है। जबकि अन्य विद्यालयों को भी नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बच्चों को प्रवेश न देने पर विद्यालय की मान्यता रद्द करने की भी प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट का ये है आदेश

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि राज्य सरकार की ओर से भेजे गए सभी बच्चों को प्रवेश देना निजी विद्यालयों का कर्तव्य है। आरटीई अधिनियम के तहत प्रत्येक विद्यालय में 25 प्रतिशत सीटों पर आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को प्रवेश देना अनिवार्य है। नियम का पालन न करने पर सरकार को कार्रवाई का अधिकार है।

4500 बच्चे प्रवेश के इंतजार में

बीएसए कार्यालय के अनुसार, राजधानी के 1600 निजी विद्यालयों में आरटीई के तहत प्रवेश होने हैं। अभी तक 12,000 विद्यार्थियों को प्रवेश देने की प्रक्रिया जारी है। करीब 4500 ऐसे बच्चे हैं जिनका आरटीई में चयन हुआ है लेकिन निजी विद्यालय प्रवेश देने में हीलाहवाली कर रहे हैं।

बीएचयू के 4 स्कूलों में 4 और 5 मई को काउंसिलिंग, 5500 रुपये तक फीस

वाराणसी , एजेंसी। बीएचयू के चार स्कूलों में चार और पांच मई से अलग-अलग चरणों की काउंसिलिंग की प्रक्रिया शुरू हो रही है। पहले चरण की काउंसिलिंग पूरी हो गई है। बाल वाटिका से लेकर कक्षा छह तक प्रवेश के लिए फीस 3500 रुपये से लेकर 5500 रुपये तक है। सभी स्कूलों में रिपोर्टिंग टाइम सुबह आठ बजे है और काउंसिलिंग 9 बजे से 11 बजे तक चलेगी। सेंट्रल हिंदू गर्ल्स स्कूल (सीएचजीएस) में दूसरे चरण के तहत बाल वाटिका यानी कि एलकेजी की काउंसिलिंग चार मई को होगी। इसकी सालाना फीस 5000 रुपये है। कक्षा छह की दूसरी लिस्ट जारी कर दी गई है और इसकी भी काउंसिलिंग पांच मई को ही होगी। श्री रणवीर संस्कृत विद्यालय की वेटिंग लिस्ट के अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग भी पांच मई को होगी। इसकी फीस सालाना 3500 रुपये है। सेंट्रल हिंदू बॉयज स्कूल (सीएचबीएस) में पांच मई को काउंसिलिंग कर दाखिला दिया जाएगा। इसकी वेटिंग लिस्ट जारी की दी गई है। इनकी फीस 5500 रुपये होगी।

काउंसिलिंग से जुड़ी 11 सूची पोर्टल पर जारी

बीएचयू की ओर से ऑनलाइन पोर्टल पर काउंसिलिंग से जुड़ी 11 नोटिस आ चुकीं हैं। इसमें सेंट्रल हिंदू गर्ल्स स्कूल में बाल वाटिका और कक्षा छह में प्रवेश के लिए चयनित आवेदकों की मुख्य और दूसरी सूची जारी कर दी गई है। वहीं, सीएचबीएस ने कक्षा में प्रवेश पाने वालों की वेटिंग लिस्ट पोर्टल पर अपलोड कर दी गई है। इसके बाल वाटिका में कर्मचारी कैटेगरी, दक्षिणी परिसर के सीएचएस में बाल वाटिका - 3, बाल वाटिका मुख्य सूची (एक्सटर्नल) और श्री रणवीर संस्कृत विद्यालय में एक्सटर्नल और एंप्लॉयी कटेगरी की सूची जारी कर दी गई है।

पुलिस पर ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश और फायरिंग, मुठभेड़ में हिस्ट्रीशीटर घायल; साथी भाग निकला

चंदौली, एजेंसी। बलुआ पुलिस और बदमाश के बीच शुक्रवार की रात मुठभेड़ हो गई, जिसमें एक शातिर हिस्ट्रीशीटर चोर को गोली लगने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। घायल अभियुक्त को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि उसका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया।

सीओ कृष्णमुरारी शर्मा ने बताया कि एक मई की रात बलुआ थाना पुलिस राधे की मड़ई, ग्राम सोनहुला के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि भूपौली से मथेला की ओर दो ट्रैक्टर आ रहे हैं, जिनमें एक ट्रॉली सहित है और दोनों चोरी के हो सकते हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सतर्क हो गई और मौके पर पहुंचकर वाहनों को रोकने का प्रयास किया।

पुलिस के अनुसार, टॉर्च की रोशनी में रोकने का इशारा करने पर आगे चल रहे ट्रैक्टर के चालक ने गाली-गलौज करते हुए वाहन पुलिस पर चढ़ाने की कोशिश की और जान से मारने की नियत से फायरिंग कर दी। अचानक हुए हमले से बचाव करते हुए पुलिस टीम ने भी आत्मरक्षा में नियंत्रित फायरिंग की, जिसमें एक अभियुक्त के पैर में गोली लग गई।

घायल बदमाश को पुलिस ने मौके पर ही दबोच लिया और उसे तत्काल अस्पताल भेजा गया। पूछताछ में उसकी पहचान मृत्युंजय कुशवाहा (32) निवासी तरांव, थाना रामपुर मझवां, जनपद गाजीपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी के दो ट्रैक्टर, एक ट्रॉली, एक अवैध तमंचा .315 बोर, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किया है।

सीओ ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त शातिर किस्म का अपराधी है और उसके खिलाफ गाजीपुर, वाराणसी व अन्य जनपदों के विभिन्न थानों में लूट, चोरी, आर्म्स एक्ट और गैंगस्टर समेत करीब दो दर्जन मुकदमे दर्ज हैं।

गंगा एक्सप्रेसवे में लगा रिकॉर्ड लोहा

इतने में खड़े हो जाएं 5 बुर्ज खलीफा-30 एफिल टावर

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश का महत्वाकांक्षी गंगा एक्सप्रेसवे अपने आकार और तकनीक के साथ-साथ निर्माण सामग्री के पैमाने को लेकर भी नए कीर्तिमान बना रहा है। इस एक्सप्रेसवे में इस्तेमाल हुआ लोहा इतना अधिक है कि उससे दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा जैसी करीब पांच इमारतें खड़ी की जा सकती हैं। यही नहीं, यह मात्रा एफिल टावर जैसे लगभग 30 टावर बनाने के लिए भी पर्याप्त है।

यूपीडा के मुताबिक गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण में करीब 2.20 लाख टन से अधिक स्टील का इस्तेमाल किया गया है। तुलना करें तो दुबई स्थित बुर्ज खलीफा के निर्माण में लगभग 55000 टन स्टील लगा था। इस हिसाब से गंगा एक्सप्रेसवे में लगा स्टील लगभग पांच बुर्ज खलीफा के बराबर है। वहीं, पेरिस के एफिल टावर में महज 7,300 टन लोहे का उपयोग हुआ था। यानी गंगा एक्सप्रेसवे में इस्तेमाल स्टील से करीब 30 एफिल टावर खड़े किए जा सकते हैं।

अगर देश के अन्य बड़े प्रोजेक्ट से तुलना करें, तो द्वारका एक्सप्रेसवे में भी बड़े पैमाने पर स्टील का उपयोग हुआ, लेकिन गंगा एक्सप्रेसवे का आंकड़ा उससे भी कहीं अधिक है, जो इसकी विशालता को दर्शाता है। करीब 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेसवे मेरठ से प्रयागराज तक फैला है और 12 जिलों को जोड़ता है।

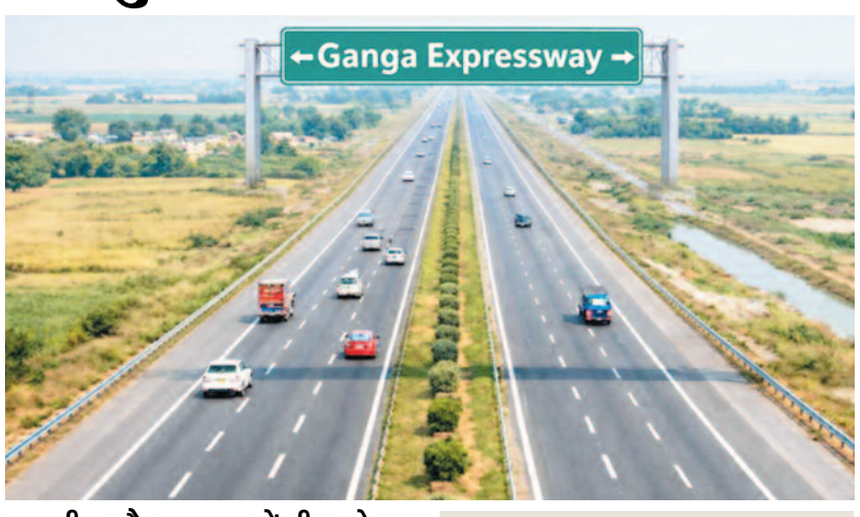

तकनीक और गुणवत्ता में भी आगे

गंगा एक्सप्रेसवे में आधुनिक तकनीकों का व्यापक उपयोग किया जा रहा है। एआई आधारित मॉनिटरिंग सिस्टम, स्विस सेंसर तकनीक से रियल-टाइम क्वालिटी चेक और स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट और सुरक्षा सिस्टम से पूरा मार्ग लैस है। इससे न सिर्फ निर्माण की गुणवत्ता बेहतर हो रही है, बल्कि भविष्य में यात्रा भी अधिक सुरक्षित और आरामदायक होगी।

गंगा एक्सप्रेसवे की खासियत :

14 मेजर ब्रिज, 7 रेलवे ओवरब्रिज और 32 फ्लाईओवर

165 से अधिक छोटे पुल और 450 से अधिक अंडरपास

लगभग 500 मिमी मोटी मल्टी-लेयर सड़क संरचना

ससुराल में दामाद का खूनी खेल, साली की शादी में पत्नी को मारी गोली, फिर खुद की भी दे दी जान

आगरा, एजेंसी। आगरा के थाना खेरागढ़ के गांव बरबर निवासी एक युवक ने शुक्रवार को अपनी ससुराल राजस्थान के भरतपुर जिले के रूपवास क्षेत्र के गांव सिंघावली में पहुंचकर खूनी खेल खेल दिया। चचेरी साली की शादी के समारोह के बीच युवक ने पहले अपनी पत्नी को गोली मारी और फिर खुद को भी गोली से उड़ा लिया। इस दिल दहला देने वाली घटना में युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है।

गांव बरबर निवासी राघवेंद्र (31 वर्ष) की शादी करीब 5 वर्ष पूर्व रूपवास के गांव सिंघावली निवासी राधिका (28 वर्ष) के साथ हुई थी। दोनों का एक तीन वर्षीय बेटा है। बताया गया है कि राधिका 30 अप्रैल को अपनी चचेरी बहन की शादी में शामिल होने मायके आई थी। शुक्रवार दोपहर राघवेंद्र भी ससुराल पहुंचा और लगन कार्यक्रम के दौरान सभी से हंसी-खुशी मिला। कार्यक्रम के बीच ही राघवेंद्र अपनी पत्नी राधिका को बहाने से घर के एक कमरे में ले गया और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। वहां उसने अचानक तमंचे से राधिका पर फायर कर दिया और फिर खुद की कनपटी पर गोली मार ली।

गोलियों की आवाज सुनकर जब परिजन दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे, तो दोनों लहूलुहान हालत में जमीन पर पड़े थे। राघवेंद्र की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। परिजन

ने आनन-फानन में राधिका को रूपवास अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसे गंभीर हालत में जयपुर हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। सूचना पर पहुंची रूपवास पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। शुक्रवार देर शाम जब राघवेंद्र का शव गांव बरबर पहुंचा, तो पूरे गांव में मातम छा गया।

गमगीन माहौल में युवक का अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है कि आखिर सुखी जीवन व्यतीत कर रहे युवक ने इतना आत्मघाती कदम क्यों उठाया। राधिका की परिजन शिवदेई ने बताया कि घटना पारिवारिक विवाद के चलते हुई। थाना अधिकारी विनोद मीणा ने बताया कि मौके से तमंचा बरामद किया गया है। घटना के असल कारणों की जांच की जा रही है। अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से तहरीर नहीं दी गई है।

जाल में फंसाई जाती हैं हिंदू लड़कियां, फिर किया जाता है उनके साथ घिनोना काम

आगरा, एजेंसी। धर्मांतरण गैंग के सदस्य सोशल मीडिया पर युवाओं से संपर्क करते थे। युवाओं को जाल में फंसाने के लिए उन्होंने गेमिंग एप्स को हथियार बना रखा था। गेम खेलने के दौरान युवाओं से बात की जाती थी। ग्रुप बनाकर गैंग के युवक और युवतियां पहले दूसरे धर्म की कमियां बताते थे। इसके बाद इस्लामिक साहित्य देकर आकर्षित करते थे। ब्रेनवाश कर धर्मांतरण कराने के बाद उन्हें गैंग में शामिल कर लिया जाता था।

वह सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर है। उसके इंस्टाग्राम, यूट्यूब, फेसबुक पर कई खाते बने हैं। इनके जरिये वह युवाओं के संपर्क में आता था। युवाओं को शिकार बनाने में सबसे ज्यादा गेमिंग एप्स का इस्तेमाल करता था। गेम खेलने के दौरान गैंग की सदस्य महिलाएं और युवक

युवाओं से बातचीत कर उनका ब्रेनवाश करते थे। धर्म परिवर्तन के बाद दिल्ली भेजा जाता था। वहां नजर रखी जाती थी। कट्टर बनाने के बाद इन्हें भी गैंग में शामिल कर लिया जाता था।

युवती या युवक जो भी इनके जाल में फंसता था। मौलाना हसन उनका धर्म परिवर्तन कराता था। इसके बाद कूटरचित दस्तावेज बनाकर इनके निकाह कराने की जिम्मेदारी भी मौलाना हसन की रहती थी। हसन गैंग का पुराना सदस्य है और कलीम सिद्दीकी के संपर्क में रहता था। जाल में फंसने वाली युवतियों को जेहादी तकरीरें सुनाने के लिए वह दिल्ली और अन्य राज्यों में भी जाता था। पुलिस के अनुसार लड़कियों को धर्म परिवर्तन के बाद विदेश जाने के लिए तैयार करते थे। हां बोलने पर तस्करी का खेल होता था।

नॉर्थ दिल्ली का रहने वाला परवेज अख्तर भले ही सिर्फ बीए पास था। पर उसकी कई भाषाओं में पकड़ थी। वह इस्लामिक साहित्य तैयार करता था और उसकी लिखी किताबों का युवाओं का ब्रेनवाश करने में इस्तेमाल किया जाता था।

35 वर्षीय अधिवक्ता की मौत: ताज का दीदार करने निकले थे, 30 फीट गहरे नाले में कैसे पहुंचे, पुलिस जांच में जुटी

परिजन ने आशंका जताई कि एक्सप्रेसवे पर तेज गति में वाहन निकलते हैं। वरुण लघुशंका के लिए जा रहे थे। तभी किसी वाहन ने टक्कर मार दी होगी

आगरा, एजेंसी। यमुना एक्सप्रेसवे पर थाना एत्मादपुर क्षेत्र में बृहस्पतिवार रात करीब एक बजे नोएडा के अधिवक्ता वरुण नागर (35) की 30 फीट नीचे झरना नाला में गिरकर मौत हो गई। वह अपने चचेरे भाई वीरेंद्र और चालक लोकेश के साथ कार से आगरा ताजमहल देखने आ रहे थे। रास्ते में कार रोकने के बाद लघुशंका के लिए गए थे। भाई और चालक की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया लेकिन मौत हो गई। हादसे की वजह पता नहीं चल सकी है।

अधिवक्ता वरुण नागर नोएडा के थाना बिसरख स्थित डेरिन खेड़ा निवासी थे। वह नोएडा कोर्ट में प्रैक्टिस करते थे। उनके साथ आए चचेरे भाई वीरेंद्र ने पुलिस को बताया कि उन्होंने शुक्रवार को आगरा घूमने का प्लान बनाया था। ताजमहल देखने के साथ अन्य स्थान पर

जाते। मगर शुक्रवार को ताजमहल बंद रहता है, इस बात की जानकारी उन्हें नहीं थी। वह रात में तकरीबन 10:15 बजे चले थे। कार चालक लोकेश भी था। वह यमुना एक्सप्रेसवे होते हुए आ रहे थे।

डीसीपी पश्चिमी जोन आदित्य सिंह ने बताया कि रास्ते में उन्होंने शराब भी पी थी। रास्ते में वरुण कार चलाने लगे। एत्मादपुर थाना क्षेत्र के माइल स्टोन 161 पर सिगरेट पीने और लघुशंका के लिए वरुण ने कार रोक दी। कार खड़ी करने के बाद पीछे की तरफ चले गए। मगर 15 मिनट तक वापस नहीं आए। इस पर लोकेश और वीरेंद्र ने तलाश शुरू की।

एक्सप्रेसवे पर बनी पुलिया से झरना नाले में मोबाइल की टार्च जलाकर देखने पर करीब 30 फीट नीचे नाले में वरुण नजर आए। 112 नंबर पर आई कॉल के बाद पीआरवी और थाना खंदौली और एत्मादपुर पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने झरना नाले से वरुण को निकलवाया, अस्पताल ले गए लेकिन जान नहीं बची। वरुण शादीशुदा थे। उनके दो बच्चे भी हैं। हादसे का पता चलते ही परिवार में कोहराम मचा है।

पुलिस जता रही हादसे की आशंका

डीसीपी पश्चिमी जोन ने बताया कि नाले से निकलने के बाद घायल अधिवक्ता बोल रहे थे। गिरने से उनकी पसलियों में चोट लगी थी। कान के पास भी खून निकल रहा था। इस पर टेढ़ी बगिया स्थित एक अस्पताल ले गए जहां चिकित्सक ने इलाज शुरू कर दिया। उनकी कुछ देर बाद मौत हो गई। मामले में चचेरे भाई और चालक से पुलिस ने अलग-अलग बात की। मगर वो यही कहते रहे कि गिरने का कारण पता नहीं है। यही आशंका है कि अंधेरे में उन्हें पुलिया के नीचे नाला नहीं दिखाई दिया। वह पुलिया की दीवार पर बैठे होंगे और अचानक नीचे गिर गए। इससे हादसे की आशंका है। हालांकि घटनास्थल पर कोई कैमरा नहीं लगा है। रात में अंधेरा भी रहता है। पुलिस जांच में जुटी है। शुक्रवार सुबह परिजन पहुंच गए। वह शव को पोस्टमार्टम के बाद गांव ले गए। उन्होंने किसी तरह का आरोप नहीं लगाया है।

किसी वाहन से टक्कर लगने पर उछलकर गिरने की आशंका

परिजन ने आशंका जताई कि एक्सप्रेसवे पर तेज गति में वाहन निकलते हैं। वरुण लघुशंका के लिए जा रहे थे। तभी किसी वाहन ने टक्कर मार दी होगी। इससे वो उछलकर झरना नाले में जा गिरे होंगे। हालांकि जिस स्थान पर हादसा हुआ, वहां पर अंधेरा रहता है। कोई सीसीटीवी कैमरा भी नहीं लगा हुआ है। पुलिस का कहना है कि मृतक की पसलियों और कंधे में चोट लगी है। किसी वाहन से टक्कर लगती और उछलते तो पैरों में भी चोट आती। घटनास्थल के आसपास कैमरों की जानकारी की जा रही है। किसी वाहन से टक्कर लगी होगी तो वो भी अनियंत्रित हुआ होगा। इस बिंदु पर भी पुलिस अपनी जांच कर रही है।

ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट: विकास की उड़ान या पर्यावरण पर चोट?

अरणि गौड़

अंडमान निकोबार/नई दिल्ली (शिखर समाचार)। केंद्र सरकार द्वारा शुरू किया जा रहा 'ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट' इस समय देश में चर्चा का केंद्र बना हुआ है। ₹72,000 करोड़ की इस महात्वाकांक्षी परियोजना को लेकर जहाँ एक ओर आर्थिक और रणनीतिक लाभ गिनाए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पर्यावरणविद् इसकी भारी कीमत को लेकर चेतावनी दे रहे हैं। विकास और पर्यावरण के इसी द्वंद्व को समझने के लिए अरणि गौड़ ने भारतीय वन सेवा के पूर्व अधिकारी और पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के पूर्व महानिदेशक डॉ. वी. के. बहुगुणा से खास बातचीत की।

साक्षात्कार के मुख्य अंश:

प्रश्न: डॉ. बहुगुणा, आखिर यह 'ग्रेटर निकोबार प्रोजेक्ट' है क्या और इसे इतना महत्व क्यों दिया जा रहा है?

उत्तर: यह भारत सरकार की एक मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना है। इसके तहत अंडमान-निकोबार के ग्रेटर निकोबार द्वीप पर एक अंतरराष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट, पावर प्लांट और एक आधुनिक टाउनशिप विकसित की जानी है। इसका मुख्य उद्देश्य भारत को वैश्विक समुद्री व्यापार में एक मजबूत खिलाड़ी बनाना और हिंद महासागर क्षेत्र में हमारी रणनीतिक पकड़ को पुख्ता करना है।

प्रश्न: इस प्रोजेक्ट की आवश्यकता अभी क्यों महसूस की गई?

उत्तर: देखिए, वर्तमान में भारत को अपने ट्रांसशिपमेंट के लिए कोलंबो और सिंगापुर जैसे विदेशी बंदरगाहों पर निर्भर रहना पड़ता है। यह प्रोजेक्ट मलक्का जलडमरूमध्य के पास स्थित है, जो दुनिया के सबसे व्यस्त व्यापारिक मार्गों में से एक है। यदि हम यहाँ अपना बुनियादी ढांचा विकसित करते हैं, तो भारत 2050-2060 की भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार हो सकेगा और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनेगा।

प्रश्न: लेकिन इस प्रोजेक्ट का विरोध भी बड़े स्तर पर हो रहा है। पर्यावरण को इससे क्या खतरा है?

उत्तर: विरोध के मुख्य कारण पर्यावरणीय और सामाजिक हैं। अनुमान है कि इस प्रोजेक्ट के लिए करीब छह लाख पेड़ों की कटाई होगी, जिससे वहां का बेहद संवेदनशील इकोसिस्टम प्रभावित हो सकता है। आलोचकों का तर्क है कि प्राकृतिक और जैव विविधता से भरपूर पुराने जंगलों की भरपाई नए लगाए गए पेड़ों से तुरंत नहीं की जा सकती। इसके अलावा, स्थानीय आदिवासी समुदायों की संस्कृति और उनके पारंपरिक अस्तित्व पर भी असर पड़ने की आशंका है।

प्रश्न: क्या 6 लाख पेड़ों की बलि को विकास के नाम पर उचित ठहराया जा सकता है?

उत्तर: इसे पूरी तरह उचित ठहराना आसान नहीं है क्योंकि यह एक बड़ा पर्यावरणीय नुकसान है। हालांकि, सरकार का पक्ष है कि कुल द्वीप का केवल 10% हिस्सा ही प्रभावित होगा और शेष 90% क्षेत्र को संरक्षित रखा जाएगा। सरकार का कहना है कि इसके बदले 'कम्पनसेटरी अफॉरेस्टेशन' (प्रतिपूरक वनीकरण) किया जाएगा ताकि दीर्घकाल में संतुलन बना रहे।

प्रश्न: रणनीतिक और सुरक्षा की दृष्टि से यह प्रोजेक्ट भारत को कैसे मजबूत करेगा?

उत्तर: यह बहुत महत्वपूर्ण बिंदु है। ग्रेटर निकोबार की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि यहाँ से पूरे क्षेत्र की निगरानी की जा सकती है। यहाँ मजबूत नौसैनिक सुविधाएं और एयरपोर्ट होने से भारतीय नौसेना और कोस्ट गार्ड की क्षमता बढ़ेगी। यह विशेष रूप से हिंद महासागर में चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने और भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए एक रणनीतिक निवेश है।

प्रश्न: क्या आदिवासी समुदायों को मुख्यधारा में शामिल करना उनके हित में होगा?

उत्तर: यह इस प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी चुनौती है। आदिवासियों को शिक्षा, स्वास्थ्य और आधुनिक सुविधाओं से जोड़ना सही है, ताकि उनका जीवन स्तर सुधरे। लेकिन यह प्रक्रिया 'विकास के साथ संरक्षण' की नीति पर आधारित होनी चाहिए। उनकी भाषा, संस्कृति और पहचान को सुरक्षित रखना अनिवार्य है।

निष्कर्ष:

डॉ. बहुगुणा के विश्लेषण से स्पष्ट है कि यह प्रोजेक्ट भारत के भविष्य के लिए आर्थिक और सुरक्षा की दृष्टि से एक गेम-चेंजर साबित हो सकता है, बशर्ते पर्यावरण और स्थानीय समुदायों के हितों के साथ एक ईमानदार संतुलन बिठाया जाए।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने आरोग्य स्वास्थ्य मेलों का निरीक्षण कर परखी जमीनी हकीकत

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। जनपद में संचालित मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेलों की व्यवस्थाओं को परखने के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया रविवार को फील्ड में पहुंचे। उन्होंने विभिन्न प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, मरीजों को मिल रही सुविधाओं और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति जानी। निरीक्षण के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोयला, हरसौली, जड़ौदा, पुरबालियान, सोहजनी तागान और बोपाड़ा में व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इस दौरान उन्होंने बाह्य रोगी विभाग में आने वाले मरीजों से बातचीत कर उपचार व्यवस्था की जानकारी ली। कई स्थानों पर व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश भी दिए गए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया कि आरोग्य मेलों में आने वाले प्रत्येक मरीज की गंभीरता से जांच कर उचित उपचार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य परीक्षण पर ध्यान देने के निर्देश दिए, ताकि संवेदनशील वर्गों को समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केंद्रों पर साफ-सफाई, दवाओं की उपलब्धता, टीकाकरण कार्यक्रम, परिवार नियोजन सेवाएं और संस्थागत प्रसव की स्थिति की भी समीक्षा की गई। डॉ. तेवतिया ने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और मरीजों के साथ संवेदनशील व्यवहार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आरोग्य स्वास्थ्य मेले आमजन को निःशुल्क और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम हैं। स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य है कि हर व्यक्ति तक बेहतर चिकित्सा सुविधा पहुंचे और कोई भी मरीज उपचार से वंचित न रहे।

हाईटेंशन विद्युत तार चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़, 10 आरोपी गिरफ्तार

शामली। (शिखर समाचार) थाना बाबरी पुलिस और सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए हाईटेंशन विद्युत तार चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश कर 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 23 बंडल हाईटेंशन विद्युत तार, चार वाहन और तार काटने के उपकरण बरामद किए हैं।

रविवार को पुलिस लाइन में पत्रकारों को जानकारी देते हुए एसपी एनपी सिंह ने बताया कि चलाए जा रहे अभियान के तहत यह सफलता मिली है। गिरफ्तार आरोपियों ने जनपद के थाना झिंझाना क्षेत्र के ग्राम टोड़ा, थाना गढ़ीपुख्ता क्षेत्र के ग्राम भैंसवाल, थाना कांधला क्षेत्र के ग्राम कनियान तथा थाना बाबरी क्षेत्र के ग्राम भाज्जू सहित कई स्थानों पर विद्युत तार चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया था।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे सुनसान और कम आवाजाही वाले ग्रामीण व जंगल क्षेत्रों में हाईटेंशन लाइनों को चिन्हित कर रात के समय वाहनों से पहुंचते थे और इलेक्ट्रॉनिक वायर कटर, ब्लेड व दस्तानों की मदद से तार काट लेते थे। चोरी किए गए तारों को पहले सुनसान स्थानों पर छिपाकर बाद में अलग-अलग वाहनों से बेचने की योजना बनाते थे।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दीपक कुमार उर्फ गोलू, फरमान, अफसर, मुशीद, आकाश कुमार, देवेंद्र गुप्ता, नितीश कुमार, नीरज, जगनू और इन्द्रजीत के रूप में हुई है। पुलिस गिरोह के आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है और अन्य राज्यों में दर्ज मामलों की जानकारी जुटाई जा रही है।

नगीना में भू-माफियाओं का जाल, 100 साल पुरानी नहर पर अवैध पुलों से संकट गहराया

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। प्रदेश में भ्रष्टाचार और अवैध कब्जों के खिलाफ सख्ती के दावों के बीच नगीना में हालात इसके उलट नजर आ रहे हैं। नगर के बीचों बीच बहने वाली करीब 100 वर्ष पुरानी नहर शाखा पुरेनी पर अवैध पुलों और पुलियों का जाल बिछता जा रहा है, जिससे इसके अस्तित्व पर खतरा मंडराने लगा है। स्थानीय निवासी विकास कुमार ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल (आईजीआरएस) पर शिकायत दर्ज कर आरोप लगाया है कि कुछ भू-सौदागर अपने प्लॉटों की कीमत बढ़ाने के लिए नहर के ऊपर बिना अनुमति अवैध निर्माण करा रहे हैं। इन पुलों के निर्माण में न तो विभागीय स्वीकृति ली गई है और न ही किसी तकनीकी मानक का पालन किया गया है, जिससे नहर का स्वरूप लगातार बिगड़ता जा रहा है। शिकायतकर्ता का कहना है कि यदि यही स्थिति रही तो यह ऐतिहासिक नहर पूरी तरह कंक्रीट संरचनाओं में तब्दील हो जाएगी। साथ ही, घनी आबादी के बीच ऐसे अवैध निर्माण भविष्य में जल निकासी और सिंचाई व्यवस्था के लिए भी गंभीर संकट पैदा कर सकते हैं। गौरतलब है कि इस संबंध में कई बार विभागीय अधिकारियों और जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे स्थानीय लोगों में भारी रोष है और विभागीय मिलीभगत की आशंका भी जताई जा रही है। अब देखना होगा कि उच्च स्तर पर संज्ञान लिए जाने के बाद संबंधित विभाग इन अवैध निमार्णों पर कार्रवाई करता है या फिर भू-माफियाओं के आगे यूं ही चुप्पी साधे रहता है।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाला युवक गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। सोशल मीडिया पर जनप्रतिनिधियों के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करना एक युवक को भारी पड़ गया। स्योहारा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जानकारी के अनुसार, ग्राम खेड़ीजट निवासी जुबैद पुत्र स्वर्गीय शाहिद ने अपनी फेसबुक आईडी से देश के गणमान्य व्यक्तियों और जनप्रतिनिधियों के संबंध में आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट किया था। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए कार्रवाई शुरू की। थाना स्योहारा प्रभारी के अनुसार, आरोपी के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 153/26 के तहत धारा 302 (बीएनएस) और 67 आईटी एक्ट में मामला दर्ज किया गया। इसके बाद पुलिस टीम ने दबिश देकर वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने या किसी भी व्यक्ति के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

नाला निर्माण के दौरान पेड़ गिरने से बाइक सवार की मौत

बिजनौर (शिखर समाचार)। धामपुर शेरकोट मार्ग पर रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जब नाला निर्माण कार्य के दौरान सड़क किनारे खड़ा पिलखन का पेड़ अचानक गिर पड़ा और उसकी चपेट में आने से बाइक सवार की मौत हो गई। ग्राम सुहागपुर निवासी नरेश (58 वर्ष) पुत्र बाबू अपनी बेटी को ससुराल छोड़कर वापस लौट रहे थे। जैसे ही वह राष्ट्रीय कैडेट कोर कार्यालय के निकट पहुंचे, नाला खुदाई से कमजोर हुई जमीन के कारण पेड़ अचानक भरभराकर सड़क पर गिर गया और वह उसके नीचे दब गए। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत उन्हें बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क चौड़ीकरण और नाला निर्माण के चलते किनारे की मिट्टी काफी कमजोर हो गई थी और पेड़ गिरने की आशंका पहले से बनी हुई थी, लेकिन सुरक्षा उपायों की अनदेखी की गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से निर्माण कार्यों में सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने की मांग की है।

ट्यूबवेल चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

शामली। (शिखर समाचार) शहर कोतवाली पुलिस ने क्षेत्र के विभिन्न गांवों में ट्यूबवेल और नलकूपों से हुई चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया तांबे का तार, नगदी और घटना में प्रयुक्त उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस लाइन में रविवार को जानकारी देते हुए एसपी एनपी सिंह ने बताया कि ग्राम ऐरटी, काबड़ौत, बलवा और लांक के जंगल में स्थित ट्यूबवेलों से फरवरी, मार्च और मई में चोरी की घटनाएं हुई थीं। अज्ञात चोरों द्वारा तार चोरी किए जाने के मामलों में कोतवाली शामली में मुकदमे दर्ज किए गए थे, जिसके बाद पुलिस टीम लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी थी। शनिवार को चलाए गए अभियान के दौरान पुलिस ने दीपक उर्फ विक्की पुत्र राकेश और अश्वनी उर्फ गोलू पुत्र शहजोर निवासी ग्राम भभीसा थाना कांधला को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से 990 ग्राम तांबे का तार, 1800 रुपये नगद तथा पेचकस और प्लास बरामद हुए। पुलिस के अनुसार मामले में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है, जबकि अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है। इस दौरान एएसपी सुमित शुक्ला और सीओ सिटी जितेन्द्र सिंह मौजूद रहे।

"Noida I Care" अभियान का भव्य शुभारंभ सम्पन्न

नोएडा (शिखर समाचार) शहर को स्वच्छ, संवेदनशील, जागरूक एवं सहभागी नागरिकता की दिशा में अग्रसर करने के उद्देश्य से "Noida I Care" जन-अभियान का भव्य शुभारंभ आज प्रातः उत्साह और व्यापक जनभागीदारी के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

यह पहल केवल किसी एक संस्था का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक नोएड-ावासी की सामूहिक जिम्मेदारी और जनआंदोलन के रूप में सामने आई। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों–कॉरपोरेट्स, एनजीओ, आरडब्ल्यूए, विश्वविद्यालय, कॉलेज, स्कूल, अस्पताल, सामाजिक संगठन, युवा एवं जागरूक नागरिकों–की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। कार्यक्रम का शुभार्भ दीप प्रज्वलन एवं 'वंदे मातरम की प्रस्तुति के साथ हुआ। इस-के पश्चात प्रेरणादायक प्रस्तुतियाँ, नेतृत्व संबोधन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्किट, काव्य पाठ एवं "Why Noida I Care" विषय पर विचार साझा किए गएkइस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एमिटी यूनिवर्सिटी से आनंद चौहान जी उपस्थित रहे। साथ ही नोएडा लोकमंच के अध्यक्ष श्री प्रभात कुमार, महासचिव महेश सक्सेना, डॉ. प्रभात कुमार, अन्य गरिमामय अतिथि एवं टीम सदस्य उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त India I Care की टीम से दिलीप पटेल, डॉ. अमित मुखर्जी एवं प्रभाकर वत्स सहित अन्य सदस्यों की सक्रिय सहभागिता रही। साथ ही संस्कार अध्ययन केंद्र की भी सराहनीय भागीदारी रही। कार्यक्रम के दौरान नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने हेतु निर्धारित पाँच प्रमुख फोकस एरिया पर आधारित प्रस्तुतियाँ दी गईं। इनमें प्रभावशाली स्किट्स शामिल रहीं–एक सक्षम चेंज मेकर द्वारा, एक नोएडा लोक मंच के संस्कार अध्ययन केंद्र के बच्चों द्वारा, तथा दो स्किट कर्ल्र्ा कउंशी की टीम द्वारा प्रस्तुत की गईं। इसके साथ ही हास्य कवियों द्वारा काव्य पाठ ने माहौल को जीवंत बनाया, जबकि प्रसिद्ध कवि ब्रह्मपाल नागर जी की रागिनी ने कार्यक्रम में विशेष आकर्षण जोड़ा। इस अवसर पर डॉ. प्रभात कुमार के द्वारा "Noida I Care Pledge" दिलाई गई। साथ ही इस संकल्प के अंतर्गत कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों से हस्ताक्षर (सिग्नेचर) भी कराए गए, जिससे उन्होंने शहर को स्वच्छ, सुंदर, अनु-शासित एवं संवेदनशील बनाने के अपने संकल्प को औपचारिक रूप दिया। यह अभियान Noida Authority एवं Noida Police के सहयोग से जनसहभागिता को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो रहा है। आयोजकों ने सभी नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए अपील की कि वे इस जनआंदोलन से जुड़े रहें और अपने शहर के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते रहें। "Noida I Care" – क्योंकि शहर हमारा है, जिम्मेदारी भी हमारी है।

बक्सर नहर में अज्ञात बुजुर्ग का शव मिला, शिनाख्त के प्रयास जारी

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। थाना सिम्भावली क्षेत्र के अंतर्गत अनूपशहर खंड नहर स्थित गांव बक्सर के पास रविवार को लगभग 60 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र करीब 60 वर्ष प्रतीत हो रही है। काफी प्रयासों के बावजूद शव की पहचान नहीं हो सकी है। मृतक की बाजू पर गुड्डू शर्मा नाम लिखा हुआ मिला है, जिससे पहचान के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। प्राथमिक जांच में यह भी सामने आया है कि शव कहीं पीछे से बहकर नहर में आया हो सकता है। फिलहाल पुलिस आसपास के थानों से संपर्क कर गुमशुदगी के मामलों का मिलान कर रही है, ताकि मृतक की पहचान की जा सके। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच जारी है।

किशोरी मोहे अपनों की लीजो संकीर्तन में भक्ति की बही सरिता, श्रद्धालु झूमे

शामली। (शिखर समाचार) शहर के तालाब रोड स्थित जैन धर्मशाला में देर रात्रि श्री बांके बिहारी पालकी यात्रा सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में किशोरी मोहे अपनों की लीजो पांचवें संकीर्तन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दूर-दराज से पहुंचे प्रसिद्ध भजन गायकों ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से ऐसा समां बांधा कि श्रद्धालु भक्ति रस में डूबकर झूमने को विवश हो गए। संकीर्तन का शुभारंभ मुख्य अतिथि चेयरमैन अरविन्द संगल, कुशांक चौहान, विनोद गर्ग और प्रदीप कश्यप ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद वृंदावन से आईं आरूषि गंभीर, बरसाना से पियूष भार्गव, शामली के सौरभ वर्मा और हरीश नामदेव ने एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में श्री बांके बिहारी, श्री राधा बल्लभ और श्री राधा रमण के भव्य दरबार सजाए गए, जहां 56 भोग अर्पित किए गए और 108 दीपों की ज्योति प्रज्वलित की गई। इस दौरान आकर्षक आतिशबाजी ने कार्यक्रम की भव्यता को और बढ़ा दिया। संकीर्तन के समापन पर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर रविकांत गर्ग, शिवांक गर्ग, ओमप्रकाश, रिचांशु गोयल, अर्पित गुप्ता, राघव जैन, आयुष गुप्ता, शिवम सिंघल, अंकित संगल, दीपक गोयल, अयुषमान, आकाश संगल और अनमोल गोयल सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर व्याख्यान गोष्ठी आज, समाज की एकता पर दिया जोर

शामली।(शिखर समाचार) श्री ब्राह्मण एकता महासभा द्वारा रविवार को भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर व्याख्यान गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एमएलसी धर्मेन्द्र भारद्वाज, सदर विधायक प्रसन्न चौधरी और रालोद प्रदेश महासचिव विजय कौशिक द्वारा भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण कर किया जाएगा। इससे पूर्व शनिवार को शहर के हनुमान धाम स्थित अग्रसैन बारातघर में आयोजित बैठक में वक्ताओं ने समाज की एकजुटता पर जोर दिया। धर्मेन्द्र भारद्वाज ने कहा कि समाज को भगवान परशुराम के बताए मार्ग पर चलना चाहिए।

प्रसन्न चौधरी ने कहा कि भगवान परशुराम समस्त मानव जाति के पूजनीय हैं और सभी समाज को उनकी आराधना करनी चाहिए। विजय कौशिक ने समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर करने और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में भगवान परशुराम साहस, तपस्या, धर्म और न्याय के प्रतीक हैं तथा उन्हें भगवान विष्णु का छठा अवतार माना जाता है। उनका जीवन समाज को सत्य, न्याय और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में ऐरटी से पहुंचे ललितानंद महाराज ने भी आशीर्वाद दिया। गोष्ठी के बाद प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर सत्यप्रकाश कौशिक, सुरेन्द्र शर्मा, श्रीनिवास शर्मा, प्रेमकिशोर कोठारी, देवानंद गौड़, कैलाशचंद शर्मा, अर्जुन पंडित, पुनीत द्विवेदी, गोपीचंद शर्मा, विवेक प्रेमी, ओमप्रकाश शर्मा, हितेश शर्मा, अंकित शर्मा, राहुल कौशिक, रामनिवास शर्मा, सलिल द्विवेदी, आर्यन शर्मा, मोहित शर्मा, संजीव वशिष्ठ सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

स्याना चोपला के पास अज्ञात व्यक्ति का शव मिला, हादसे में मौत की आशंका

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। गढ़ कोतवाली क्षेत्र के स्याना चोपला के पास रविवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र करीब 40 वर्ष प्रतीत हो रही है। शव सड़क किनारे पड़ा मिला और शरीर पर दुर्घटना से संबंधित गंभीर चोटों के निशान पाए गए हैं, जिससे प्रथम दृष्टया मामला सड़क हादसे का माना जा रहा है। मृतक के बाजू और शरीर के अन्य हिस्सों पर कई टैटू भी बने हुए हैं, जो पहचान में सहायक हो सकते हैं। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर मृतक की शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन फिलहाल उसकी पहचान नहीं हो सकी है। आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का स्पष्ट रूप से पता चल सकेगा। वहीं, मृतक की पहचान के प्रयास लगातार जारी हैं।

संपादकीय

जिंदगी इतनी सस्ती क्यों हो गई है: विवेक विहार अग्निकांड और व्यवस्था पर उठते सवाल

दिल्ली के शाहदरा स्थित विवेक विहार इलाके में रविवार तड़के हुए भीषण अग्निकांड ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर आम आदमी की जिंदगी की कीमत हमारे सिस्टम में कितनी रह गई है। एक रिहायशी इमारत में लगी आग ने कुछ ही घंटों में कम से कम 9 लोगों की जान ले ली और कई परिवारों को हमेशा के लिए उजाड़ दिया। बताया जा रहा है कि आग तड़के लगी, जब अधिकांश लोग गहरी नींद में थे, जिससे बचाव का मौका भी कम मिला। दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। कई लोग धुएं में दम घुटने से मारे गए, जबकि कुछ झुलस गए। राहत और बचाव कार्य के दौरान स्थानीय लोगों की मदद भी ली गई, परंतु सवाल यह है कि हर बार हादसे के बाद ही क्यों जागती है व्यवस्था?

यह कोई पहली घटना नहीं है। देश के किसी न किसी हिस्से से लगभग हर सप्ताह ऐसी खबरें सामने आती हैं कहीं आग, कहीं पानी, कहीं सड़क हादसा और हर बार कुछ जिंदगियां यूं ही खत्म हो जाती हैं। कभी नदी में नाव पलटने से 10-20 लोग डूब जाते हैं, तो कहीं अवैध निर्माण में लगी आग दर्जनों लोगों को निगल जाती है। यह सिलसिला अब इतना आम हो चुका है कि खबरें भी कुछ ही दिनों में भुला दी जाती हैं। लेकिन जिन परिवारों पर यह गुजरती है, उनके लिए यह एक ऐसी त्रासदी है जो जिंदगी भर पीछा नहीं छोड़ती। विवेक विहार की इस घटना में शुरूआती जानकारी के अनुसार इमारत में अग्नि सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। संकरी गलियां, अवैध रूप से बढ़ाए गए फ्लोर, और बिजली के तारों का जाल ये सब मिलकर एक टाइम बम की तरह काम कर रहे थे। सवाल उठता है कि क्या स्थानीय प्रशासन को इस बारे में जानकारी नहीं थी? अगर थी, तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? और अगर नहीं थी, तो यह भी एक बड़ी लापरवाही है। दिल्ली जैसे महानगर में, जहां हर गली मोहल्ले में हजारों लोग रहते हैं, वहां इस तरह की लापरवाही किसी बड़े हादसे को न्योता देना ही है।

प्रशासन की जिम्मेदारी सिर्फ हादसे के बाद राहत और मुआवजा बांटने तक सीमित नहीं हो सकती। असली जिम्मेदारी है हादसे को होने से रोकना। बिल्डिंग निर्माण के नियम, अग्नि सुरक्षा मानक, बिजली की सुरक्षित व्यवस्था, और नियमित निरीक्षण ये सब कागजों में तो मौजूद हैं, लेकिन जमीनी हकीकत अक्सर इससे बिल्कुल उलट होती है। भ्रष्टाचार, मिलीभगत और लापरवाही के कारण नियमों का खुला उल्लंघन होता है, और जब हादसा होता है तो जिम्मेदारी तय करने की बजाय फाइलें इधर उधर घुमाई जाती हैं।

इस घटना के बाद एक बार फिर मुआवजे की घोषणा हुई है, जांच के आदेश दिए गए हैं, और कुछ अधिकारियों पर कार्रवाई की बात भी कही जा रही है। लेकिन अनुभव बताता है कि कुछ समय बाद यह मामला भी ठंडे बस्ते में चला जाएगा। न तो स्थायी समाधान निकलता है और न ही ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रुकती है। आखिर क्यों हर बार हमें अपनी गलतियों से सीखने में इतनी देर लगती है? समाज के स्तर पर भी हमें आत्ममंथन की जरूरत है। कई बार लोग खुद भी नियमों की अनदेखी करते हैं सस्ती बिजली के लिए अवैध कनेक्शन, ज्यादा किराया कमाने के लिए इमारत में अतिरिक्त कमरे जोड़ना, या अग्निशमन यंत्र लगाने को गैर जरूरी खर्च मानना। यह मानसिकता भी हादसों को बढ़ावा देती है। जब तक आम नागरिक और प्रशासन दोनों मिलकर जिम्मेदारी नहीं लेंगे, तब तक ऐसे हादसे रुकना मुश्किल है।

~ मौलिक चिंतन ~

सवाल यह नहीं है कि संयुक्त परिवार क्यों टूटे, बल्कि यह है कि हमने उन्हें बचाने की कोशिश भी क्यों छोड़ दी!

~~~~~~~~~

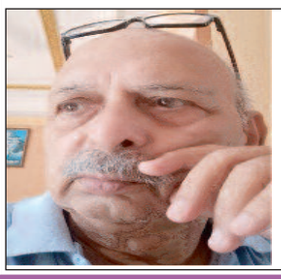

© विनय संकोची

कृषि रसायनों का डेटा संरक्षण: कॉर्पोरेट लालच

कृष्णबीर चौधरी
अध्यक्ष, भारतीय कृषक समाज

भारतीय किसानों को लूटने और भारतीय कृषि रसायन उद्योग द्वारा की गई प्रगति को रोकने के लिए दशकों से लगातार वकालत और साजिश चल रही है, जिसके तहत पेटेंट से बाहर के अणुओं पर डेटा संरक्षण (जिसे अक्सर डेटा विशिष्टता कहा जाता है) की मांग की जा रही है। भारत सरकार द्वारा पेटेंट अधिनियम, 2005 के अनुसार, किसी भी नए उत्पाद के आविष्कारकों को 20 वर्षों तक डेटा संरक्षण की अनुमति दी जाती है, लेकिन बहुराष्ट्रीय कंपनियों और उनके सहयोगियों को लगता है कि ये 20 वर्ष पर्याप्त नहीं हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियां 15 वर्षों से यह दुर्भावनापूर्ण अभियान चला रही थीं और सफलता न मिलने पर उन्होंने अपनी कार्यप्रणाली बदल दी और अपने भारतीय सहयोगियों को अपने प्रचारक के रूप में नियुक्त किया। भारत सरकार ने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा वर्ष 2017, 2020 और 2025 में जारी किए गए कीटनाशक प्रबंधन विधेयकों के विभिन्न मसौदों जैसे अपने नीतिगत दस्तावेजों में डेटा संरक्षण की इस मांग को बार-बार खारिज किया है। यहां तक कि भारतीय कृषक समाज के बैनर तले भारतीय किसानों ने वर्ष 2020 में कीटनाशक प्रबंधन विधेयक पर संसदीय स्थायी समिति के समक्ष अपनी बात रखी थी। भारतीय किसानों के आग्रह पर, संसदीय स्थायी समिति ने डेटा संरक्षण की मांग को पूरी तरह से खारिज कर दिया और कहा कि किसी अणु की खोज में आई लागत की भरपाई के लिए 20 साल की पेटेंट अवधि पर्याप्त है, लेकिन बहुराष्ट्रीय कंपनियों और उनके सहयोगियों का किसानों का शोषण करने का लालच इतना अधिक है कि उनका तर्क मानता ही नहीं।

भारत में पेटेंट के बाद कृषि रसायनों के लिए डेटा संरक्षण प्रदान करना एक अत्यंत विवादास्पद मुद्दा है। डेटा संरक्षण मानक 20 वर्षीय पेटेंट अवधि से परे एकाधिकार को विस्तारित करता है, जिससे कई प्रतिकूल प्रभाव पड़ते हैं। डेटा विशिष्टता जेनेरिक निमार्ताओं को मौजूदा सुरक्षा और प्रभावकारिता डेटा का उपयोग करके सस्ते विकल्पों को पंजीकृत करने से रोकती है, जिससे किसानों के लिए इनपुट लागत बढ़ जाती है। प्रतिस्पर्धा की कमी कीटनाशकों की कीमतों को ऊंचा बनाए रख सकती है। उदाहरण के लिए, जेनेरिक दवाओं के बाजार में आने के बाद कुछ अणुओं की कीमत 60% से 90% तक गिर गई है। इसके अलावा, एकाधिकार को प्रभावी रूप से बढ़ाकर, यह उन अधिक किफायती, पेटेंट-मुक्त उत्पादों के बाजार में आने में देरी कर सकता है जिनकी किसानों को अपनी फसलों को विकसित हो रहे कीटों से बचाने के लिए आवश्यकता होती है। इससे छोटे और सीमांत किसानों पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा, जो भारत के कृषि कार्यबल का बहुमत बनाते हैं, क्योंकि आवश्यक इनपुट की लागत में असमान रूप से वृद्धि होगी, जो सीधे तौर पर उनकी आजीविका और उत्पादकता को प्रभावित करेगी।

डेटा संरक्षण के कारण उत्पन्न एकाधिकारों का प्रभाव केवल किसानों तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका भारतीय उद्योग पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। वैश्विक कृषि रसायन बाजार का 80% से 90% हिस्सा जेनेरिक उत्पादों का है, और भारत इस क्षेत्र में अग्रणी निर्यातक है। डेटा एक्सक्लूसिविटी घरेलू लघु एवं मध्यम उद्यमों (एसएमई) के लिए बाजार में प्रवेश करने में असाध्य बाधाएं पैदा करती है। यह पेटेंट-मुक्त अणुओं के निर्माण और निर्यात में देरी करके भारतीय जेनेरिक कंपनियों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को कमजोर कर सकती है। अन्य विकासशील देशों के प्रमाण बताते हैं कि डेटा की विशिष्टता प्रदान करने से घरेलू उद्योग बहुराष्ट्रीय कंपनियों (एमएनसी) से आयातित उत्पादों से पीछे छूट सकता है।

कृषि रसायनों के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास भी डेटा संरक्षण के प्रभावों से अछूता नहीं रहेगा। जेनेरिक दवा बनाने वाली कंपनियों को महंगे और समय लेने वाले सुरक्षा और प्रभावकारिता परीक्षणों को दोहराना पड़ेगा, जो मूल निमार्ता द्वारा पहले ही किए जा चुके हैं, जो कि व्यर्थ निवेशऔर संसाधनों की बबार्दी है।

वर्तमान 20 वर्षीय पेटेंट अवधि नवप्रवर्तकों के लिए अपने निवेश की प्रतिपूर्ति के लिए पर्याप्त है। 2010-2022 की अवधि के दौरान, भारत में पेटेंट किए गए 62 कीटनाशकों में से केवल 27 ही व्यावसायिक रूप से लॉन्च किए गए, जिससे पता चलता है कि डेटा की विशिष्टता वास्तव में नई तकनीकों के परिचय को गति नहीं दे सकती है। ऐसी चिंता है कि कृषि रसायनों के लिए डेटा की विशिष्टता प्रदान करने से ट्रिप्स प्लस की मिसाल कायम हो जाएगी, जिससे दवा क्षेत्र के लिए भी इसी तरह की मांगें उठेंगी, जो आवश्यक दवाओं को आम जनता के लिए महंगा बना सकती हैं।

इसलिए, मैं भारत सरकार से आग्रह करता हूं कि वह डेटा संरक्षण (Data Protection) के लिए भारत-विरोधी और किसान-विरोधी ताकतों को एक बयान जारी कर शांत करे। ऐसा कदम भारतीय किसानों और कृषि निवेश उद्योग (Agro Input Industry) को 2047 तक आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के लिए मिलकर काम करने का विश्वास दिलाएगा, जो कि माननीय प्रधानमंत्री जी का लक्ष्य है।

उबलती धरती, डगमगाती थाली, संकट में किसान

डॉ. सत्यवान सौरभ

हीटवेव की मार से हरियाणाझपंजाब की खेती और किसानों की आय दोनों संकट में जलवायु परिवर्तन के इस निर्णायक दौर में चरम गर्मी अब केवल एक मौसमी विचलन नहीं रह गई है; यह एक गहरे संरचनात्मक संकट के रूप में उभर रही है, जो वैश्विक खाद्य प्रणालियों की बुनियाद को हिला रही है। बढ़ते तापमान और तीव्र होती हीटवेव्स ने कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं को एक ऐसे दबाव में ला खड़ा किया है, जहां हर कड़ी कमजोर पड़ती दिख रही है। वैज्ञानिक और नीति-निमार्ता अब इसे एक 'रिस्क मल्टीप्लायर' के रूप में पहचान रहे हैं–ऐसा कारक जो न केवल स्वयं नुकसान पहुंचाता है, बल्कि अन्य जोखिमों को भी कई गुना बढ़ा देता है। यदि अब निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो चरम गर्मी आने वाले दशकों में वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा व्यवस्थित खतरा बन जाएगी।

चरम तापमान का सबसे प्रत्यक्ष और स्पष्ट प्रभाव फसलों पर पड़ता है। यह स्थापित तथ्य है कि 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर का तापमान गेहूं, चावल और मक्का जैसी प्रमुख फसलों के लिए प्रतिकूल होता है। अधिक तापमान पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को बाधित करता है, परागण को प्रभावित करता है और दानों के विकास को अधूरा छोड़ देता है। परिणामस्वरूप उत्पादन में गिरावट आती है, जो कई मामलों में 10 से 50 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। यह केवल मात्रा की समस्या नहीं है–गर्मी के कारण अनाज का पोषण स्तर भी घटता है, जिससे खाद्य गुणवत्ता प्रभावित होती है। इस प्रकार, यह संकट उत्पादन और पोषण दोनों को एक साथ चोट पहुंचाता है।

पशुपालन क्षेत्र भी इस तापीय दबाव से अछूता नहीं है। उच्च तापमान के कारण पशुओं में हीट स्ट्रेस बढ़ता है, जिससे उनकी उत्पादकता पर सीधा असर पड़ता है। डेयरी पशुओं में दूध उत्पादन में कमी, मुर्गियों में अंडा उत्पादन का घट जाना और सूअरों में वृद्धि दर का धीमा होना इसके प्रमुख उदाहरण हैं। चरम परिस्थितियों में पशुओं की मृत्यु तक हो सकती है, जिससे किसानों की आय पर गंभीर चोट पड़ती है। मत्स्य पालन में स्थिति और भी जटिल हो जाती है–समुद्री तापीय लहरों के कारण जल में घुलित ऑक्सीजन की मात्रा घटती है, जिससे मछलियां तनावग्रस्त हो जाती हैं और उनका जीवित रहना कठिन हो जाता है। इस तरह, अत्यधिक गर्मी खाद्य उत्पादन के सभी प्रमुख स्रोतों को एक साथ प्रभावित कर रही है। लेकिन असली चुनौती तब सामने आती है जब ये प्रभाव एक-दूसरे को बढ़ाने लगते हैं। चरम गर्मी सूखे को जन्म देती है, जिससे जल संसाधनों पर अभूतपूर्व दबाव पड़ता है। सिंचाई के लिए पानी की कमी फसलों की उत्पादकता को और घटा देती है, जबकि पशुओं और मनुष्यों के लिए जल संकट गंभीर रूप ले लेता है। इसके अलावा, उच्च तापमान कीटों और रोगों के प्रसार के लिए अनुकूल परिस्थितियां पैदा करता है। टिड्डी दल जैसी घटनाएं अधिक बार और अधिक तीव्रता से देखने को मिल रही हैं, जो कुछ ही दिनों में विशाल फसल क्षेत्र को नष्ट कर सकती हैं। इस प्रकार, तापमान वृद्धि केवल एक अलग-थलग समस्या नहीं, बल्कि एक ऐसे चक्र का हिस्सा है जो लगातार खुद को मजबूत करता जाता है।

वन क्षेत्रों में भी इसका गहरा प्रभाव दिखाई देता है। बढ़ती गर्मी और सूखे के कारण जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे जैव विविधता को नुकसान पहुंचता है और कार्बन चक्र बाधित होता है। यह एक खतरनाक दुष्चक्र को जन्म देता है–जंगलों की आग से कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है, जो आगे तापमान वृद्धि को और तेज करता है, और यह वृद्धि फिर नई आग की घटनाओं को जन्म देती है। इस चक्र का प्रभाव अंततः कृषि और खाद्य प्रणालियों पर ही पड़ता है।

चरम गर्मी का एक महत्वपूर्ण लेकिन अक्सर अनदेखा पहलू श्रम उत्पादकता पर इसका प्रभाव है। कृषि क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिक, विशेषकर विकासशील देशों में, अत्यधिक तापमान के कारण काम करने में असमर्थ हो जाते हैं। जब 'गीला बल्ब तापमान' एक निश्चित सीमा से ऊपर पहुंच जाता है, तो मानव शरीर के लिए लंबे समय तक काम करना जानलेवा हो सकता है। यह स्थिति एक प्रकार का 'हीट-इकोनॉमी ट्रैप' पैदा करती है, जहां गर्मी सीधे श्रम, उत्पादन और आय–तीनों को सीमित कर देती है। अनुमान है कि दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्रों में साल के सैकड़ों दिन ऐसे हो सकते हैं, जब श्रमिकों के लिए काम करना संभव नहीं रहेगा। इसका सीधा असर किसानों और मजदूरों की आय पर पड़ता है, जिससे आर्थिक असुरक्षा बढ़ती है। इन सभी प्रभावों का सम्मिलित परिणाम एक 'कैस्केडिंग फेल्योर' के रूप में सामने आता है। जब फसलें असफल होती हैं, पशुधन प्रभावित होता है और श्रमिक काम नहीं कर पाते, तो खाद्य आपूर्ति श्रृंखला टूटने लगती है। इसका सीधा असर बाजार पर पड़ता है–खाद्य कीमतें बढ़ती हैं, जिससे गरीब और कमजोर वर्गों के लिए भोजन तक पहुंच और कठिन हो जाती है। यह स्थिति कुपोषण, गरीबी और सामाजिक अस्थिरता को जन्म देती है। कई क्षेत्रों में यह प्रवासन को भी बढ़ावा देती है, जहां लोग जीविका की तलाश में अपने घर छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। इस प्रकार, चरम गर्मी एक पर्यावरणीय समस्या से कहीं अधिक–एक व्यापक सामाजिक-आर्थिक संकट बन जाती है।

भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए यह चुनौती और भी गंभीर है। हरियाणा, पंजाब और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में हाल के वर्षों में हीटवेव्स के कारण गेहूं और चावल की पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा गया है। विशेष रूप से देर से बोई गई फसलों पर इसका असर अधिक पड़ता है, जिससे उत्पादन में 10 से 15 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। भारत की हरित क्रांति का केंद्र रहे ये क्षेत्र अब जलवायु अस्थिरता के सबसे बड़े प्रयोगशाला बनते जा रहे हैं। इसके साथ ही, भूजल का अत्यधिक दोहन और बढ़ती गर्मी मिलकर जल संकट को और गहरा कर रहे हैं, जो कृषि की स्थिरता के लिए गंभीर खतरा है। इस संकट का प्रभाव समान रूप से वितरित नहीं है। छोटे और सीमांत किसान, महिलाएं और युवा सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। उनके पास सीमित संसाधन, कम तकनीकी जानकारी और जोखिम उठाने की कम क्षमता होती है। परिणामस्वरूप, वे जलवायु परिवर्तन के इस बढ़ते दबाव के सामने अधिक असुरक्षित हो जाते हैं। इस प्रकार, अत्यधिक गर्मी केवल पर्यावरणीय चुनौती नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को भी गहरा करने वाला कारक बन रही है। ऐसे में समाधान की दिशा में ठोस और बहुआयामी रणनीतियों की आवश्यकता है। सबसे पहले, अनुकूलन (adaptation) पर ध्यान देना होगा। जलवायु-स्मार्ट कृषि पद्धतियां–जैसे गर्मी-सहनशील बीजों का उपयोग, फसल विविधीकरण, ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई, तथा छायादार खेती–इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इसके अलावा, मौसम पूवार्नुमान और प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों को मजबूत करना आवश्यक है, ताकि किसान समय रहते अपने निर्णय बदल सकें और नुकसान को कम कर सकें।

पशुपालन के क्षेत्र में भी सुधार की आवश्यकता है। बेहतर वेंटिलेशन वाले शेड, पर्याप्त जल उपलब्धता और चयनात्मक प्रजनन जैसी तकनीकों के माध्यम से पशुओं को गर्मी के प्रभाव से बचाया जा सकता है। साथ ही, बीमा योजनाओं और वित्तीय सहायता के जरिए किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना भी आवश्यक है, ताकि वे जलवायु जोखिमों का सामना कर सकें।

नीतिगत स्तर पर, सरकारों को एक समग्र और दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। जल संरक्षण, जैव विविधता संरक्षण और सतत कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना प्राथमिकता होनी चाहिए। भारत में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन और अन्य कृषि योजनाओं को जलवायु परिवर्तन के अनुरूप पुनर्गठित करने की आवश्यकता है। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग बढ़ाना और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना अनिवार्य है, क्योंकि दीर्घकालिक समाधान केवल शमन (mitigation) के माध्यम से ही संभव है।

मिनाब 168 : महाशक्ति के पतन का कारण बनती मासूमों की शहादत

तनवीर जाफ़री

याद कीजिये गत 10 अप्रैल 2026 को जब एक ईरानी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान की मध्यस्थता में अमेरिका से बात चीत करने के मकसद से इस्लामाबाद पहुंचा था और अमेरिका की तरफ से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस वार्ता का नेतृत्व कर रहे थे उस समय ईरानी प्रतिनिधिमंडल जिस # मिनाब 168 अंकित विमान में बैठकर इस्लामाबाद आया था उस विमान ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था।

अमेरिका व इस्त्राईल द्वारा गत 28 फरवरी से ईरान पर किये गये संयुक्त हमलों में हालाँकि ईरान में मरने वालों की संख्या सूत्रों द्वारा अलग अलग बताई जा रही है। परन्तु अनुमानतः इन हमलों में अब तक लगभग 6,000 से भी अधिक ईरानी नागरिकों लोगों के मारे जाने की संभावना है। जबकि लगभग 26,500 से भी अधिक लोगों के घायल होने के आंकड़े सामने आये हैं। परन्तु ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह सैय्यद अली खामनेई,अनेक उच्चस्तरीय नेता,अधिकारी व वैज्ञानिकों की हत्या से भी अधिक चर्चा ईरान में हुये जिस एक हमले को लेकर हो रही है वह है दक्षिणी ईरान के मिनाब शहर के एक प्राइमरी स्कूल पर 28 फरवरी को अमेरिकी वायु सेना द्वारा किया गया वह हमला जिसने हमले के समय स्कूल में पढ़ रहे 168 मासूम बच्चों को शहीद कर दिया। ईरान ने मुख्य रूप से इसी एक हमले को रेखांकित करते हुये विश्वशांति की बात करने वाले अमेरिका को पूरी दुनिया में बेनकाब करने की मुहिम चलाई। इतना ही नहीं बल्कि इसी हमले ने मानवीय संवेदना रखने वाले कई अमेरिकी सांसदों व उच्चाधिकारियों को भी आवाज उठाने को मजबूर किया।

याद कीजिये गत 10 अप्रैल 2026 को जब एक ईरानी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान की मध्यस्थता में अमेरिका से बात चीत करने के मकसद से इस्लामाबाद पहुंचा था और अमेरिका की तरफ से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस वार्ता का नेतृत्व कर रहे थे उस समय ईरानी प्रतिनिधिमंडल जिस # मिनाब 168 अंकित विमान में बैठकर इस्लामाबाद आया था उस विमान ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था। ईरानी स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ, ईरानी विदेश मंत्री अरागची व ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने इसी # मिनाब 168 नामक विमान से ही तेहरान से पाकिस्तान की यात्रा की थी। इस विमान में आगे की 168 सीटों पर अमेरिकी हमले में शहीद हुये बच्चों की तस्वीरें रखी गईं। हर सीट पर उनके खून से सने हुये क्षतिग्रस्त स्कूल बैग व शहीद बच्चों के जूते व साथ ही उन्हें श्रद्धांजलि देने हेतु फूल भी रखे गये थे। यह पहला मौका था जबकि ईरान जैसे किसी साहसी देश ने स्वयं को महाशक्ति बताने वाले अमेरिका के वास्तविक क्रूर चेहरे को इस निराले अंदाज से बेनकाब किया था। # मिनाब 168 विमान केवल

पाकिस्तान ही नहीं आया बल्कि अरागची 26-27 अप्रैल को इसी विमान पर सवार होकर इस्लामाबाद और ओमान के दौरे के बाद रूस भी पहुंचे। जहां उन्होंने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से महत्वपूर्ण मुलाकात की।

अमेरिका में भी मिनाब के शहीद मासूमों का खून सर चढ़कर बोलता दिखाई दे रहा है। इस हमले को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप को राजनीतिक और सड़क स्तर पर भी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। डेमोक्रेट्स द्वारा साफ तौर पर इसे गैर जिम्मेदाराना अमेरिकी हमला मानकर ट्रंप प्रशासन से इस हमले की जिम्मेदारी स्वीकार करने की मांग रहे हैं। क्योंकि जांच में अमेरिकी टोमाहॉक मिसाइल इस्तेमाल होने की पुष्टि हो चुकी है। यह मिसाइल केवल अमेरिका के पास ही है। अमेरिकी डेमोक्रेट सांसदों ने पेंटागन से निष्पक्ष जांच की मांग करते हुये रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से जवाब भी तलब किया है। इन अमेरिकी सीनेटर्स ने इसे हताहत होने वाला दशकों का सबसे बुरा नागरिक मामला बताया है साथ ही ट्रंप प्रशासन पर अपनी जवाबदेही स्वीकार न करने का भी आरोप लगाया गया है। कई सीनेटर्स तो इसे अमेरिकी सेना की भयानक गलती भी बता रहे हैं। इसी मिनाब घटना को लेकर अमेरिका में कई जगह सड़कों पर भी प्रदर्शन हुये हैं। न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर से लेकर सैन फ्रांसिस्को, शिकागो और मिल्वौकी तक में कई जगह में हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे और उन्होंने हैंड्स ऑफ ईरान के नारे लगाए। यहाँ की कैपिटल हिल पर प्रतीकत्मक रूप से बच्चों के स्कूल बैग रखकर विरोध प्रदर्शन हुआ। इसमें कई डेमोक्रेट सांसद भी शामिल हुये थे। हद तो यह है कि व्हाइट हाउस के बाहर इसी अप्रैल में हुए व्यापक प्रदर्शनों में ट्रंप को युद्ध अपराधी बताकर उसे हटाने की भी जोरदार मांग हुई।

बहरहाल, इस्त्राईल हो या उसका संरक्षक अमेरिका,इन दोनों ही देशों ने विश्व अनेक देशों में युद्धापराध अंजाम देने के अनेक क्रूरतम इतिहास लिखे हैं। सही मायने में तो युद्धापराध अंजाम देने के यह आदी हो चुके हैं। याद कीजिये 1960-70 के मध्य लंबे समय तक चले वियतनाम युद्ध को। यही अमेरिका है जिसने बड़ी बेरहमी से यहाँ लाखों लोगों की हत्यायें की थीं। इनमें एक दिल दहलाने वाली घटना दक्षिण वियतनाम के माई लाई गांव में हुई थी जहाँ न केवल 500 से अधिक निहत्थे नागरिकों जिनमें महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग शामिल थे की हत्या की गई थी बल्कि उनका सामूहिक बलात्कार किया गया उनके शवों का जलाया गया व अपमान किया गया था। पूरे के पूरे कई गांव जला दिए गये थे। इसी तरह 2003 के ईराक युद्ध के दौरान अबूगरेब जेल में कैदियों की प्रताड़ना के अलावा इराक में कई नागरिक नरसंहार की घटनाएं हुईं। इसी तरह अफगानिस्तान में भी नागरिक हत्या,बलात्कार जैसे कई कारनामे उजागर हुए थे। अमेरिका की तर्ज पर इस्त्राईल भी लेबनॉन,पश्चिमी किनारे व गजा के इलाकों में मानव नरसंहार के कई इतिहास लिख चुका है। यह तो इतने क्रूर हैं कि भूखे बच्चों को पहले खाने पानी की लालच देकर भीड़ इकट्ठी करते हैं उसके बाद उन मजबूरों को खाना पानी देने के बजाये उनपर बंबारी कर हत्याएं कर देते हैं। इस्त्राईली प्रधानमंत्री तो इस समय अंतर्राष्ट्रीय अदालत का वांछित मुजरिम भी है।

परन्तु इस बार इनका पाला पड़ा था ईरान में मिनाब के मासूमों से। इनकी चीख पुकार व बद्दुआएं पूरे विश्व में इस कद्र गूँज रही हैं कि मानवीय हृदय रखने वाले अमेरिकी भी इस घटना से सदमे में हैं तथा वे यह महसूस कर रहे हैं कि यह घटना कहीं वैश्विक अमेरिकी चौधर के पतन का कारण न बन जाये। तभी ट्रंप प्रशासन इस घटना से पल्ला झाड़ने की असफल कोशिश करता भी दिखाई देता है। परन्तु वास्तविकता तो यह है कि मिनाब स्कूल हमले की वजह से और ईरान युद्ध नीति के चलते ही अमेरिका में ट्रंप की लोकप्रियता नकारात्मक 20-23% तक गिर गई है। इसी तरह के विरोध के चलते ट्रंप ने अपने कई अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया जबकि कई ने इस्तीफा देकर अपनी इज्जत बचने में ही अपनी भलाई समझी। कहना गलत नहीं होगा कि मासूमों की शहादत को याद दिलाने वाला प्रतीक मिनाब 168 पूरे विश्व में नरसंहार की इबारत लिखने वाली महाशक्ति को बेनकाब कर छोड़ेगा तथा इसके पतन का कारण भी बनेगा।
~~~~~~~~~

घर ले आएं लक्ष्मी चरण पादुका

न-संपदा की प्राप्ति हेतु लक्ष्मी के पूजन का विधान है। ऐसा माना जाता है कि दीपावली की रात लक्ष्मी जी घर में आती हैं। इसीलिए लोग दहलीज से लेकर घर के अंदर जाते हुए लक्ष्मी जी के पांव बनाते हैं। इसी मान्यता के चलते हम लक्ष्मी जी को स्थाई करने हेतु घर में लक्ष्मी जी के चरणों का प्रतीक लक्ष्मी चरण पादुका स्थापित करते हैं।

लक्ष्मी जी के चरणों का रहस्य : शास्त्रों के अनुसार महालक्ष्मी के चरणों में सोलह शुभ चिन्ह होते हैं। यह चिन्ह अष्ट लक्ष्मी के दोनों पावों से उपस्थित 16 (षोडश) चिन्ह है जो के 16 कलाओं का प्रतीक हैं। शास्त्रों में मां लक्ष्मी को षोडशी भी कहकर पुकारा जाता है। ये सोलह कलाएं हैं 1.अन्नमया, 2. प्राणमया, 3.मनोमया, 4.विज्ञानमया, 5. आनंदमया, 6. अतिशयिनी, 7. विपरिनाभिमी, 8.संक्रमिनी, 9.प्रभवि, 10. कुंथिनी, 11 विकासिनी, 12.मर्यदिनी, 13. सन्हालादिनी, 14.आह्लादिनी, 15.परिपूर्ण, 16.स्वरुपवस्थित।

शास्त्रों में चंद्रमा की सोलह कलाओं का भी वर्णन आता है। चंद्रमा की सोलह कलाएं हैं अमृत, मनदा, पुष्प, पुष्टि, तुष्टि, ध्रुति, शाशनी, चंद्रिका, कांति, ज्योत्सना, श्री, प्रीति, अंगदा, पूर्ण और पूर्णामृत का उल्लेख है। वास्तविकता में ये सोलह कलाएं सोलह तिथियां हैं जिसके क्रम में अमावस्या एकम से लेकर चतुर्दशी तथा पूर्णिमा। लक्ष्मी चरण पादुका के लक्ष्मी के षोडशी रूप के 16 चिन्ह इस प्रकार हैं 1 प्राण, 2.श्री, 3.भू, 4.कीर्ति, 5.इला, 5 लीला, 6.कांति, 7.विद्या, 8 विमला, 8.उत्कर्शिनी, 9.ज्ञान, 10 क्रिया, 11. योग, 12.प्रहवि, 13. सत्य, 14. इसना 15. अनुग्रह, 16. नाम। अष्ट लक्ष्मी के दोनों चरणों में इस सोलह कलाओं के प्रतीक चिन्ह स्थापित होते है। सोलह कलाओं वाली श्री लक्ष्मी षोडशी का रहस्य : जो श्री विद्या सोलह कलाएं प्रदान करे वही षोडशी है। लक्ष्मी का यह स्वरुप ऐश्वर्य, धन, पद जो भी चाहिए सभी कुछ प्रदान करता है। इनके श्री चक्र को श्रीयंत्र कहा जाता है। इनका एक नाम श्री महा त्रिपुरा सुंदरी यां ललिता भी है। त्रिपुरा समस्त भुवन मे सर्वाधिक सुन्दर है। महालक्ष्मी का यह स्वरुप जीव को शिव बना देता है। यह श्री कुल की विद्या है। इनकी पूजा से साधक को पूर्ण समर्थ प्राप्त होता है। लक्ष्मी चरण पादुका इन्हीं ललिता श्री देवी के चरणों का प्रतीक है जिसमें सोलह चिन्ह बने होते हैं। लक्ष्मी चरण पादुका जहां भी स्थापित कि जाती है वहां से समस्याओं का नाश होता है। इसकी स्थापना से धनाभाव खत्म होकर स्थाई धन संपत्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। इसे मकान, दुकान, आफिस या कहीं भी दरवाजे पर चिपकाना भी शुभ होता है। अष्ट धातु से निर्मित यह चरण पादुका सुख-समृद्धि हेतु निश्चित ही उपयोगी सामग्री है।

घर-कार्यस्थल पर न रखें श्रीगणेश की ये मूर्तियां

भगवान श्रीगणेश मंगलकारी देवता हैं। जहां श्रीगणेश का नित पूजन-अर्चन होता है, वहां रिद्धि-सिद्धि और शुभ-लाभ का वास होता है। वास्तु शास्त्र में भगवान श्रीगणेश को महत्वपूर्ण स्थान प्रदान किया गया है। धन से संबंधित जो भी बाधाएं आती हैं उसका दोष घर अथवा दुकान में ही मौजूद होता है। बहुत कुछ ऐसा होता है जिनकी अनजाने में अनदेखी हो जाती है। वास्तु दोष-विघ्न दूर करते हैं विनायक। जिस घर के मुख्य द्वार पर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा या तस्वीर होती है, वहां रहने वालों की दिनों-दिन उन्नति होती है। आम, पीपल और नीम से बनी श्रीगणेश की मूर्ति घर के मुख्य दरवाजे पर लगाएं। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है। घर के मुख्य द्वार पर चौखट के ऊपर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा या तस्वीर लगानी चाहिए। उनके आस-पास सिंदूर से उनकी दोनों पत्नियों के नाम रिद्धि-सिद्धि लिखने की परम्परा है। घर में पूजा के लिए भगवान श्रीगणेश की शयन या बैठी हुई मुद्रा में मूर्ति शुभ मानी जाती है। कार्यस्थल पर खड़ी हुई मुद्रा में भगवान श्रीगणेश की मूर्ति लगाएं। इससे स्फूर्ति और उमंग बनी रहती है। ध्यान रहे कि खड़े हुए श्रीगणेश जी के दोनों पैर जमीन को स्पर्श करते हुए हों। इससे कार्य में स्थिरता आती है। घर में भगवान श्रीगणेश का चित्र लगाते समय ध्यान रखें कि चित्र में मोदक या लड्डू और चूहा अवश्य होना चाहिए। घर में भगवान श्रीगणेश की ज्यादा मूर्तियां या तस्वीरें नहीं होनी चाहिए।

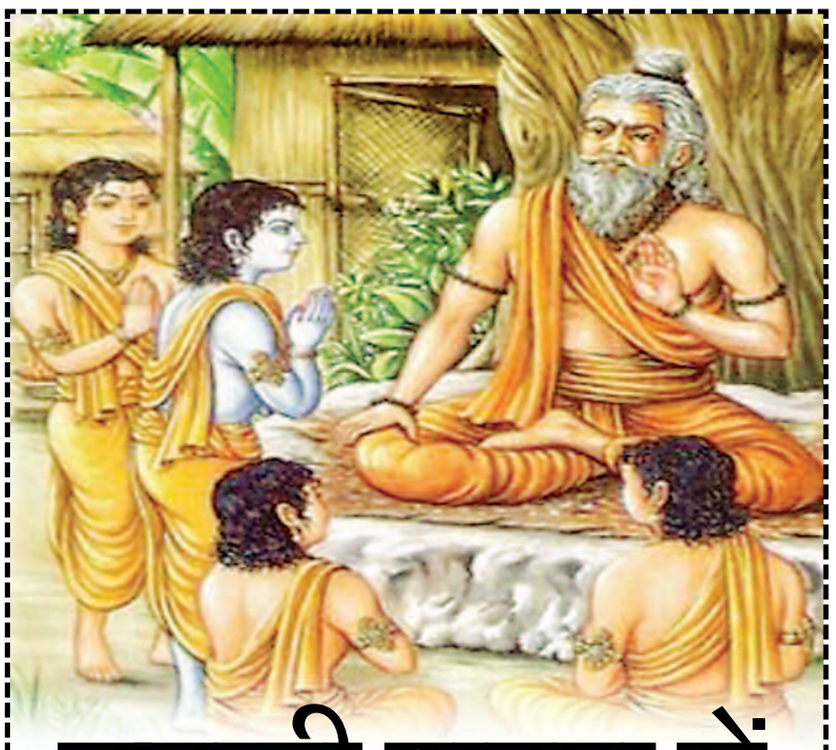

इनकी शरण में गए थे भगवान के ये अवतार

भगवद् गीता जी में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं, विगतेच्छा भय क्रोधो य : सदा मुक्त एव स : जो इच्छा, भय और क्रोध से रहित है वह सदा मुक्त ही है। इस उपरोक्त ज्ञान रूप तप से पवित्र होकर बहुत से भक्त भगवान के स्वरूप को प्राप्त कर चुके हैं। जो मनुष्य सदैव कामनाओं के अधीन रहता है उसमें सदैव भय व्याप्त रहता है। कामनाओं में विघ्न पड़ने से क्रोध उत्पन्न होता है और क्रोध से विवेक रूपी ज्ञान शक्ति का नाश होता है।

इसलिए हे अर्जुन। न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते इस संसार में ज्ञान के समान पवित्र करने वाला नि :संदेह कुछ भी नहीं है। भगवान के नाम का आश्रय लेने वाला सदैव भय मुक्त रहता है। असुरराज रावण, जिसे ब्रह्मा जी से वर प्राप्त था, भगवान शिव की जिस पर विशेष कृपा थी, समस्त देवतागण, नवग्रह जिसके अधीन थे। केवल भगवान श्री राम नाम का आश्रय लेकर ज्ञानियों में अग्रगण्य श्री हनुमान जी ने उसकी लंका को भस्मीभूत कर दिया। बाली पुत्र अंगद ने अपने प्रभु के नाम के बल पर ही रावण की सभा में बड़े-बड़े योद्धाओं को अपने पृथ्वी पर जमाए हुए पैर को हिलाने के लिए आमंत्रित किया। भय मुक्त अंगद के मुख पर जो आत्मविश्वास था, वह केवल भगवद् नाम की ही कृपा थी जिस कारण रावण सहित सभी योद्धाओं को अपमानित होना पड़ा था। जब तक मनुष्य के मन में भय समाया रहता है तब तक उसमें निश्चयात्मिका बुद्धि का अभाव रहता है। जब तक अर्जुन के मन में युद्ध के प्रति भय था, कि कहीं उसके हाथों अपने गुरुजनों का वध हो जाने से, अधर्म न हो जाए, वह इस निर्णय को लेने में अक्षम थे कि युद्ध करने, अथवा न करने में सही विकल्प कौन-सा है। भगवान की शरण प्राप्त करने से ही वह श्रेष्ठ निर्णय लेने में सफल रहे, जब उन्होंने स्वयं को भगवान का शिष्य मान लिया। शिष्यस्तेहं शाधि मां त्वां प्रपन्नम। इस प्रकार अर्जुन ने सभी प्रकार से भगवान की शरण प्राप्त कर ली।

मनुष्य जीवन में निर्णय-अनिर्णय की स्थिति सदैव बनी रहती है। विवेक शक्ति से युक्त होकर ही मनुष्य सही निर्णय का चुनाव करता है। भय से युक्त मन में विवेक शक्ति का अभाव होता है। मार्कण्डेय ऋषि मां भगवती से अभय प्रदान करने के लिए स्तुति करते हैं : सर्व स्वरूपे सर्वेशे सर्वशक्ति समन्विते। भयभयस्राहि नो देवि दुर्गे देवि नमोस्तुते। हे मां! आप सर्वस्वरूपा, सर्वेश्वरी, सभी शक्तियों से सम्पन्न हैं। आप मुझे भय से मुक्त करें। हे देवि! आपको नमस्कार है। मां आदि शक्ति सभी प्रकार के भय का नाश करने वाली है।

षोड वर्ष के बालक मार्कण्डेय ने मृत्यु को समीप जान, जब मृत्युंजय भगवान शिव जी की चंद्रशेखरमाश्रय मम किं करिष्यति वै यम : से स्तुति कर भगवान शिव को प्रसन्न कर न केवल आश्रय प्राप्त किया अपितु भगवान शिव से अमरत्व भी प्राप्त किया। भय नाम अंधकार का है। यह अंधकार अज्ञानता, अश्रद्धा और संशययुक्त बुद्धि से उत्पन्न होता है। इसी से जीव का नाश होता है।

योगी और भोगी दोनों को अंतिम समय का भय होता है परन्तु दोनों के भय में अंतर है। भोगी जीवन भर सांसारिक पदार्थों का संग्रह करता है ताकि बुढ़ापे के समय उसका जीवन कष्टमय न हो। योगी जीवन पर्यन्त यह अभ्यास करता है कि प्रयाण काल (शरीर छोड़ते समय) में उसकी चित्त वृत्ति परमात्मा में स्थिर रहे क्योंकि यह नियम है कि परमेश्वर के ध्यान के अभ्यास रूप योग से युक्त, दूसरी ओर न जाने वाले चित्त से निरंतर चिंतन करता हुआ मनुष्य परम प्रकाश रूप दिव्य पुरुष को अर्थात परमेश्वर को ही प्राप्त होता है। जटायु, बाली, भीष्म पितामह ने अंतिम समय में अपनी चित्त वृत्तियों को भगवान के श्रीमुख पर स्थिर कर परमधाम प्राप्त किया।

श्री राम चंद्र कृपालु भज मन।
हरण भव भय दारूणम

भगवान श्री राम अत्यंत कृपालु हैं तथा सांसारिक बंधनों के भय से मुक्त करने वाले हैं इसलिए हे मन। तू केवल उनका नाम ही भज।

वंदे विष्णुं

सभी लोकों के एकमात्र स्वामी भव भय हरने वाले भगवान विष्णु की हम वंदना करते हैं। उपरोक्त स्तुतियों में भय से मुक्ति हेतु ही भगवान की वंदना भक्तों द्वारा की जाती है। काक भुशुण्डि जी श्रीराम की कृपा से, भागवत प्रवक्ताओं में अग्रगण्य शुकदेव मुनि जी भगवान श्री कृष्ण जी की कृपा से ही निर्भय होकर इस संसार में विचरण करते हैं। माया के बंधन में बंधा जीव सदैव भय से युक्त रहता है। केवल भगवद् नाम का आश्रय ही जीव की बुद्धि को निर्भय बनाता है। उसके लिए आवश्यक है कि मनुष्य भगवान की दिव्य लीलाओं का स्वाध्याय करे अथवा श्रवण परायण होकर रसास्वादन करे। कलिकाल में केवल गोविंद नाम ही सब प्रकार के भय का नाश करने वाला है।

पीपल की पूजा का रहस्य

दधीचि पुत्र पिप्पलाद ने जब माता से अपने पिता की देवताओं द्वारा अस्थियां मांगे जाने और उनसे बने वज्र से अपने प्राण बचाने का पौराणिक विवरण सुना तो उनके मन में देवताओं के प्रति घृणा उपजी। मैं इनसे पिता को 'सताने' का बदला लूंगा। ऐसा संकल्प करके पिप्पलाद तप करने लगे। कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव प्रकट हुए और बोले, वर मांगो।

पिप्पलाद ने नमन किया और बोले, प्रभु! अगर आप मुझ पर प्रसन्न हैं तो कृपा करके अपना रौद्र रूप प्रकट कीजिए और इन देवताओं को जलाकर भस्म कर दीजिए। शिव यह अनुरोध सुन कर स्तब्ध रह गए, परंतु वचन तो पूरा करना ही था। देवताओं को जलाने के लिए तीसरा नेत्र खोलने का उपक्रम करने लगे। इस आरंभ की प्रथम परिणति यह हुई कि पिप्पलाद का रोम-रोम जलने लगा। वह चिल्लाए और बोले, प्रभु! यह क्या हो रहा है? देवता नहीं, उल्टा मैं ही जला जा रहा हूं। शिव ने कहा, देवता तुम्हारी देह में ही समाए हुए हैं। अवयवों की शक्ति उन्हीं की सामर्थ्य है। देव जलें और तुम अछूते बचे रहो यह तो संभव नहीं है। पिप्पलाद ने अपनी याचना वापस ले ली तो शिव ने कहा, देवताओं ने त्याग का अवसर देकर तुम्हारे पिता को कृत-कृत्य और तुम्हें गौरवान्वित किया है। मरण तो होता ही है, न तुम्हारे पिता बचते और न काल के ग्रास से वृत्रासुर बचा रहता। यश, गौरव प्राप्त करने का लाभ प्रदान करने के लिए देवताओं के प्रति कृतज्ञ होना ही उचित है। पिप्पलाद का भ्रम दूर हो गया। उनकी तपस्या आत्म-कल्याण की दिशा में मुड़ गई। पिप्पलाद को ही पीपल कहते हैं। उनके त्याग, साधना और परोपकार की भावना के कारण उन्हें पूजा जाने लगा। पीपल समस्त वृक्षों में सबसे पवित्र इसलिए माना गया है क्योंकि स्वयं भगवान श्रीहरि विष्णु पीपल में निवास करते हैं। श्रीमद् भागवत गीता में स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने अपने श्रीमुख से उच्चारित किया है कि,वृक्षों में मैं 'पीपल' हूं।

स्कंद पुराण के अनुसार पीपल के मूल (जड़) में विष्णु, तने में केशव, शाखाओं में नारायण, पत्तों में भगवान हरि और फलों में समस्त देवताओं से युक्त भगवान सदैव निवास करते हैं। ऑक्सीजन 'प्राण-वायु' कही जाती है। प्रत्येक जीवधारी ऑक्सीजन लेता है व कार्बन डाईआक्साइड छोड़ता है। ऑक्सीजन देने के अतिरिक्त पीपल में अनेक विशेषताएं हैं जैसे इसकी छाया सर्दी में गर्मी देती है और गर्मी में शीतलता देती है। इसके अतिरिक्त पीपल के पत्तों से स्पर्श करने से वायु में मिले संक्रामक वायरस नष्ट हो जाते हैं। इसकी छाल, पत्तों और फल आदि से अनेक प्रकार की रोगनाशक दवाएं बनती हैं। इस दृष्टि से भी पीपल पूजनीय है।

भगवान शिव ने कब, कहां और किसे दिया अमरत्व का वरदान

भारत विभिन्न संस्कृति और धर्मों का घर है। हमारे देश में भिन्न-भिन्न धर्मों को मानने वाले लोग रहते हैं। भारत के प्रसिद्ध धार्मिक पूजा स्थलों में से एक अमरनाथ धाम है। अमरनाथ हिंदुओं का प्रमुख तीर्थस्थल है। कश्मीर राज्य के उत्तर पूर्व से 135 हजार मीटर की दूरी पर अमरनाथ की गुफा स्थित है। अमरनाथ गुफा भगवान शिव के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। कहा जाता है कि इसी गुफा में भगवान शिव ने मां पार्वती को अमर कथा का रहस्य बताया था। एक बार पार्वती द्वारा अमर होने की कथा सुनने की जिद्द करने पर भगवान शिव पार्वती को अमर कथा सुनाने के लिए समुद्रतल से 13,600 फुट की ऊंचाई पर स्थित इस स्थान पर लाए। गुफा में प्रवेश करने से पहले भगवान शिव ने अपने गले में सुशोभित नाग और सिर पर सजे चांद को उतार दिया। ताकि माता पार्वती के अलावा कोई और कथा न सुन सके। यहां आकर उन्होंने माता पार्वती को कथा सुनानी आंरभ की लेकिन माता को कथा के मध्य में ही नींद आ गई। इस दौरान इस गुफा में कबूतरों के दो बच्चों ने जन्म लिया, जिन्होंने अमर कथा सुन अमरता प्राप्त की। जब शिव जी को यह ज्ञात हुआ तो वह क्रोधित हो गए और उन्हें मारने के लिए आगे बढ़े। तभी कबूतरों ने भगवान शिव को कहा कि अगर वे उन्हें मारेंगे तो अमर कथा झूठी साबित हो जाएगी। तब शिव जी ने अपने क्रोध को शांत कर उन्हें वरदान दिया कि युगों-युगों तक तुम दो कबूतरों का जोड़ा शिव-पार्वती का प्रतीक बन कर इस गुफा में निवास करेगा। उसी समय से यह स्थान अमरनाथ गुफा के नाम से प्रचलित हुआ। मान्यता है कि इन कबूतरों के दर्शन करने से शिव-पार्वती के दर्शनों जितना पुण्य मिलता है। इनके दर्शनों से वंचित रहने वाले हर व्यक्ति की यात्रा असफल मानी जाती है।

नए स्क्रैप नियमों से ऑटो उद्योग को 2026 में 25,000 करोड़ के नुकसान की आशंका

कंपनियों को पिछले दशकों के वाहनों की ईपीआर देनदारी के लिए करना होगा बड़ा बजटीय प्रावधान

नई दिल्ली।

भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग को वित्त वर्ष 2025-26 में 25,000 करोड़ का बड़ा वित्तीय झटका लग सकता है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा अधिसूचित पर्यावरण संरक्षण (उपयोग समाप्त हो चुके वाहन) नियमावली, 2025 में एक नए प्रावधान ने उद्योग की चिंता बढ़ा दी है, जिसके तहत वाहन निर्माताओं को अतीत में बेचे गए वाहनों के लिए विस्तारित उत्पादक जिम्मेदारी (ईपीआर) हेतु बजटीय प्रावधान करना होगा। उद्योग अधिकारियों के अनुसार यह समस्या जनवरी 2025 में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा अधिसूचित नियमावली के नियम 4 (6) से उपजी है। यह नियम कहता है कि यदि विनिर्माता अपना परिचालन बंद कर देता है, तो उसे परिचालन बंद होने तक बाजार में पहले से उपलब्ध कराए गए सभी वाहनों के संबंध में अपनी विस्तारित उत्पादक जिम्मेदारी (ईपीआर) का पालन करना होगा। यह प्रावधान शुरू में सीधा-सादा लग सकता था, लेकिन ऑडिटरों द्वारा इसकी गंभीरता की ओर इशारा करने पर वाहन विनिर्माता सकते में आ गए। एक प्रमुख उद्योग कार्यकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यह नियम लेखा मानक इंड एएस एएस 37 - प्रावधान, आकस्मिक देनदारियां और आकस्मिक संपत्ति को सीधे सक्रिय करता है। इसका सीधा अर्थ है कि वाहन निर्माताओं को पिछले 20 वर्षों में बेचे गए निजी वाहनों और 15 वर्षों में बेचे गए वाणिज्यिक वाहनों के लिए ईपीआर प्रमाणपत्रों की अनुमानित लागत हेतु बड़ा वित्तीय प्रावधान करना होगा। एक अन्य उद्योग अधिकारी ने स्पष्ट किया कि भले ही कंपनियों का बाजार से बाहर निकलने का कोई इरादा न हो, यह नियम उन्हें ऐसे प्रावधान करने पर मजबूर करेगा, जिससे बड़ी धनराशि फंस जाएगी और उनका लाभ बुरी तरह प्रभावित होगा। यह स्थिति उद्योग के वित्तीय स्वास्थ्य के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है। इस गंभीर चिंता को लेकर उद्योग निकाय सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने भी मंत्रालय के समक्ष अपनी बात रखी है। उद्योग के विशेषज्ञों का मानना है कि एक बार जब कंपनियों के बहीखातों में ये बड़े प्रावधान दर्ज हो जाएंगे, तो वित्त वर्ष 2025-26 में पूरे भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग का लाभ काफी कम हो जाएगा, जिससे क्षेत्र के विकास और निवेश पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

रेडिसन भारत में बढ़ाएगा होटल चेन, 2026 तक 160 का लक्ष्य

2030 तक 500 होटलों का लक्ष्य, मेट्रो शहरों में देखी जा रही हल्की सुस्ती

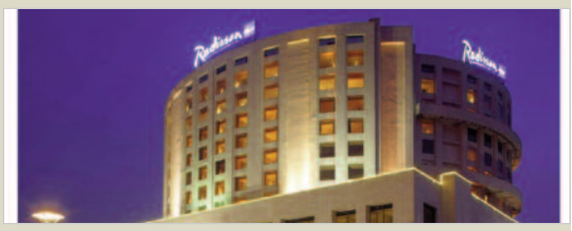

नई दिल्ली ।

वैश्विक आतिथ्य श्रृंखला रेडिसन होटल ग्रुप भारत में अपने परिचालन का तेजी से विस्तार करने की तैयारी में है। कंपनी ने दिसंबर 2026 तक देश में अपने परिचालन वाले होटलों की संख्या 157-160 तक और कमरों की संख्या 19,000-19,500 तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। समूह 2030 तक भारत में 500 होटलों के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। वर्तमान में रेडिसन भारत में 142 होटलों (17,000 कमरों) का संचालन करता है, जबकि 84 अन्य निर्माणाधीन हैं। कंपनी के दक्षिण एशिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य परिचालन अधिकारी के मुताबिक इस साल 18 और होटल खुलने से 2,000-2,500 अतिरिक्त कमरे जुड़ेंगे। मांग के माहौल पर उन्होंने पश्चिम एशिया संकट के मिश्रित प्रभावों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि प्रमुख शहरी बाजारों में कुछ सुस्ती देखी गई, लेकिन टियर-2 और टियर-3 शहरों पर इसका ज्यादा असर नहीं पड़ा। मार्च में कुछ चुनिंदा महानगरों में प्रति उपलब्ध कमरे के राजस्व में 27-28 प्रतिशत की गिरावट आई थी। सुधार का आकलन करने के लिए अप्रैल के रुझान महत्वपूर्ण होंगे।

विधानसभा चुनाव और कच्चा तेल इस सप्ताह बाजार की दिशा तय करेंगे

पांच राज्यों के चुनावी नतीजों पर रहेगी निवेशकों की पैनी नजर, तिमाही नतीजे भी बाजार को देंगे दिशा

मुंबई । इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों की दिशा मुख्य रूप से पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के नतीजों और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह अनुमान व्यक्त किया है कि ये दोनों कारक मिलकर निवेशकों की धारणा और बाजार की चाल पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालेंगे। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार इस सप्ताह शेयर बाजार में मुख्य रूप से दो बड़े घटनाक्रमों पर निवेशकों की नजर रहेगी - पहला, पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणाम और दूसरा, पश्चिम एशिया में तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव। सोमवार, 4 मई से पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी के पांच विधानसभा चुनावों के लिए मतों की गिनती शुरू होगी। एक बाजार विश्लेषक ने बताया कि सबसे तात्कालिक कारक इन चुनावों के परिणाम होंगे। निवेशक विशेष रूप से यह देखने में उत्सुक हैं कि क्या केंद्र में सत्ताधारी दल पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को चुनौती दे पाता है और उन राज्यों (केरल, तमिलनाडु) में सार्थक पैठ बना पाता है जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की इस समय सीमित उपस्थिति है। उन्होंने कहा कि कच्चा तेल सबसे महत्वपूर्ण व्यापक आर्थिक कारक बना हुआ है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास बढ़ते तनाव के बीच ब्रेंट तेल की कीमतें लगातार ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं, जिससे भारत जैसी आयात-निर्भर अर्थव्यवस्था के लिए मुद्रास्फीति का जोखिम बढ़ गया है। कच्चे तेल की लगातार ऊंची कीमतें रुपये पर दबाव डालती हैं और कॉर्पोरेट मार्जिन तथा राजकोषीय गतिशीलता पर भी असर डालती हैं। इसके अलावा कई महत्वपूर्ण व्यापक आर्थिक आंकड़े भी इस सप्ताह जारी होंगे, जिनमें एचएसबीसी विनिर्माण पीएमआई (4 मई), सेवा और कंपोजिट पीएमआई (6 मई) और विदेशी मुद्रा भंडार के आंकड़े (8 मई) शामिल हैं। अंबुजा सीमेंट्स, बीएचईएल, हीरो मोटोकॉर्प, महिंद्रा एंड महिंद्रा और बजाज ऑटो जैसी प्रमुख कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजे भी घोषित किए जाएंगे, जो निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होंगे।

सीआईएल-सैम को जयपुर मेट्रो से 918 करोड़ का ऑर्डर मिला

नई दिल्ली ।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की कंपनी सीगल इंडिया लिमिटेड के संयुक्त उद्यम सीआईएल-सैम इंडिया को जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेएमआरसी) से 918.04 करोड़ रुपये का एक महत्वपूर्ण ऑर्डर मिला है। यह अनुबंध जयपुर मेट्रो के फेज-2 विस्तार के डिजाइन और निर्माण कार्यों से संबंधित है। सीगल इंडिया ने रविवार को बताया कि उसके संयुक्त उद्यम सीआईएल-सैम इंडिया को यह ठेका दिया गया है। इसमें जयपुर मेट्रो फेज-2 के तहत 10.8 किलोमीटर के ऊंचे वायडक्ट और दस एलिवेटेड मेट्रो स्टेशनों का डिजाइन व निर्माण शामिल है। सीआईएल-एसएएम इंडिया में सीगल इंडिया की 74 फीसदी और सैम इंडिया बिल्टवेल प्राइवेट लिमिटेड की 26 फीसदी हिस्सेदारी है। परियोजना की कुल बोली लागत 918.04 करोड़ रुपए (18 फीसदी जीएसटी सहित) है, जिसे 34 महीने की समय सीमा में पूरा किया जाना है।

केंद्र की हरी झंडी, 37,500 करोड़ से कोयला गैसीकरण को मिलेगा बंपर प्रोत्साहन

स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन, आयात निर्भरता घटाने और आत्मनिर्भरता बढ़ाने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली।

द्रीय मंत्रिमंडल जल्द ही कोयला गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ी प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दे सकता है। सूत्रों ने बताया कि इस योजना का वित्तीय परिव्यय 37,500 करोड़ रुपये होगा, जिसका मुख्य उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देना और देश की आयात निर्भरता को कम करना है। सूत्रों के अनुसार, कोयला मंत्रालय ने इस योजना का कैबिनेट नोट पहले ही तैयार कर लिया है। प्रस्तावित योजना का मकसद देश भर में सतह कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं में तेजी लाना है। इसका लक्ष्य एलएनजी, यूरिया, अमोनियम नाइट्रेट, अमोनिया, कोकिंग कोल, मेथनॉल और डीएमई जैसी महत्वपूर्ण वस्तुओं पर आयात निर्भरता घटाकर आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही यह ईंधन और रसायनों के उत्पादन के लिए घरेलू कोयला और लिग्नाइट संसाधनों के उपयोग को बढ़ाएगा, जिससे 2030 तक 10 करोड़ टन कोयला गैसीकरण क्षमता के राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। यह एक एकीकृत योजना है जिसमें कोई श्रेणी नहीं है, और एक एकल परियोजना के लिए अधिकतम 3,000 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता का प्रावधान है। गौरतलब है कि पिछली प्रोत्साहन योजना में निजी क्षेत्र को अधिकतम 1,000 करोड़ रुपये और पीएसयू को 1,350 करोड़ रुपये प्रति परियोजना दिए जाते थे।

बीते सप्ताह खाद्य तेल बाजार में तेजी का रुख, सरसों-पाम ऑयल उछले, मूंगफली फिसली

सस्ती सरसों की मांग बढ़ी, औद्योगिक मांग से पाम तेल मजबूत, सरकार को स्टॉक बनाने की सलाह

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन मंडियों में सरसों तेल-तिलहन, सोयाबीन तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) और बिनौला तेल के दाम में सुधार देखा गया। सस्ते भाव और बढ़ी मांग के चलते यह तेजी आई। हालांकि, ऊंचे भाव के कारण मूंगफली तेल-तिलहन में गिरावट दर्ज की गई, जबकि सोयाबीन तेल स्थिर रहा। बाजार सूत्रों के अनुसार सोयाबीन तेल से सस्ता होने के कारण सरसों तेल की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है, खासकर कम आय वर्ग में। समीक्षाधीन सप्ताह में आवक कम रहने से सरसों तेल-तिलहन के दाम सुधर गए। हालांकि, विशेषज्ञों ने बढ़ती खपत पर चिंता जताते हुए सरकार को सरसों का बफर स्टॉक बनाने की सलाह दी है, ताकि भविष्य में कमी से बचा जा सके। सटोरियों की सक्रियता पर भी नजर रखने को कहा गया है। सोयाबीन तिलहन में डी-आयल्ड केक (डीओसी) की मांग बढ़ने से सुधार आया, लेकिन आयातकों द्वारा लागत से नीचे बिकवाली के कारण सोयाबीन तेल स्थिर रहा। दूसरी ओर, ऊंचे दामों के कारण मूंगफली तेल-तिलहन में गिरावट दर्ज हुई। सरकार को मूंगफली और सोयाबीन का भी स्टॉक बनाने की सलाह दी गई है। सरकार द्वारा आयात शुल्क मूल्य में वृद्धि और गर्मियों में औद्योगिक मांग बढ़ने से कच्चा पामतेल और पामोलीन के दाम भी बढ़े। उपलब्धता कम रहने के बीच बिनौला तेल के दाम में भी सुधार आया। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 160 रुपये के सुधार के साथ 7,000-7,025 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 14,350 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 25-25 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,400-2,500 रुपये और 2,400-2,545 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 375-375 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 6,525-6,575 रुपये और 6,175-6,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर मांग की कमी और आयातित सोयाबीन डीगम तेल की लागत से कम दाम पर बिकवाली होने के बीच, दिल्ली में सोयाबीन तेल 16,000 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 15,850 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 12,550 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए।दूसरी ओर, मूंगफली तिलहन का दाम 100 रुपये की गिरावट के साथ 6,650-7,125 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 250 रुपये की गिरावट के साथ 15,750 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 30 रुपये की गिरावट के साथ 2,500-2,800 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 225 रुपये के सुधार के साथ 13,650 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 100 रुपये बढ़कर 15,450 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 150 रुपये की मजबूती के साथ 14,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

सुधार के आम रुख के अनुरूप, बिनौला तेल का दाम 150 रुपये के सुधार के साथ 15,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

शीर्ष 10 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.20 लाख करोड़ बढ़ा

भारती एयरटेल, टीसीएस और बजाज फाइनेंस को फायदा, जबकि कई बैंकों को हुआ नुकसान

मुंबई ।

छुट्टियों के चलते कम कारोबारी सत्रों वाला पिछला सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए मिली-जुली तस्वीर लेकर आया। जहां एक ओर बीएसई सेंसेक्स ने मामूली बढ़त दर्ज की, वहीं देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार के बाजार मूल्यांकन में भारी उछाल दर्ज किया गया। इन चार कंपनियों ने संयुक्त रूप से 2.20 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बाजार पूंजीकरण जोड़ा, जिसमें दिग्गज रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे बड़ी लाभार्थी बनकर उभरी। हालांकि, बैंकिंग और कुछ अन्य प्रमुख क्षेत्रों की छह कंपनियों को सामूहिक रूप से 1.24 लाख करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। पिछले सप्ताह छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों के बावजूद देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार के संयुक्त बाजार मूल्यांकन में 2.20 लाख करोड़ रुपये का भारी उछाल दर्ज किया गया। इस अवधि में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक लाभ में रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन अकेले 1,39,655.8 करोड़ रुपये बढ़कर 19,36,303.30 करोड़ रुपये पर पहुँच गया, जिससे यह देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही।

भारती एयरटेल ने भी शानदार प्रदर्शन किया, जिसका मूल्यांकन 43,503.51 करोड़ रुपये बढ़कर 11,49,222.13 करोड़ रुपये हो गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और बजाज फाइनेंस भी लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल रहे, जिससे इन चार कंपनियों के संयुक्त मूल्यांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। हालांकि, सभी कंपनियों के लिए यह सप्ताह फायदेमंद नहीं रहा। दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), आईसीआईसीआई बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मूल्यांकन में कुल मिलाकर 1.24 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई। आईसीआईसीआई बैंक को सर्वाधिक 45,364.62 करोड़

रुपये का नुकसान हुआ, जिससे इसका बाजार पूंजीकरण घटकर 9,04,980.78 करोड़ रुपये रह गया, जबकि एसबीआई का मूल्यांकन 30,922.57 करोड़ रुपये गिरकर 9,85,829.96 करोड़ रुपये पर आ गया। वर्तमान में रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है, जिसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल और भारतीय स्टेट बैंक का स्थान आता है।

डी-मार्ट का मुनाफा 19 प्रतिशत बढ़कर 656.42 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2025-26 की मार्च तिमाही में खुदरा श्रृंखला डी-मार्ट का स्वामित्व और संचालन करने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड का मुनाफा सालाना आधार पर 19.17 प्रतिशत बढ़कर 656.42 करोड़ रुपये हो गया। एवेन्यू सुपरमार्ट्स ने शेयर बाजार को बताया कि उसने एक साल पहले की जनवरी-मार्च तिमाही में 550.79 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान परिचालन से राजस्व 18.9 प्रतिशत बढ़कर 17,683.86 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह आंकड़ा 14,871.86 करोड़ रुपये था। कंपनी ने अपने तिमाही नतीजों में बताया था कि वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में कर पश्चात लाभ (पीटीए) मार्जिन 3.7 प्रतिशत रहा, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में यह 3.7 प्रतिशत था।÷मार्च तिमाही में एवेन्यू सुपरमार्ट्स का कुल खर्च 18.5 प्रतिशत बढ़कर 16,797.86 करोड़ रुपये रहा।

मारुति सुजुकी की रिकॉर्ड बिक्री बाजार हिस्सेदारी 42 फीसदी पहुंची

अप्रैल में 1.91 लाख से अधिक वाहनों की बिक्री

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता मारुति सुजुकी इंडिया ने नए वित्त वर्ष 2026-27 की शुरुआत दमदार तरीके से की है। कंपनी ने अप्रैल में रिकॉर्ड 1,91,122 इकाइयों की घरेलू बिक्री दर्ज करते हुए अपनी बाजार हिस्सेदारी को पिछले वित्त वर्ष के 39 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत कर लिया है। उद्योग के अनुमानों के मुताबिक, अप्रैल महीने में कंपनी ने अपनी बाजार हिस्सेदारी में लगभग तीन प्रतिशत अंकों की वृद्धि दर्ज की है। यह वृद्धि कंपनी की यात्री कारों के साथ-साथ एसयूवी सेगमेंट के महत्वपूर्ण योगदान से संभव हुई है। मारुति सुजुकी के एक वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि इस प्रदर्शन के साथ कंपनी ने नए वित्त वर्ष की शानदार शुरुआत की है और बाजार हिस्सेदारी भी हासिल की है। अप्रैल में यात्री कारों की बिक्री 96,725 इकाई रही, जबकि एसयूवी सेगमेंट ने 55,065 इकाइयों की अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष की तुलना में

141.6 प्रतिशत अधिक है। कंपनी एसयूवी बाजार में भी शीर्ष स्थान के करीब पहुंच गई है। इससे पहले कंपनी की सर्वाधिक घरेलू बिक्री दिसंबर 2025 में 1,82,165 इकाई थी।

एनपीएस में बड़ा बदलाव, जुलाई 2026 से जेब पर बढ़ेगा बोझ, जानें नए चार्ज नियम

टियर-2, डॉर्मेंट खातों और विभिन्न निवेश स्कीम्स पर पड़ेगा सीधा असर

नई दिल्ली ।

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) में निवेश करने वाले करोड़ों सब्सक्राइबर्स के लिए एक महत्वपूर्ण खबर है। पेंशन फंड रेगुलेटर पीएफआरडीए ने एनपीएस खातों पर लगने वाले सालाना मेंटेनेंस चार्ज (एएमसी) में बदलाव की घोषणा की है, जो जुलाई 2026 से लागू होंगे। 29 अप्रैल को जारी इस सर्कुलर का मकसद शुल्कों में एकरूपता लाना और मौजूदा विसंगतियों को दूर करना है।

इन नए नियमों का सीधा असर आपके टियर-1, टियर-2 और निष्क्रिय (डॉर्मेंट) खातों पर पड़ेगा, जिससे आपकी रिटायरमेंट प्लानिंग की लागत में बदलाव आ सकता है। टियर-1 और टियर-2 खाते हुए बराबर एनपीएस सब्सक्राइबर्स के लिए एक अहम बदलाव टियर-2 खातों से संबंधित है। अब तक टियर-1 और टियर-2 खातों के मेंटेनेंस चार्जेस में अंतर था, लेकिन पीएफआरडीए ने अब इन्हें एक समान कर दिया है। इसका अर्थ है कि टियर-2 खाते पर भी वही सालाना मेंटेनेंस चार्ज लगेगा जो उसी सेक्टर के टियर-1 खाते पर लागू होता है। यह उन निवेशकों के लिए मायने रखता है जो टियर-2 को बचत के एक लचीले विकल्प के तौर पर देखते थे, क्योंकि अब इसकी लागत बढ़ जाएगी। हालांकि, छोटे निवेशकों को राहत देते हुए, अगर किसी तिमाही के अंत में टियर-2 खाते का बैलेंस 1,000 रुपये या उससे कम है, तो कोई मेंटेनेंस चार्ज नहीं लिया जाएगा। हर स्कीम पर अलग चार्ज इसके अलावा पीएफआरडीए ने स्पष्ट किया है कि एक ही पीआरएएन (परमानेंट रिटायरमेंट अकाउंट नंबर) के तहत हर पेंशन स्कीम को अब एक अलग खाता माना जाएगा। इसका मतलब है कि यदि आपने इक्विटी, कॉर्पोरेट बॉन्ड और सरकारी सिक्योरिटी जैसी विभिन्न स्कीम्स में पैसा लगाया है, तो हर स्कीम पर अलग से मेंटेनेंस चार्ज लग सकता है। इससे उन निवेशकों की कुल लागत बढ़ सकती है जिन्होंने अपने निवेश को कई स्कीम्स में बांट रखा है।

एलपीजी की महंगाई का झटका, दिल्ली के खाने का स्वाद होगा महंगा

- दिल्ली के फूड वेंडर्स बेहाल, रेस्टोरेंट्स रेट बढ़ाने की तैयारी में! छंटनी का भी खतरा

नई दिल्ली ।

दिल्ली के लजीज पकवानों का स्वाद अब महंगा होने वाला है। वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हुई रिकॉर्ड 50 प्रतिशत की वृद्धि ने शहर के होटल और रेस्टोरेंट उद्योग को गहरे संकट में डाल दिया है। इस अप्रत्याशित बढ़ोतरी के चलते कारोबारियों ने मेन्यू कार्ड के दाम बढ़ाने की चेतावनी दी है, जिससे आम आदमी की जेब पर सीधा असर पड़ेगा। राजधानी के खाद्य व्यापार पर इस वक्त एक तरह का आर्थिक शॉक लगा है, जिसने तंदूर की आंच से ज्यादा व्यापारियों के माथे पर चिंता की लकीरें गरम कर दी हैं। 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में एक ही बार में 993 रुपये का इजाफा हुआ है, यह बीते तीन महीनों में तीसरी बढ़ोतरी है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार में अस्थिरता इसका मुख्य कारण है। नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया का कहना है कि उद्योग पहले से ही बढ़ती लागत से जूझ रहा था, ऊपर से इस भारी इजाफे ने कमर तोड़ दी है। उन्होंने बताया कि बाजार में गैस सिलेंडरों की भारी कमी और कालाबाजारी की खबरें हैं। जो सिलेंडर पहले 1,300-1,600 रुपये में मिलते थे, अब खुले बाजार में 3,000-4,000 रुपये में बिक रहे हैं। एक मध्यम आकार का रेस्टोरेंट प्रतिदिन 2 से 5 सिलेंडर का उपयोग करता है, जिससे दैनिक परिचालन लागत हजारों रुपये बढ़ गई है। यदि यही स्थिति बनी रही, तो छोटे ढाबे और रेस्टोरेंट बंद होने के कगार पर होंगे, साथ ही बड़े पैमाने पर छंटनी का खतरा भी है।

एक सप्ताह में 24 कैरेट सोना 2,960 और 22 कैरेट 2,850 तक लुढ़का

नई दिल्ली ।

देश के सर्राफा बाजार में इस सप्ताह सोने की कीमतों में जोरदार गिरावट दर्ज की गई है, जिसने शादी-ब्याह के सीजन में खरीदारी करने वालों को बड़ी राहत पहुंचाई है। पिछले एक हफ्ते में 24 कैरेट सोना 2,960 रुपए प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है, जबकि 22 कैरेट सोने के दाम में 2,850 रुपए और 18 कैरेट सोने की कीमत में 2,180 रुपए की कमी दर्ज की गई है। इस गिरावट के चलते अब सोना खरीदना पहले से अधिक किफायती हो गया है। रे विवार 3 मई को राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,51,230 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है, वहीं 22 कैरेट 1,38,500 और 18 कैरेट 1,13,500 रुपए प्रति 10 ग्राम बिक रहा है। मुंबई, कोलकाता और रायपुर जैसे प्रमुख शहरों में 24 कैरेट सोना 1,50,930 प्रति 10 ग्राम उपलब्ध है, जबकि 22 कैरेट 1,38,350 पर मिल रहा है। हालांकि, चेन्नई में 24 कैरेट सोने का भाव सर्वाधिक 1,52,730 प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया है। अहमदाबाद और भोपाल में 24 कैरेट सोना 1,51,030 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है। बाजार में यह गिरावट हाल की अस्थिरता के बाद आई है। इससे पहले 30 अप्रैल को दिल्ली में 24 कैरेट सोने

की कीमत में करीब 2,000 रुपए की तेजी दर्ज की गई थी, जिसके बाद सोना 1,54,800 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया था। शुक्रवार को मजदूर दिवस और बुद्ध पूर्णिमा के कारण सर्राफा बाजार बंद रहने से कीमतों में स्थिरता बनी रही।

कोच जयवर्धने ने बुमराह, सूर्यकुमार सहित सीनियर खिलाड़ियों का बचाव किया

चेन्नई ।
आईपीएल के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और उसे लगातार हार झेलने पड़ी है। सीएसके के खिलाफ अहम मैच में भी टीम हार गयी। इससे उसके प्लेऑफ में पहुंचने की राह तकरीब बंद हो गयी है। टीम के खराब प्रदर्शन का कारण स्टार खिलाड़ियों का असफल होना भी रहा है, जिससे वे प्रशंसकों के निशाने पर है हालांकि टीम के मुख्य कोच मेहेला जयवर्धने टीम के शीर्ष खिलाड़ियों का बचाव करते हुए कहा कि टीम की हार के लिए जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव जैसे स्टार खिलाड़ियों को दोष देना गलत है। साथ ही कहा कि फार्म हासिल करने के लिए इन खिलाड़ियों के लिए एक ही मैच भी पर्याप्त है। इस सत्र में मुम्बई 9 में से 7 मैच हारकर टीम अंक तालिकाा में 8वें पायदान पर है। उसे सीएसके के खिलाफ मैच में भी हार झेलनी पड़ी है। इसके बाद से सोशल मीडिया पर सवाल उठ रहे हैं। प्रशंसक जानना चाहते हैं कि आखिर क्यों फ्रेंचाइजी अपने शीर्ष खिलाड़ियों बुमराह, सूर्यकुमार और तिलक वर्मा से अच्छा प्रदर्शन नहीं ले पा रही है। इसी को लकर जयवर्धने ने इन खिलाड़ियों का बचाव किया है।

आईपीएल में आज होगा मुम्बई इंडियंस और सुपर जायंट्स में मुकाबला

मुंबई ।

मुम्बइ इंडियंस आईपीएल में सोमवार को अपने घरेलू मैदान वानखेड़े स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स से मुकाबला करेगी। मुंबई इंडियंस का लक्ष्य इस मैच को बड़े अंतर से जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखना रहेगा। मुम्बई अभी नौवे नंबर पर है और उसके केवल चार अंक हैं। मुम्बई अभी अंक तालिका में नौवें स्थान पर है, जिसने नौ मैचों में से सिर्फ दो में जीत हासिल की है।

उसके लिए जीत हालांकि आसान नहीं होगी क्योंकि पिछले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से टीम को 8 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था जिससे वह दबाव में है। उसके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें तभी बनी रहेंगी जब वह बचे हुए सभी मैच बड़े अंतर से जीते।

मुम्बई के लिए ये आसन नहीं होगा उसके बल्लेबाजसूर्यकुमार यादव फार्म में नहीं है, तिलका वर्मा का प्रदर्शन ही केवल अच्छा रहा है। कप्तान हार्दिक पंड्या भी गेंद औ बल्ले दोनो से ही विफल रहे है। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो जसप्रीत बुमराह भी फ्लॉप साबित हुए हैं जिससे टीम बड़े स्कोर का भी बचाव नहीं कर पा रही।

वहीं दूसरी ओर इस बीच, सुपरजायंट्स की टीम आठ मैचों में दो जीत के साथ ही अंक तालिका में सबसे नीचे है। अब टीम का लक्ष्य किसी प्रकार ये मैच जीतकर अपनी प्लेऑफ की संभावनाएं बनाये रखने पर रहेंगी। उसके लिए ये आसान नहीं रहेगा क्योंकि टीम की बल्लेबाज और गेंदबाजी अब तक विफल रही है। आंकड़ों की बात करें तो दोनो ही टीमों के बीच अब तक 8 मुकाबले हुए हैं जिसमें से मुम्बई ने 2 जबकि लखनऊ ने 6 जीते हैं। दोनो की ही संभावित टीमें इस प्रकार हैं मुंबई इंडियंस- हार्दिक पंड्या (कप्तान), विल जैक, रयान रिकेलटन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार

यादव, नमन धीर, तिलक वर्मा, रॉबिन मिंज, ट्रेंट बोल्ट, कृष भगत, जसप्रीत बुमराह, एएम गजनफर। इम्पैक्ट प्लेयर- शार्दुल ठाकुर लखनऊ सुपर जायंट्स- ऋषभ पंत (कप्तान/विकेटकीपर), मुकुल चौधरी, जोश इंग्लिस, आयुष बडोनी, मिशेल मार्श, एडेन मार्कराम, जॉर्ज लिंडे, दिग्वेश सिंह राठी, प्रिंस यादव, मोहम्मद शमी, मोहसिन खान
इम्पैक्ट प्लेयर- हिम्मत सिंह

आईपीएल सीएसके मुम्बई को सबसे अधिक बार हराने वाली पहली टीम बनी

चेन्नई ।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में यहां मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिली जीत के साथ ही एक बड़ा रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया है। अब सीएसके की टीम मुंबई इंडियंस को 20 वीं बार हराने वाली पहली टीम बन गयी है। दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 41 आईपीएल मैच खेले गए हैं, जिसमें से सीएसके ने 20 में जीत हासिल की है, जबकि मुंबई इंडियंस ने 21 मैचों जीत हासिल की है। मुंबई के खिलाफ सर्वाधिक जीत दर्ज करने वाली टीमों की सूची में चेन्नई के बाद पंजाब किंग्स का नाम आता है, जिसने 35 मैचों में 17 जीत दर्ज की हैं, जिसमें एक सुपर ओवर की जीत भी शामिल है। इस जीत ने चेन्नई सुपर किंग्स को आईपीएल अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंचा दिया है। अब नौ मैचों में 8 अंकों के साथ ही सीएसके प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है।

अगर वह अपने बचे हुए पांच मैचों में से चार में जीत हासिल कर लेते हैं, तो उनके लिए प्लेऑफ की राह बन सकती है। वहीं मुंबई इंडियंस को इस हार से करारा झटका लगा है। वह अब नौवें स्थान पर बनी हुई है। आईपीएल 2024 में खेले गए नौ मैचों में से उसे केवल सिर्फ दो में जीत मिली है। इससे अब उसके

शीर्ष-4 में पहुंचने की उम्मीदें लगभग खत्म हो गई हैं। अगर मुंबई इंडियंस अपने बाकी बचे सभी पांच मैच भी जीत जाती है, तो लीग स्टेज के अंत में उनके पास केवल 14 अंक होंगे। हालांकि, पिछले चार आईपीएल सीजन के आंकड़ों पर गौर करें तो सिर्फ एक बार ऐसा हुआ है जब किसी टीम ने लीग स्टेज में 14 अंक लेकर प्लेऑफ में जगह बनाई हो।

भारतीय टीम शायद ही बांग्लादेश दौरे पर जाये - सैकिया

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का बांग्लादेश दौरा संकट में पड़ता नजर आ रहा है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया के बांग्लादेश दौरे को लेकर ताजा बयान से ये ही संकेत मिले हैं। सैकिय ने कहा, आईपीएल के बाद हमारा घरेलू शेड्यूल काफी व्यस्त है। अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज है, उसके बाद इंग्लैंड का दौरा है। इस दौरे के बाद हम सत्र के बाकी हिस्से पर विचार करेंगे।

बीसीसीआई सचिव के इस बयान को भारतीय टीम के आगामी व्यस्त कार्यक्रम से और बल मिलता है। आईपीएल 2026 के 31 मई को समाप्त होने के बाद, भारत का शेड्यूल इस प्रकार है- 6 से 10 जून तक मोहाली में अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट। इसके बाद 14 से 20 जून के बीच धर्मशाला, लखनऊ और चेन्नई में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज होगी। फिर टीम इंडिया जून के अंत में आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच और 1 से 19 जुलाई तक इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 और तीन एकदिवसीय मैच खेलने के लिए इंग्लैंड एगी। इंग्लैंड में व्हाइट-बॉल सीरीज के बाद, भारत 23 से 26 जुलाई तक जिम्बाब्वे में तीन टी20 मैच खेलेगा। भारत का घरेलू सीजन 27 सितंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन एकदिवसीय और पांच टी20 मैचों की सीरीज से शुरू होगा, और इससे पहले श्रीलंका दौरे पर भी जाने की संभावना है।

यह स्पष्ट है कि भारतीय टीम का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है, और ऐसे में बांग्लादेश के साथ सीरीज के लिए समय निकाल पाना एक बड़ी चुनौती होगी। इससे साफ है कि जिस प्रकार बांग्लादेश बोर्ड ने बीसीसीआई से संबंध खराब किये थे। उसे अब उनकी कीमत अदा करनी पड़ेगी।

राजस्थान रॉयल्स को त्तलसमूह और अदार पूनावाला ने 13,750 करोड़ रुपये में खरीदा

मुम्बई ।

आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स का मालिकाना अधिकार अब स्टील किंग के नाम से लोकप्रिय लक्ष्मी निवास मित्तल, उनके बेटे आदित्य मित्तल और वैक्सीन निर्माता अदार पूनावाला समूह को मिला है। मित्तल और पूनावाला ने इस फ्रेंचाइजी और इसकी सहयोगी टीमों का अधिग्रहण किया है। यह सौदा लगभग 1.65 अरब डॉलर (लगभग 13,750 करोड़ रुपये) में हुआ है, जिससे टीम को एक नया मालिक मिला है।

इससे पहले अमेरिका के एक भारतीय मूल के कारोबारी काल सोमानी ने 1.63 अरब डॉलर (15,290 करोड़ रुपये) में रॉयल्स को खरीदने के लिए सौदा किया था पर धन जुटाने के साथ ही नियामक अनिश्चितताओं और अन्य बाधाओं के कारण यह करार पूरा नहीं हो पाया। इससे अब मित्तल परिवार और अदार पूनावाला रॉयल्स को खरीदे सामने आये।

इस सौदे के 2026 की तीसरी तिमाही तक पूरा होने की उम्मीद है।

इसके लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई), भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) और आईपीएल गवर्निंग कार्उसिल की मंजूरी मिलना जरुरी रहेगा। नये मालिकाना ढांचे के तहत मित्तल परिवार के पास टीम की लगभग 75 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी, जबकि अदार पूनावाला के पास लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा रहेगा। वहीं वर्तमान मालिक मनोज बडाले सहित मौजूदा निवेशक शेष हिस्सेदारी अपने पास रखेंगे।

नए बोर्ड में लक्ष्मी मित्तल, आदित्य मित्तल, वनीशा मित्तल-भाटिया, अदार पूनावाला और मनोज बडाले शामिल होंगे। मनोज बडाले, जिन्होंने 2008 में मात्र 67 मिलियन डॉलर में टीम खरीदी थी, अब एक सलाहकार की भूमिका में टीम से जुड़े रहेंगे।

इस अधिग्रहण पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए लक्ष्मी एन मित्तल ने कहा कि उन्हें क्रिकेट से बेहद प्यार है और उनका परिवार राजस्थान से जुड़ा है, ऐसे में राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा बनकर वे बहुत खुश हैं। उन्होंने बताया कि वे बचपन से क्रिकेट खेलते और इस खेल को देखते आ रहे हैं।

वहीं आदित्य मित्तल ने भी आईपीएल टीम का हिस्सा बनने पर अपनी खुशी व्यक्त की है जबकि अदार पूनावाला, जिन्होंने

पहले आरसीबी (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु) के लिए बोली लगाई थी, उन्होंने आदित्य मित्तल के साथ साझेदारी करने पर प्रसन्नता जताई। पूनावाला ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स एक शानदार आईपीएल टीम है और वे इसकी भविष्य की तरक्की में अपना योगदान देने के लिए उत्सुक हैं।

टी20 विश्व कप टीम के लिए टीम चयन से संतुष्ट हैं हरमनप्रीत अमनजोत की कमी खलेगी

मुम्बई ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि आईसीसी टी20 विश्कप के लिए जो टीम उन्हें मिली है। वह अच्छी टीम है और अब उनका लक्ष्य टी20 विश्व कप 2026 जीतना रहेगा। विश्वकप 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में शुरु हो रहा है। हरमनप्रीत ने कहा कि पिछले साल एकदिवसीय विश्वकप में मिली जीत से प्रेरित होकर उनकी टीम इस बार भी बेहतर प्रदर्शन करेगी। भारतीय टीम ग्रुप ए में है और विश्वकप में अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से करेगी। इस ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, नीदरलैंड्स और दक्षिण अफ्रीका जैसी काफी अच्छी टीमें भी शामिल हैं।

हरमनप्रीत ने टीम की घोषणा के बाद कहा, मैं निश्चित रूप से इस टीम को जीत का प्रबल दावेदार मानती हूं। आज हमने जिस टीम को चुना है, उसमें चैंपियन बनने की पूरी क्षमता है। किसी पर कोई दबाव नहीं, कोई अति-आत्मविश्वास नहीं। टी20 क्रिकेट का मतलब सिर्फ अच्छा क्रिकेट खेलना है।

इस टीम के चयन में सबसे बड़ी चुनौती ऑलराउंडर अमनजोत कौर की अनुपस्थिति रही, जो पिछले कुछ महीनों से क्रिकेट से दूर हैं। हरमनप्रीत ने कहा कि ये एक बड़ा झटका बताया क्योंकि इस खिलाड़ी का विकल्प तलाशना बेहद कठिन हालांकि, टीम संतुलन बनाए रखने के लिए अनुभवी स्पिनर राधा यादव को टीम में शामिल किया गया है।

राधा ने हाल के महीनों में इंडिया ए टीम के साथ खेलते हुए प्रभावी प्रदर्शन किया था। हरमनप्रीत ने कहा, अमनजोत हमारी एक अहम खिलाड़ी हैं, लेकिन वह अभी उपलब्ध नहीं हैं। वह पिछले 4-5 महीनों से क्रिकेट से दूर हैं। उनकी जैसी खिलाड़ी ढूंढना मुश्किल था पर हम कोशिश कर रहे हैं। हमने राधा को टीम में वापस बुलाया है, वह भी एक ऑलराउंडर हैं।

वहीं इसके अलावा हरलीन देओल के स्थान पर भारती फुलमाली को शामिल किया गया है। टीम ने मध्यक्रम में अधिक आक्रामक बल्लेबाजी के लिए भारती को अवसर दिया है। हरमनप्रीत ने कहा कि टी20 मे मध्यक्रम की जरुरतों को देखते हुए ही भारती को शामिल करना अधिक सही रहेगा। हरलीन हालांकि अभी भी टेस्ट टीम का हिस्सा बनी हुइ हैं।

हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज हारने के बावजूद, कप्तान का ध्यान खेल के महत्वपूर्ण चरणों में अपनी रणनीति को सही ढंग से लागू करने पर है। उन्होंने टी20 में पावरप्ले की भूमिका को अहम बताया, जहाँ बल्लेबाजी करते हुए अधिकतम रन बनाना और गेंदबाजी करते हुए विकेट लेना महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा, हम पावरप्ले और मिडिल-ओवर्स, दोनों के लिए कड़ी मेहनत करना चाहते हैं, क्योंकि ये भी खेल में बड़ी भूमिका निभाते हैं। हमारे पास एक योजना है और हमने दक्षिण अफ्रीका के दौरे से जो कुछ भी सीखा है, उसे हम यहां लागू करेंगे। हरमनप्रीत ने टीम चयन में निरंतरता बनाए रखने पर भी जोर दिया और जेमिमा रोड्रिग्स जैसी खिलाड़ियों का समर्थन करते हुए कहा कि वे आगे भी अच्छा प्रदर्शन करती रहेंगी।

अब प्लेऑफ में पहुंचने मुम्बई इंडियंस को खेल से अधिक चमत्कार की जरुरत

मुम्बई ।

आईपीएल के 19 सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिली आठ विकेट की करारी हार से मुम्बई इंडियंस की टीम को एक और बड़ा झटका लगा है।

इससे अब टीम के पलेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं भी तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। ऐसे में प्रशंसक ये जानना चाहते हैं कि क्या टीम की अब भी कोई संभावना बची है तो उसका जवाब है कि ये राह बेहद कठिन ओर संशयपूर्ण है।

इस हार के बाद अब टीम को प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए किसी चमत्कार और अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भरता की जरूरत है। यह मौजूदा सीजन में मुंबई इंडियंस की नौ मैचों में सातवीं हार थी, जिसने वह अंक तालिका में नौवे स्थान पर फिसल गयी है।

इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, प्लेऑफ के लिए उनका गणितीय समीकरण बेहद कठिन हो गया है। यदि मुंबई इंडियंस अपने बाकी बचे सभी पांचों मैच जीत भी लेती है, तब भी वे लीग चरण में उसके अधिकतम 14 अंकों ही हो पाएंग। ऐसे में आईपीएल के 10-टीम फॉर्मेट में 14 अंक के साथ शीर्ष 4 में जगह बनाना संभव नहीं है। इसलिए, मुंबई को न केवल अपने सभी मैच जीतने होंगे, बल्कि उन्हें यह भी उम्मीद करनी होगी कि कोई अन्य टीम 14 अंकों के साथ बेहतर नेट रन रेट के साथ उनसे आगे न निकले। मुंबई इंडियंस के लिए आने वाले दिन किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं हैं।

उनका अगला मुकाबला 4 मई को अपने घरेलू मैदान वानखेड़े में लखनऊ सुपरजायंट्स से है, जो उनके लिए 'करो या मरो' की स्थिति है।

यदि वे यह मैच हार जाते हैं, तो वे आधिकारिक तौर पर आईपीएल 2024 प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम बन सकते हैं। लखनऊ के बाद उनका सफर और भी कठिन होने वाला है। 10 मई को उन्हें मौजूदा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना करना है, जिनसे वे इस सीजन में पहले ही 18 रनों से हार चुके हैं।

इसके बाद, मुंबई को अपने अंतिम तीन मैचों में 14 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ धर्मशाला में, 20 मई को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ ईडन गार्डन्स में, और 24 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर खेलना है। इन मैचों में कप्तान हार्दिक पंड्या और उनकी टीम जीत पाती है या नहीं ये देखना होगा।

साइ ने राष्ट्रीय शिविर से करीब 40 मुक्केबाजों का नाम हटाया

चयन ट्रायल में भाग नहीं ले सकेंगे

नई दिल्ली । भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने राष्ट्रीय शिविर से करीब 40 मुक्केबाजों के नाम हटा दिये हैं। इससे अब इनके राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के लिए चयन ट्रायल में भाग लेने पर संशया छा गया है। इससे खिलाड़ियों के साथ ही भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएआई) की भी मुश्किलें बढ़ गयी हैं। बीएआई की पिछले साल दिसंबर में जारी चयन नीति के अनुसार, 30 मार्च से 5 अप्रैल तक आयोजित चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ कप में 20 भार वर्गों (पुरुष और महिला दोनों में 10-10) में शीर्ष दो स्थान हासिल करने वाले कुल 40 मुक्केबाजों को राष्ट्रीय शिविर में शामिल किया जाना था। वहीं इन मुक्केबाजों को राष्ट्रमंडल खेल, एशियाई खेल और विश्व मुक्केबाजी कप दो के लिए भारतीय टीमों के चयन हेतु मूल्यांकन परीक्षणों के लिए पात्र माना गया था। इन सभी खिलाड़ियों ने महासंघ द्वारा तय की गई प्रक्रिया का पालन करते हुए शिविर में अपनी जगह बनायी थी। महासंघ ने माना है कि सूची में 40 नाम नहीं हैं और वे इस मामले को सुलझाने के लिए साइ के साथ लगातार संपर्क में हैं पर अभी तक कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला है। इस गंभीर स्थिति के कारण 5 मई को शुरू होने वाली मूल्यांकन प्रक्रिया को एक दिन के लिए स्थगित कर दिया गया है, और अब यह 6 मई से शुरू होगी। यह देरी सीधे तौर पर इन मुक्केबाजों के भविष्य पर असर डाल रही है, क्योंकि चयन प्रक्रिया की समय-सीमा नजदीक आ रही है। वहीं जिन मुक्केबाजों में से एक ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा, हमें बताया गया था कि सीओएएस कप जीतने पर हमें शिविर में जगह मिल जाएगी। पिछले साल भी यही नीति थी, इसलिए मुझे समझ नहीं आ रहा कि समस्या क्या है। चोट के कारण राष्ट्रीय चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं ले पाने के बाद, शिविर में शामिल होना और राष्ट्रमंडल व एशियाई खेलों के लिए प्रतिस्पर्धा करना मेरे लिए एकमात्र तरीका है। यह स्थिति उन एथलीटों के लिए सबसे बड़ी मुश्किले है जिन्होंने इन बड़े अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश का प्रतिनिधित्व करने की उम्मीदें पाल रखी हैं।यह घटना ऐसे समय में हुई है जब राष्ट्रमंडल खेल 23 जुलाई से 2 अगस्त तक बर्मिंघम, इंग्लैंड में होने वाले हैं, जबकि एशियाई खेल 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान के आइची और नागोया में निर्धारित हैं।

सीएसके की जीत के बाद कार्तिक ने धोनी के अंदाज में किया गन सेलिब्रेशन

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से नये खिलाड़ी कार्तिक शर्मा ने आईपीएल के 19 वें सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए मुम्बई इंडियंस के खिलाफ अपनी टीम की आठ विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाई है। कार्तिक ने इस मैच में तेजी से खेलते हुए शानदार अर्धशतक लगाया। इस युवा बल्लेबाज ने न केवल अपना पहला आईपीएल अर्धशतक लगाया बल्कि जीत के बाद पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के ही अंदाज में गन सेलिब्रेशन किया। कार्तिक ने 40 गेंदों में नाबाद 54 रन बनाकर अपनी टीम को जीत के लक्ष्य तक पहुंचाया। अपनी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का जश्न उन्होंने एक अनोखे अंदाज में मनाया, जिसकी चर्चा हर तरफ हो रही है। उन्होंने बताया कि यह सेलिब्रेशन उन्होंने पहले से ही सोच रखा था हालांकि, धोनी के इस जेस्चर से प्रेरित होने की अटकलों को इस युवा बल्लेबाज ने खारिज करते हुए कहा कि ये उनका अपना ही अंदाज था। इस बल्लेबाज ने कहा, मैंने पहले ही तय कर लिया था कि अगर आज रन बनाऊंगा तो ऐसे ही जश्न मनाउंगा। उनके अनुसार, यह उनकी कड़ी मेहनत और व्यक्तिगत सफलता का जश्न मनाने का उनका तरीका था, जिसमें किसी और का कोई प्रभाव नहीं था।

विनेश ने राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में बृजभूषण से सुरक्षा को लेकर चिंता जतायी बोली किसी भी अप्रिय घटना के लिए सरकार होगी जिम्मेदार

नई दिल्ली ।

खेल में वापसी कर रहीं शीर्ष महिला पहलवान विनेश फोगाट ने कहा है कि गोंडा में होने वाले आगामी राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट के दौरान वह अपनी और अपनी टीम की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। विनेश के अनुसार वह उन छह महिला पहलवानों में से एक हैं जिन्होंने भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न के आरोप में मामला दर्ज कराया था। गोंडा क्षेत्र में बृजभूषण का प्रभाव है और ऐसे में वह उनके या उनकी टीम के खिलाफ कोई किसी प्रकार की साजिश रच सकता है। विनेश ने सरकार को चेताया है कि अगर प्रतियोगिता के दौरान कोई भी अप्रिय घटना घटती है, तो इसके लिए केन्द्र सरकार जिम्मेदार होगी। डेढ़ साल के बाद संन्यास से वापसी कर रही विनेश ने एक वीडियो संदेश में आरोप लगाया कि गोंडा में बृजभूषण का दबदबा है। उन्होंने आशंका जतायी की बृजभूषण के करीबी व्यक्ति प्रतियोगिता में गड़बड़ी कर परिणामों को बदल सकते हैं, जिसमें रेफरी की नियुक्ति, अंकों का निर्धारण और मैट चेयरमैन का चुनाव जैसी महत्वपूर्ण बातें शामिल हैं। विनेश ने कहा, यह टूर्नामेंट ऐसी जगह आयोजित किया जा रहा है जहां उनका (बृजभूषण का) काफी प्रभाव है। किसी मुकाबले में कौन रेफरी होगा, कितने अंक दिए जाएंगे, मैट चेयरमैन कौन होगा, सब कुछ उनके और उनके लोगों के नियंत्रण में है। विनेश ने कहा, मैं उन छह महिला पहलवानों में से एक हूं जिन्होंने ब्रजभूषण के शिकायत दर्ज कराई है। मामला अभी अदालत में है और गवाहों से पूछताछ चल रही है। उससे जुड़े किसी स्थान पर प्रतिस्पर्धा करना, जहां अधिकतर लोग उससे संबंधित हो सकते हैं, मुझ पर अत्याधिक मानसिक दबाव बनाता है। उन्होंने संदेह व्यक्त किया कि ऐसे माहौल में वह अपना सौ फीसदी प्रदर्शन कर पाएंगी।

विनेश ने कहा कि वह देश के लिए फिर से पदक जीतना चाहती हैं पर वापसी की इस स्पर्धा में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को लेकर उन्हें संदेह है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें किसी विशेष विशेषाधिकार की अपेक्षा नहीं है, केवल यह चाहती हैं कि परिणाम उनके प्रदर्शन के अनुकूल हों। विनेश ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मीडिया और खेल समुदाय से आयोजन स्थल पर उपस्थित रहने का आग्रह किया। विनेश गोंडा में महिलाओं के 57 किलोग्राम भार वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जबकि इससे पहले वह 50 किलोग्राम और 53 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर चुकी हैं।

पांड्या ने माना मुम्बई इंडियंस का प्रदर्शन हर क्षेत्र में खराब रहा

चेन्नई । मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में मिली हार पर निराशा जतायी है। पांड्या ने ये भी माना है कि इस हार से उनकी टीम की प्लेऑफ की उम्मीदों को भी करारा झटका लगा है। सीएसके से मिली 8 विकेट की हार से मुम्बई के अब प्लेऑफ में पहुंचने बचे हुए सभी मैच जीतने के अलावा रन रेट को भी काफी बेहतर बनाना होगा। इसके अलावा अन्य मैचों के परिणामों पर भी नजरें रखनी होंगी। इस हार के साथ ही मुम्बई अब तक खेले गए नौ मैचों में केवल दो जीत ही पाई है। इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, टीम के कप्तान पांड्या ने माना है कि उनकी टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। पांड्या ने कहा कि उनकी टीम हर क्षेत्र में सीएसके से पीछे रही। उन्होंने कहा, सीएसके ने हमसे बेहतर गेंदबाजी, बल्लेबाजी और फील्डिंग की। पांड्या ने हालांकि ये भी दिया कि टीम ने पूरे सत्र में खराब नहीं खेला। उन्होंने कहा कि इस पिच पर 180-190 का स्कोर एक अच्छा प्रतिस्पर्धी लक्ष्य माना जाता पर हमारी टीम शुरुआती ओवरों से ही पिछड़ गयी और पूरे मैच के दौरान दबाव में रही। अभी तक के मैचों में टी के खराब प्रदर्शन को भी ये एक कारण रहा है।वहीं अपनी टीम की रणनीति को सही बताते हुए हार्दिक ने कहा कि उन्होंने उपलब्ध गेंदबाजी विकल्पों के साथ ही योजना बनाई थी पर उस योजना को मैदान पर सही तरीके से अमल में नहीं लाया जा सका। यह एक गंभीर समस्या है, जो न केवल योजना बनाने पर बल्कि उसे निष्पादित करने की टीम की क्षमता पर भी सवाल उठाती है। उन्होंने निराशा के साथ कहा, गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में वे हमसे बेहतर थे। हमने जो विकल्प थे, उसी के साथ गए, लेकिन अमल सही नहीं हो पाया। इस हार ने मुंबई इंडियंस के लिए प्लेऑफ में पहुंचने के गणितीय समीकरण को लगभग असंभव बना दिया है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष
चू चे चो ला ली
लू ले लो आ

समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष
इ उ ए ओ वा
वी वू वे वो

नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन
का की कू घ ङ
छ के को हा

सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क
ही हू हे हो डा
डी डू डे डो

समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह
मा मी मू मे मो
टा टी टू टे

यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या
टो पा पी पू ष
ण ठ पे पो

शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला
रा री रु रे रो
ता ती तू ते

खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक
तो ना नी नू ने
नो य यी यू

समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु
ये यो भा भी भू
धा फा ढा भे

कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

मकर
भे जा जी खी खू
खे खो गा गी

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

कुंभ
गू गे गो सा
सी सू से सो दा

सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्यायाधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

मीन
दी दू थ झ ञ दे
दो चा ची

शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 3878

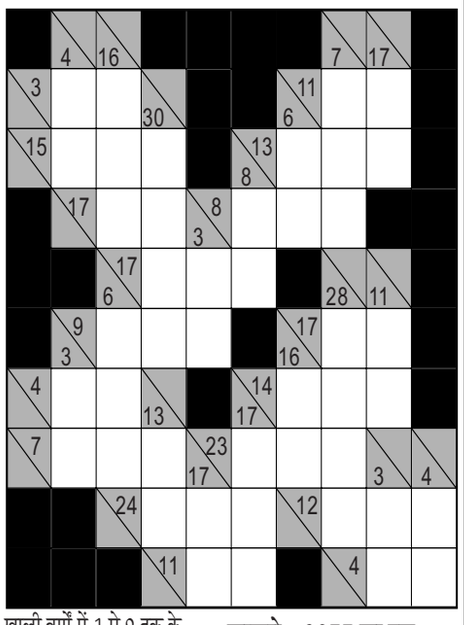

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

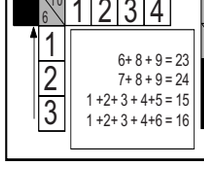

काकुरो - 3877 का हल

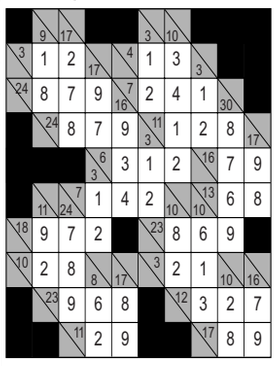

लॉफिंग ज़ोन

एक ऐसी युवती थी, जिसका कभी किसी से कोई रोमांस नहीं हुआ था। एक दिन उसने रोमांटिक ख्वाब देखा– जब वह गार्डन में घूम रही थी, तभी एक सुंदर युवक ने साड़ी के पीछे छुपकर उससे लिपट गया। वह भागी लेकिन एक घने पेड़ की मधुर छाया में तरुण ने उसे पकड़ लिया।

तुम-तुम क्या करने जा रहे हो? वह हकबकाई।

शैतानी से मुस्कराकर युवक बोला– तुम बताओ। यह तुम्हारा सपना है।

□ □ □

अखबार पढ़ते प्रेमी को प्रेमिका ने पीछे से जोरदार घूँसा मारा। इस पर प्रेमी ने कहा –क्या हुआ, प्रिया?

प्रेमिका– तुम्हारी शर्ट की जेब में एक कागज मिला था जिस पर मेरी (लड़की का नाम) लिखा हुआ था।

प्रेमी– अरे नहीं प्रिये, तुम्हें याद है पिछले सप्ताह मैं ट्रेकिंग पर गया था। मैंने घोड़े की सवारी की थी। मेरी उसी घोड़े का नाम है।

अगले दिन प्रेमिका ने फिर जोरदार घूँसा मारा।

प्रेमी– अब क्या हुआ प्रिये?

प्रेमिका – तुम्हारे घोड़े का फोन आया था।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3878

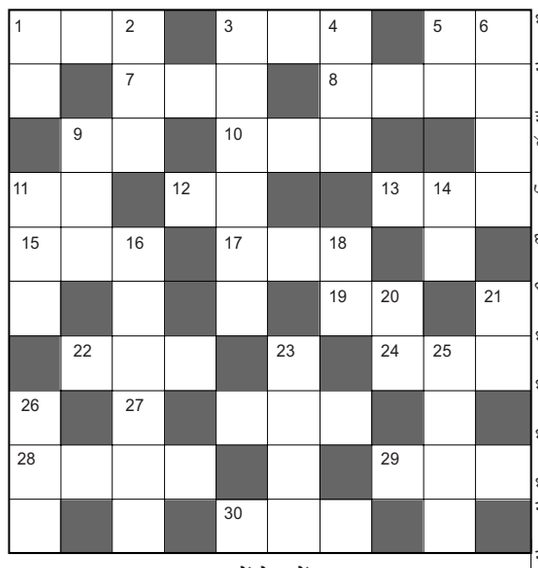

बायें से दायें:-

१. 'ये तारा वो तारा' गीत वाली आशुतोष गोवारीकर की फिल्म-३
३. 'तुम्हें अपना बनाने की' गीत वाली संजयदत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
५. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली जतिन ग्रेवाल, नेहा की फिल्म-३
८. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'रामजी की निरली सवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली ऋषिकपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१०. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'कन्हैया कन्हैया तुझे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, रवीना, नंदिता की फिल्म-२
१२. अमिताभ, जीनत की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'दिन सारा गुजारा' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'वो शाम कुछ अजीब थी' गीत वाली राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
१९. आमिर, जूही, ममता की 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'रिफ्यूजी' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-३
२४. अक्षयकुमार, करीना की 'दिल ले गया परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'बहारों फूल बरसाओ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२८. किशोरकुमार की 'एक चतुर नार करके सिंगार' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'फिर वही चांद वही गम' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-३
३०. डिनो, बिपाशा की 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'कैसे कटे दिन कैसे' गीत वाली राजेश, गोविंदा, जूही की फिल्म-२
२. अमिताभ, जयाप्रदा की 'मंजिलें अपनी जगह हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'तेरे नाम' में नायक कौन था-४,२
४. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
५. काहे कोयल शोर, मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
६. जीतेंद्र, लीना चंदावरकार की 'तूने तूने ओ सनम' गीत वाली फिल्म-४
९. 'है मुबारक आज का' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, रति की फिल्म-३
११. संजय दत्त, अनिता की 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'हम तुम को निगाहो' गीत वाली सलमान, अरबाज, शिल्पा की फिल्म-२
१६. राजकपूर, वहीदा रहमान की 'सजन रे झूठ मत बोलो' गीत वाली फिल्म-३,३
१८. फिल्म 'मिस ४२०' में नायिका कौन थी-२
२०. सनी देओल, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'तू धरती पे चाहे जहाँ' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-२
२३. अजय देवगन, अमीषा पटेल की 'प्यार तो होता है प्यार' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'मेरे अंगने में तुम्हारा' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
२६. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 'एक बगिया में रहती है' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3877

श	हु	ल	■	ना	■	गै	ब	ल	र
जा	■	■	घा	य	ल	■	द	■	न
औ	ला	द	■	ब	गा	व	त	■	■
र	■	स	त्या	■	न	■	मी	ना	क्षी
रं	गी	ला	■	टी	■	अ	ज	य	■
क	■	ख	ल	ना	य	क	■	क	था
■	दो	■	की	■	■	ल	क्ष्य	■	ने
खू	ब	सू	र	त	■	मं	■	दा	दा
■	द	■	■	ला	■	द	स	■	र
डॉ	न	■	■	रे	श	नी	■	नी	तू

सूडोकु -3878

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3877 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

शब्द पहेली - 3878

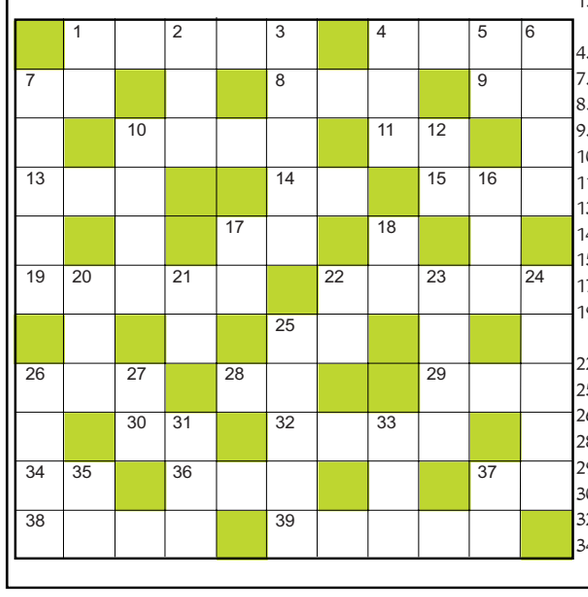

बाएँ से दाएँ

1. राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4. उदारता,बडप्पन-4
7. भोजन,खाद्य पदार्थ-2
8. प्रहरी,रक्षा करने वाला-3
9. अपशिष्ट पदार्थ-2
10. कामदेव,चंद्रमा-4
11. नाड़ी,नस-2
13. जबरन,जबरदस्ती-3
14. वायदा,वचन-2
15. भवन,आलय-3
17. आर्ट,हुनर-2
19. ख्वाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22. उद्देश्यहीनता-5
25. परिणाम-2
26. अंजन,नेत्रांजन-3
28. सांझ,संध्या-2
29. अधीन-3
30. निश्चित-2
32. निष्ठावान,सत्तानिष्ठ-4
34. बेइमान,सेंधमार-2
36. दाम,मूल्य-3
37. एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38. मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39. अश्रु,आंसू-5

ऊपर से नीचे

1. स्वर्ण,कनक-2
2. गुजर करना-3
3. धैर्यवान-3,2
4. राशिचक्र की एक राशि-3
5. आंशिक भीगा हुआ-2
6. सामंजस्य-4
7. यायावर,बंजारा-5
10. चुनाव,वोटिंग-4
12. दुख,कष्ट-2
16. यज्ञ,होम-3
17. कमरा,रूम-2
18. उम्मीद,आस-2
20. जुड़वा-3
21. प्याला-2
22. हृदय,हार्ट-2
23. निकृष्टतर-4
24. बलवान,दमदार-5
25. स्वदेशवासी-5
26. आलसी,निठल्ली-4
27. बुरी आदत-2
31. भरोसा,विश्वास-3
33. आंचल,पल्लू-3
35. अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37. समय, वक्त-2

शब्द पहेली -3877 का हल

आ	ला	क	मा	न	■	■	क	मी	ज	■
रा	ल	■	न	■	श	प	थ	■	मा	मा
म	■	■	ध	नि	क	■	न	■	■	लि
दे	ह	दा	न	■	■	अ	■	ल	ल	क
ह	■	खि	■	बे	शु	मा	र	■	ह	■
■	सा	ल	■	ल	■	न	■	सु	र	■
■	हि	■	ब	गा	व	त	■	र	■	हा
ज	ल	न	■	म	■	■	अ	भि	मा	नि
ग	■	■	चु	■	रा	ज	न	■	■	का
त	र	■	ना	ह	क	■	ब	■	चा	र
■	ब	हा	व	■	■	म	न	मो	ह	क

फॉर्म में रहना है तो अच्छी नींद लें

सेंट लुइस की वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसन की हालिया रिसर्च से यह बात सामने आई है कि नींद बीते दिन की व्यर्थ चीजों से निजात पाने का जरिया ज्यादा हैं और सपने देखने का जरिया कम। नींद पर हुई रिसर्च में यह बात साबित हुई है कि किसी व्यस्त दिन में दिमाग में जमा चीजों की रात के समय में कांट-छांट हो जाती है, जिससे दिमाग को बेकार जानकारियों से मुक्ति मिलती है। इस रिसर्च से उस बात को भी समर्थन मिलता है कि व्यर्थ की चीजों से मुक्ति पाने के लिए रात को एक अच्छी नींद जरूरी है। इस रिसर्च को लीड कर रहे पॉल शॉ ने भी कहा इन दिनों काफी लोग अपनी नौकरी और अर्थव्यवस्था को लेकर परेशान हैं और कुछ लोग बेशक इसके कारण अपनी नींद खो रहे हैं। यह रिसर्च कहती हैं कि ऐसे समय में आप सबसे अच्छी चीज जो कर सकते हैं वो है रात को एक अच्छी नींद लेना। ताकि आप अगले दिन का काम 'फॉर्म' में रहकर करें।

रोगमुक्त रखता है आयुर्वोद

आयुर्वेद केवल चिकित्सा पद्धति ही नहीं, अपितु स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन जीने की कला का विज्ञान है, जिसका उद्देश्य स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करना तथा रूग्ण को रोग मुक्त करना है। यह प्राकृतिक सहज जीवन, आहार निद्रा एवं ब्रहचर्या पर आधारित है। आयुर्वेद के अनुसार वही व्यक्ति स्वस्थ है जिसका शरीर, आत्म, इन्द्रिया एवं मन प्रसन्न है।

यदि जड़ी-बूटी विज्ञान पर दृष्टिपात करें तो हम पाते हैं कि साधारण से लेकर जटिल समस्याओं का समाधान इन्हीं जड़ी-बूटियों में छिपा हुआ है।

- गर्भ की उत्पत्ति से पहले ही स्त्री एवं पुरूष को काम शक्ति बढ़ाने एवं स्वस्थ संतान की प्राप्ति हेतु आयुर्वेद में वर्णित अनेक औषधियां सदियों से सेवन की जाती रही हैं। यथा बरगद का दूध, कमरकस, काजू छुहारा, किशमिश आदि।
- नवजात शिशु को रोग प्रतिरोधक शक्ति प्रदान करने स्वर्ण शलाका से औषधि मिश्रित शहद चटाना।
- आंवला, तुलसी, गिलोय, नीम का प्रयोग रोग प्रतिरोध क्षमता को बढ़ाने एवं दीर्घायु प्राप्ति के लिए किया जाता है।
- सोंठ का विश्व भैषज के रूप में अग्निदीपन एवं पाचन हेतु प्रयोग जगजाहिर है।
- माताओं द्वारा छोटे-छोटे बच्चों को जायफल, काला नमक, जुलाफा हरड़ एवं सुहागे का सेवन करा उनकी रोगों से रक्षा करने का प्रचलन है।
- छः माह से एक वर्ष तक बालक को केवल माता का दूध पिलाने की परम्परा।
- विभिन्न वनस्पतियों से बनी जन्म घुट्टी का छोटे बच्चों के स्वास्थ्य हेतु देने का प्रचलन सारी ओर इंगित करता है।
- प्रसूता के गर्भाशय की शुद्धि हेतु दशमूलारिष्ट का प्रयोग एवं स्तन्य (दूध) की शुद्धि व वर्धन हेतु जीरे एवं शतावरी का प्रयोग होना आज भी आयुर्वेद की लोकप्रियता का परिचायक है।
- रसोई घर में प्रयुक्त मिर्च मसाले भी उसी का एक जीता-जागता उदाहरण है। आम जनता इनके गुण एवं प्रभाव से इतनी ज्यादा प्रभावित थी कि रसोई में मसाले की चिकित्सा पेटिका हुआ करती थी। जैसा कि देखने में भी आया है कि जरा सा पेट दर्द हो तो हींग, अजवायन एवं काले नमक का प्रयोग, श्वास में हल्दी, सोंठ, पीपल, काली-मिर्च का प्रयोग, विसर्प में हल्दी एवं खटाई का लेप, दांत दर्द में लोंग का चबाना या लौंग के तेल का फोहा लगाना तथा दातुना के रूप में दंदासे का प्रयोग।
- भोजन को पचाने हेतु सौंफा एवं मिश्री का प्रयोग। आज भी संभ्रांत परिवार अपने अतिथि-सत्कार के समय इसे अपनाते हैं।
- हृदय रोगों में अर्जुन, हृत्पत्री एवं गावजवान का प्रयोग।
- श्वास कास में सोमलता, मुलहैठी, वासा एवं कण्टकारी का प्रयोग।
- ज्वर में गिलोय, तुलसी, नीम एवं द्रोणपुष्पी आदि का प्रयोग। पिवासा ज्वर में षड़गपानीय का जन सामान्य में प्रचलन परम्परागत है।
- पीलिया दूर करने हेतु बन्दाल का नस्य प्रयोग तथा चिरायता, काममेघ, भूईआंवला, मकोय, कटुकी एवं त्रसार का आमयिक प्रयोग।
- रक्तशोधन हेतु चिरायता, कुटकी, मजीठ आदि का प्रयोग।
- मूत्राश्मरी में गोक्षुर, कुलत्थ एवं वरूण कवाथ का प्रयोग।
- मूत्रवाहिकारों में जहां गुर्दे भी क्षतिग्रस्त होने लगे हों तथा रोगी डायलिसिस पर हो पंचतुणमूल क्वाथ का प्रयोग लाभ दर्शाता है।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

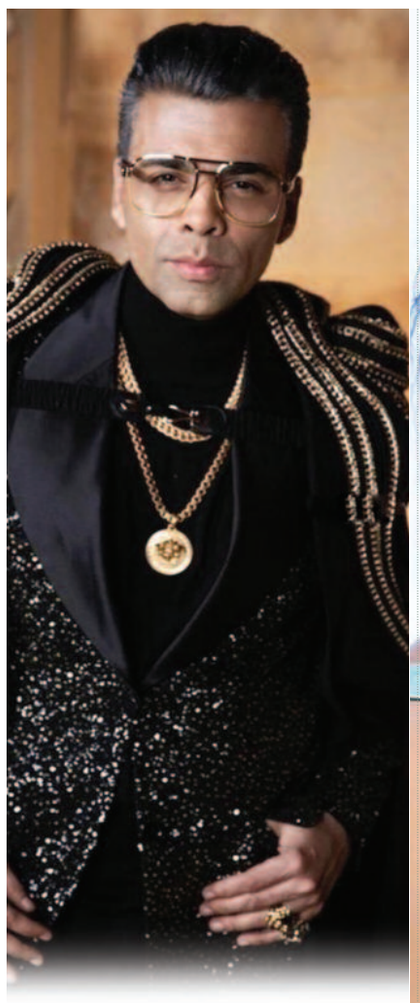

पेड पीआर बंद होना चाहिए

निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने हाल ही में अपने लोकप्रिय टीवी शो 'कॉफी विद करण' के नए सीजन की घोषणा की। इससे शो के फैंस काफी उत्साहित हैं। अब निर्माता ने इंडस्ट्री में होने वाले पेड पीआर को लेकर बात की। उन्होंने पेड पीआर कल्चर को बंद करने की बात कहते हुए कहा कि बॉलीवुड को अपने काम को ही बोलने देना चाहिए और प्रचार-प्रसार कम करना चाहिए। हाल ही में एक चर्चा में करण जौहर शामिल हुए। यहां एक कंटेस्टेंट ने जाह्नवी कपूर और शनाया कपूर जैसी अभिनेत्रियों द्वारा अपनी हालिया फिल्मों 'परम सुंदरी' और 'तू या मैं' के लिए 'मेथड मार्केटिंग' करने का जिक्र किया। उन्होंने पूछा कि क्या पीआर का यह चलन बॉलीवुड में भी फैल सकता है? इस पर करण ने जवाब दिया कि मुझे लगता है कि बॉलीवुड को पीआर करना बंद कर देना चाहिए। यह कहीं बेहतर होगा। उन्हें अपनी उपलब्धियों को खुद बोलने देना चाहिए क्योंकि दुर्भाग्य से आजकल सारा पीआर पेड पीआर ही है। इसलिए अगर आप यह कहना चाहते हैं कि आप खूबसूरत दिख रहे हैं, तो आपको पैसे देने होंगे। अगर आपको यह कहना है कि आप धरती पर सबसे अच्छे अभिनेता हैं, तो आपको पैसे देने होंगे। मुझे लगता है कि पीआर के मामले में हम हद से ज्यादा सक्रिय हैं। इसलिए, वे मेथड मार्केटिंग कर रहे हैं या नहीं, यह मायने नहीं रखता। उन्हें खुद की मार्केटिंग करना बंद कर देना चाहिए और अपने काम को बोलने देना चाहिए। यहां हर चीज पैसे देकर मिलती है इस दौरान करण ने यह भी स्पष्ट किया कि उनका निशाना कोई खास कलाकार नहीं था, बल्कि वे आम चलन की बात कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि मेरा मतलब उन लोगों से नहीं है, जिनके बारे में आप बात कर रहे हैं। मेरा मतलब आम तौर पर सभी से है। पीआर और मार्केटिंग काम की महत्वपूर्ण कैटेगरी हैं और इन्हें उसी के हिसाब किया जाना चाहिए। किन अब हर चीज पैसे देकर मिलती है और यह बात बेहद परेशान करने वाली हो सकती है। क्योंकि तब आप यह अंदाजा नहीं लगा सकते कि क्या लोगों को पसंद आ रहा है और क्या नहीं। अब आप हर चीज को इस नजरिए से देखते हैं, 'क्या लोग सच में इसे पसंद कर रहे हैं या उन्हें पसंद करने के लिए पैसे दिए गए हैं?'

हिंदी के लिए साई पल्लवी ने मांगी माफी, बॉलीवुड डेब्यू से पहले नर्वस हैं एक्ट्रेस

साई पल्लवी आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ 'एक दिन' फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू को तैयार हैं। रिलीज से पहले फिल्म को लेकर एक इवेंट हुआ, जिसमें आमिर खान समेत फिल्म की कास्ट भी मौजूद रही। इस इवेंट में साई पल्लवी भी पहुंचीं, जहां उन्होंने इमोशनल स्पीच दिया। इस दौरान साई ने अपनी कमजोर हिंदी के लिए माफी मांगते हुए कहा कि वह उत्साहित होने के साथ-साथ थोड़ी घबराई हुई भी हैं।

कमजोर हिंदी के लिए मांगी माफी

कार्यक्रम के दौरान जब साई पल्लवी को मंच पर बोलने के लिए बुलाया गया, तो एक्ट्रेस ने हिंदी पर अपनी सीमित पकड़ के लिए माफी मांगी। साथ ही उन्होंने वहां मौजूद लोगों को आगाह किया कि बोलते समय उनसे ग्रामेटिकल मिस्टेक हो सकती है। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए साई ने स्वीकार किया कि उन्होंने हिंदी में बोलने की तैयारी नहीं की थी। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता था कि हमें इस कार्यक्रम में बोलना होगा। कम से कम मैं हिंदी में कुछ सीख तो लेती, लेकिन कृपया मुझे माफ कर दीजिएगा। व्यक्तिगत रूप से मैं आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूं। फिल्म की कास्ट और क्रू की तारीफ करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि आप सब अविश्वसनीय थे, हर एक व्यक्ति, आप सभी बहुत ही सुंदर कहानीकार हैं। मैं आपकी भावनाओं को महसूस कर सकती थी, मैं अपने सामने के सीन को देख सकती थी। यह सचमुच बहुत खूबसूरत था।

आमिर का जताया आभार

साई ने इंडस्ट्री में अपने सफर को लेकर कहा कि मुझे नहीं पता कि मैं वास्तव में थिएटर जाने वाली, ऐसी जगह जाने वाली थी जहां इतनी प्रतिभाओं का संगम हो। लेकिन मैंने जो कुछ भी किया है, वह मुझे यहां तक ले आया है और मैं इस पूरी यात्रा के लिए बहुत आभारी हूं। आमिर खान को धन्यवाद देते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि आमिर सर, मुझे इस तरह का मौका देने और इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए चुनने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। जब भी आप सब प्यार की बात करते थे, मैं आपके चेहरे पर चमक देख सकती थी। यह मेरी पहली हिंदी फिल्म होने जा रही है। मैं सचमुच बहुत घबराई हुई हूं। लेकिन यह एक बेहद खूबसूरत सफर है। पूरी टीम को बहुत-बहुत धन्यवाद।

जानकारी की अधिकता आज की युवा पीढ़ी के लिए चुनौती बन गई है

आज की तेजी से बदलती दुनिया और तकनीक के विस्तार ने युवाओं की जीवनशैली को पूरी तरह से बदल दिया है। अक्सर सोशल मीडिया पर अपने अनोखे रिलेशनशिप ट्रेंड्स और नए 'स्लैंग' के कारण चर्चा में रहने वाली जेनजी को लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल ने अपने विचार शेयर किए। अभिनेत्री ने एक पॉडकास्ट का क्लिप इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इसमें काजोल ने अपनी और जेनजी के बीच की बुनियादी अंतर को स्पष्ट करते हुए बताया कि कैसे जानकारी की अधिकता आज की युवा पीढ़ी के लिए चुनौती बन गई है। उनका मानना है कि आज की युवा पीढ़ी को इंटरनेट से मिलने वाले 'शोर' से बाहर निकलकर खुद के लिए फैसला लेने की क्षमता विकसित करनी होगी। केवल सोशल मीडिया के ट्रेंड्स को फॉलो करना काफी नहीं है, बल्कि अपने मूल्यों और सीमाओं को खुद परिभाषित करना ही असल परिपक्वता है। काजोल कहती हैं, 'मुझे लगता है कि जेनजी इस समय 'जानकारी के ओवरलोड' से गुजर रही है। हम ऐसे समय में बड़े हुए जब जानकारी बहुत सीमित हुआ करती थी। इसलिए हमें अपनी नैतिकता, सीमाएं और सही-गलत का फैसला खुद अपनी सोच से करना पड़ता था।' अभिनेत्री ने बताया कि आज के युवाओं के पास हर चीज के बारे में जवाब उपलब्ध हैं। हर कोई जानता है कि क्या सही है और क्या गलता, लेकिन वे इसमें इस कदर खोए हुए हैं कि वे यह तय नहीं कर पा रहे कि उनके लिए व्यक्तिगत रूप से क्या सही है।

बॉबी देओल की फिल्म 'बंदर' का टॉक्सिक से होगा मुकाबला

बॉबी देओल अपनी आगामी फिल्म 'बंदर'/ 'मंकी इन अ केज' को लेकर चर्चा में हैं। बीते साल सितंबर में इसका प्रीमियर टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। इस साल फरवरी में फिल्म की रिलीज डेट का एलान किया गया था। यह फिल्म 22 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होनी थी। मगर, अब दर्शकों को इसके लिए इंतजार करना होगा।

फिल्म 'बंदर' अब मई में नहीं, बल्कि जून में रिलीज होगी। दिलचस्प बात यह है कि सुपरस्टार यश की फिल्म 'टॉक्सिक' से इसकी टक्कर होगी। समाचार एजेंसी के मुताबिक फिल्म 'बंदर' 05 जून को दुनियाभर के थिएटर्स में दस्तक देने जा रही है। बता दें कि यश की मेगा बजट फिल्म 'टॉक्सिक' 04 जून, 2026 को रिलीज हो रही है। अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी, बॉबी देओल, सान्या मल्होत्रा, सबा आजाद और सपना पब्बी अभिनीत फिल्म 'बंदर' को निखिल द्विवेदी ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर बीते साल जुलाई में रिलीज किया किया गया था। तब इस फिल्म का सलेक्शन टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। अब यह फिल्म भारतीय दर्शकों तक पहुंच रही है।

मेरे करियर में मेहनत से ज्यादा भाग्य ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म सिनेमाघरों में बनी हुई है। हाल ही में अक्षय कुमार का कहना है कि सफलता के लिए मेहनत जरूरी होती है। लेकिन मेरे करियर में मेहनत से ज्यादा भाग्य ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वहीं अभिनेता अपने फिल्मी सफर को लेकर भी बात की। क्विज रियलिटी शो 'व्हील्स ऑफ फॉर्च्यून' को होस्ट कर रहे अक्षय कुमार ने मेहनत और भाग्य को लेकर अपनी राय रखी। शो में अक्षय ने कहा कि मैं अपने अनुभवों के आधार पर ऐसा मानता हूं कि मेहनत की जरूरत तो है और मैं पूरी लगन से मेहनत करता हूं। लेकिन मेरे करियर में या अक्षय कुमार ने फिल्म सेट पर अपने रोजमर्रा के अनुभवों के आधार पर आगे बताया कि उन्हें नियमित रूप से हजारों ऐसे युवा, महत्वाकांक्षी अभिनेता मिलते हैं जो उनसे अधिक प्रतिभाशाली या दिखने में बेहतर होते हैं। लेकिन फिर भी गुमनाम रह जाते हैं, क्योंकि इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने के लिए तमाम कोशिशों के बावजूद किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया है।

तीन दशकों से इंडस्ट्री में सक्रिय हैं अक्षय

अक्षय कुमार तीन दशकों से अधिक समय से हिंदी सिनेमा में सक्रिय हैं और अब उनकी गिनती इंडस्ट्री के टॉप लीडिंग स्टार्स में होती है। उन्होंने लगभग 150 से भी अधिक फिल्में की हैं। इनमें कई ब्लॉकबस्टर और सुपरहिट फिल्में रही हैं। इनमें 'हेरा फेरी', 'केसरी', 'जॉली एलएलबी', 'हाउसफुल' और 'खिलाड़ी' सीरीज जैसी कई हिट फिल्में शामिल हैं।

अक्षय की पाइपलाइन में हैं ये बड़ी फिल्में

वर्कफ्रंट की बात करें तो अक्षय की 'भूत बंगला' इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित इस फिल्म से अक्षय और प्रियदर्शन की हिट जोड़ी ने 14 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी की है। फिल्म को समीक्षकों और दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई है। बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है।

दोस्ती शादी को सरल बनाती है

टीवी, फिल्में और ओटीटी पर अपनी यादगार भूमिकाओं से पहचान बनाने वाली कृतिका कामरा हाल ही में शादी के बाद काम पर लौट आई हैं। पिछले दिनों जाने -माने वीजे और क्रिकेट होस्ट गौरव कपूर के साथ अपने सादगी भरी शादी को लेकर चर्चा में रहने वाली कृतिका इन दिनों ओटीटी की वेब सीरीज 'मटका किंग' से खबरों में हैं। इस मुलाकात में वे अपने काम के अलावा अपनी शादी और शादी के बाद होम मैनेजमेंट जैसे मुद्दों पर दिल खोलकर बात करती हैं

कृतिका बताती हैं कि उनके प्यार को शादी की मंजिल तक पहुंचाने में उनके बीच की दोस्ती का बड़ा हाथ रहा। वे कहती हैं, 'मुझे लगता है कि दो पार्टनर के बीच दोस्ती एक ऐसी चीज है, जो दोनों के रिश्ते को सरल बनाती है। वो हमारे बीच शुरू से ही थी। उसके अलावा हम दोनों ही एक-दूसरे की निजता की इज्जत करते हैं। हमारे काम की, हमारे सफर की। मेरी तरह गौरव भी मुंबई से नहीं हैं। हम दोनों ही बाहर से आए और हमने अपनी जगह बनाई, तो हम एक-दूसरे से रिलेट कर पाते हैं। गौरव और मैंने दोनों ने यंग एज से काम करना शुरू कर दिया था। उन्होंने जिस इज्जत और मेहनत से अपना मुकाम बनाया है, मैं उसकी बहुत कद्र करती हूं। मुझे पता है कि आपको किस तरह से अपने वैल्यूज को बरकरार रखते हुए समझौते भी करने होते हैं। हम अपने वर्क एथिक्स पर बहुत ध्यान देते हैं। हम दोनों ही बहुत सारी चीजें साथ में करना पसंद करते हैं, पर अपने-अपने काम को लेकर हम इंडिविजुअल हैं।'

घर का काम मिल-जुलकर करते हैं

अपने होम मैनेजमेंट के बारे में कृतिका कहती हैं, 'हम लोग सालों से मुंबई में अकेले रहते आए हैं, तो घर चलाना गौरव को भी आता है और मुझे भी। अब जैसे मेरी सीरीज के प्रमोशन्स के दौरान गौरव का आईपीएल चल रहा था, तो उनकी शाम की शिफ्ट थी। उस दौरान लंच में क्या होगा, वो देख लेंगे। जो जिस वक्त वे घर पर होते हैं, वे देख लेते हैं और हम मिल-जुलकर काम करते हैं। हम दोनों ही खाना पकाना जानते हैं, ये अलग बात है अभी बनाते नहीं हम। मगर ये सच है कि हमारे रोल ट्रेडिशनली डिफाइन नहीं हैं। अब जैसे मेरी मम्मी भी वर्किंग वुमन थीं और उन्हें घर और ऑफिस के दोनों काम करने पड़ते थे। मगर मैं घर का खयाल उन दिनों रखती हूं, जिन दिनों मैं घर पर होती हूं। घर चलाना मेरी अकेले की जिम्मेदारी नहीं है। गौरव भी सामान रूप से पार्टिसिपेट करते हैं।'

जब दिल और दिमाग ने कहा, तब शादी की

कृतिका और गौरव लंबे समय से एक-दूसरे को जानते थे। फिर बात शादी तक कैसे पहुंची? इस सवाल पर वे कहती हैं, 'मुझे मैरिज इंस्टिट्यूशन पर हमेशा से बहुत गहरा विश्वास रहा है और मैंने इसे कभी हलके में नहीं लिया। चूंकि मैं शादी की अहमियत को समझती हूं, तो मुझे हमेशा से लगा था कि मेरा दिल और दिमाग जब दोनों हां बोलेंगे, तो मैं शादी के लिए तैयार समझूंगी खुद को। हर लड़की को इसी तरह से सोचना चाहिए। हम लोग शादी करने के लिए नहीं मिले थे, मगर फिर धीरे-धीरे हम एक-दूसरे को जानने लगे। मैंने गौरव की कई छोटी-छोटी बातें नोट कीं।'

तेज गर्मी में बूफोन लुक चुनौतीपूर्ण

टीवी से ओटीटी की दुनिया में आईं कृतिका कहती हैं, 'टीवी छोड़े हुए मुझे काफी समय हो गया है, मगर मैंने टीवी पर जितना भी काम किया है, यादगार रोल किए। ओटीटी की मेरी जर्नी तांडव से शुरू हुई थी। उसके बाद मुझे कई बड़े और अच्छे डायरेक्टर्स के साथ काम करने का मौका मिला। कई बार ऐसा भी हुआ कि वो उनकी पहली वेब सीरीज थी। जैसे ये नागराज मंजुले जी की पहली सीरीज है। अपनी ओटीटी की जर्नी को लेकर मैं बहुत खुश हूं।' अपनी नई सीरीज मटका किंग में कृतिका 60-70 के दशक के लुक में हैं। उनका कहना है कि मेकअप को सेट करने में बहुत वक्त लगता था। बकौल कृतिका, 'इससे पहले कई सीरीज में मैं नो मेकअप लुक में भी रही हूं, पर इस रोल में सिक्टीज के लुक में सजने -संवारने के पूरे मौके थे, तो मजा भी खूब आया, मगर इस लुक के लिए मुझे सेट पर दो घंटे पहले आना पड़ता था। मुझे याद है कि हम रेसकोर्स का सीन शूट कर रहे थे, जिसमें मेरा हेयरस्टाइल बूफोन लुक था। उस लुक में सिर पर एक पफ बनाना पड़ता है। उस पर मैंने हैट भी पहनी थी और हाथों में ग्लव्ज भी। पीक गर्मी में इस लुक के साथ शूट करना बहुत ही चुनौतीपूर्ण था।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका का मानना, समुद्री नाकेबंदी से ईरान को हुआ 456 अरब रुपए का नुकसान : रिपोर्ट

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी की समुद्री नाकाबंदी के कारण ईरान को तेल राजस्व में लगभग 4.8 अरब डॉलर (456 अरब रुपए) का नुकसान हुआ है। एक्सियोस के मुताबिक यह आकलन अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) का है। रिपोर्ट में बताया गया है कि नाकेबंदी के दौरान दो टैंकर जब्त किए गए। इसके अलावा, अधिकारियों ने दावा किया कि लगभग 53 मिलियन बैरल तेल ले जा रहे 31 टैंकर इस समय 'खाड़ी में फंसे हुए हैं,' जिससे ईरान के तेल निर्यात में आई भारी गिरावट का अंदाजा लगाया जा सकता है। कथित तौर पर इसी वजह से उसे 4.8 अरब डॉलर (करीब 45,600 करोड़ रुपए) का नुकसान झेलना पड़ रहा है। ईरान के समुद्र में अमेरिकी नाकाबंदी पूरी ताकत से लागू है, जिससे ईरान की फंडिंग क्षमता को बड़ा झटका लगा है। इन्हीं अधिकारियों के अनुसार, कुछ जहाज अब 'अमेरिकी नाकेबंदी के डर से चीन को तेल पहुंचाने के लिए एक महंगा और लंबा रास्ता चुन रहे हैं,' जिससे पता चलता है कि अमेरिकी सेना की सख्त कार्रवाई के डर से जहाजों के आने-जाने के तरीकों में बदलाव आया है। यह नाकेबंदी अमेरिका ने ईरान के बंदरगाहों पर एक अस्थायी संघर्षविराम के दौरान लगाई थी। इसका मकसद ईरान पर दबाव डालना था ताकि वह पाकिस्तान की मध्यस्थता से हुए उस युद्धविराम को मान ले, जिससे इजरायल, अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा संघर्ष हमेशा के लिए खत्म हो जाए। ईरान ने पिछले महीने कहा था कि इजरायल और लेबनान में सशस्त्र समूह हिज्बुल्लाह के बीच 10 दिन के संघर्ष विराम की घोषणा के बाद होर्मुज को व्यापारिक जहाजों के लिए पूरी तरह से फिर से खोल दिया है। हालांकि, बाद में इस जलमार्ग पर फिर से पाबंदी लगा दी गई, जब अमेरिका ने अपनी नाकेबंदी हटाने से इनकार कर दिया। अमेरिका का कहना था कि जब तक ईरान के साथ युद्ध खत्म करने के लिए कोई पक्का समझौता नहीं हो जाता, तब तक ये पाबंदियां जारी रहेंगी। अमेरिका की समुद्री नाकाबंदी से ईरान को करीब 4.8 अरब डॉलर यानी लगभग 456 अरब रुपये (करीब 45,600 करोड़ रुपये) के तेल राजस्व का नुकसान हुआ है। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक यह आकलन अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) का है।

क्यूबा ने नए अमेरिकी प्रतिबंधों को 'एकतरफा दबाव' की कार्रवाई बताया

हवाना , एजेंसी। क्यूबा ने अमेरिका द्वारा लगाए गए नए प्रतिबंधों की कड़ी आलोचना करते हुए उन्हें 'एकतरफा दबाव डालने की कार्रवाई' बताया और कहा है कि ये कदम क्यूबा की जनता को सामूहिक रूप से सजा देने की कोशिश हैं। क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिग्ज ने सोशल मीडिया पर कहा, 'हम अमेरिकी सरकार द्वारा अपनाए गए इन एकतरफा दबावकारी तरीकों को पूरी तरह खारिज करते हैं।' उन्होंने कहा कि ये कदम क्यूबा के लोगों के खिलाफ सामूहिक दंड की मंशा को दर्शाते हैं। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने रोड्रिग्ज के हवाले से बताया कि इन प्रतिबंधों की घोषणा इंटरनेशनल वर्कर्स डे के दिन की गई, जब क्यूबा के लाखों नागरिक सड़कों पर उतरकर अमेरिकी प्रतिबंधों और आर्थिक दबाव का विरोध कर रहे थे। रोड्रिग्ज ने कहा कि ये कदम अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ हैं और संयुक्त राष्ट्र के चार्टर का उल्लंघन करते हैं। उनके अनुसार, अमेरिका को क्यूबा या किसी तीसरे देश पर ऐसे प्रतिबंध लगाने का अधिकार नहीं है। यह प्रतिक्रिया तब आई जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा पर नए प्रतिबंध लगाने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। इस आदेश के तहत अमेरिका में मौजूद या अमेरिकी नियंत्रण में आने वाली उन व्यक्तियों और संस्थाओं की संपत्तियां फ्रीज कर दी जाएंगी। ये सब क्यूबा की अर्थव्यवस्था के ऊर्जा, रक्षा, धातु व खनन, वित्तीय सेवाओं या सुरक्षा जैसे क्षेत्रों से जुड़े हैं। इसके अलावा, आदेश का उद्देश्य क्यूबा की वैश्विक बैंकिंग प्रणाली तक पहुंच को सीमित करना भी है। इसमें उन विदेशी बैंकों और वित्तीय संस्थानों पर भी कार्रवाई का प्रावधान है, जो क्यूबा से जुड़े पहले से प्रतिबंधित व्यक्तियों या संस्थाओं के साथ लेनदेन करते हैं।

सीरिया में शिया धर्मगुरु की हत्या

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया की राजधानी दमिश्क के पास शुक्रवार को हमलावरों ने एक शिया धर्मगुरु की हत्या कर दी। हमलावरों ने उनकी कार में ग्रेनेड फेंका, जिससे उनकी मौत हो गई। मारे गए धर्मगुरु का नाम फरहान अल-मंसूर था। वह दमिश्क के बाहरी इलाके सैयदा जैनब में स्थित एक प्रसिद्ध शिया दरगाह के मुख्य उपदेशक थे। सरकारी समाचार एजेंसी 'साना' और सरकारी टीवी के अनुसार, इस हमले के पीछे किसका हाथ है, यह अभी साफ नहीं हो पाया है। घटना के बाद दमिश्क के दक्षिणी उपनगरों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सुरक्षा बलों ने संदिग्धों को पकड़ने के लिए जांच शुरू कर दी है। सैयदा जैनब इलाका साल 2011 में शुरू हुए सीरियाई संघर्ष के दौरान भीषण झड़पों का केंद्र रहा है। यहां पैगंबर मोहम्मद की पोती की दरगाह है, जिन्हें शिया मुसलमान धैर्य और साहस का प्रतीक मानते हैं। दिसंबर 2024 में बशर असद की सरकार गिरने के बाद से यहां आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में भारी कमी आई है।

ईरान में ऑर्डनेंस क्लियरेंस के दौरान बड़ा हादसा... आईआरजीसी के 14 जवानों की मौत, 2 घायल

तेहरान, एजेंसी। ताजा ख़बरों के अनुसार ईरान में एक बेहद दर्दनाक हादसा हुआ है जिसने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। ईरान के जंजान प्रांत में ऑर्डनेंस क्लियरेंस मिशन के दौरान एक भयानक विस्फोट होने से दुर्भाग्यवश के 14 जवानों की मौत हो गई और 2 अन्य सैनिक घायल हो गये हैं। यह हादसा उस दौरान हुआ जब जवान न फटे हुए पुराने बम और गोला बारूद को जमीन से सुरक्षित निकलने का काम कर रहे थे। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब ईरान और अमेरिका युद्ध शांत करने के लिए शांति वार्ता पर बातचीत कर रहे हैं। समाचार एजेंसियों के अनुसार करीब 12000 हेक्टेयर खेती की जमीद पर बिखरे हुए न फटे बमों का भारी खतरा मंडरा रहा है। इस हादसे के बाद आईआरजीसी ने अमेरिका पर बाधा डालने की नीति का बहुत गंभीर आरोप लगाया है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी ईरान से नए बातचीत प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया और बातचीत को उलझा दिया है।

ईरान के जंजान प्रांत में एक भयावह हादसा हुआ है जिसमें दुर्भाग्यवश के 14 जवान मारे गये हैं और 3 घायल हैं। खेती वाली जमीन पर पड़े और दबे हुए युद्ध के हथियारों की सफाई के दौरान एक बम फट गया जिसके कारण यह हादसा हुआ है। यह टीम खेती लायक जमीन को सुरक्षित और साफ कर रही थी तभी हुए विस्फोट ने हलचल मचा दी।

अमेरिका पर बड़े आरोप : हादसे के बाद आईआरजीसीने सोशल

मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अमेरिका की नीतियों पर सीधा और बड़ा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की सरकार अब दुनिया की ऊर्जा पर काबू रखने की जगह बाधा डालने का काम कर रही है। अमेरिका की होर्मुज की नाकेबंदी चीन, रूस और यूरोप को रोकने की बड़ी योजना के तहत थी लेकिन यह योजना नाकाम हो गई है।

ईरान नेतृत्व में बिखराव का माहौल : राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इरान के अंदरूनी हालात पर बात करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में बहुत ज्यादा बिखराव मौजूद है। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान में कई गुट हैं नेताओं के जो देश को अलग तरीके से चलाना चाहते हैं। ये अलग-अलग दिशाओं में देश को खींच रहे हैं। इस बिखराव के कारण समझौता सम्भव नही हो पा रहा है।

रूसी विदेश मंत्री लावरोव से मिले अराघची, होर्मुज स्ट्रेट और परमाणु मुद्दे पर हुई गहन चर्चा : रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के साथ फोन पर बातचीत की, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट) में नौवहन स्वतंत्रता और ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। यह जानकारी रूसी विदेश मंत्रालय ने दी। मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में शत्रुता की पूर्ण समाप्ति, सैन्य और राजनीतिक स्थिति को स्थिर करने तथा क्षेत्र में शांति बहाली की संभावनाओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। रूस ने जारी मध्यस्थता प्रयासों के प्रति अपना समर्थन दोहराया और क्षेत्र में दीर्घकालिक शांति स्थापित करने के लिए कूटनीतिक प्रक्रिया में सहयोग की प्रतिबद्धता जताई। वार्ता के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य से रूसी जहाजों और कार्गो के सुरक्षित आवागमन का मुद्दा भी उठाया गया, जिसे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। इससे पहले 27 अप्रैल को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग में ईरानी विदेश मंत्री अराघची से मुलाकात की थी। इस बैठक में रूस-ईरान द्विपक्षीय सहयोग और पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा हुई। रूसी पक्ष से इस बैठक में विदेश मंत्री लावरोव, राष्ट्रपति के सहयोगी यूरी उशाकोव और रूसी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के मुख्य खुफिया निदेशालय के प्रमुख इगोर कोस्त्युकोव मौजूद थे। वहीं ईरानी प्रतिनिधिमंडल में उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी और रूस में ईरान के राजदूत काजेम जलाली शामिल थे। बैठक के दौरान राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि मास्को ईरान के साथ रणनीतिक संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और पश्चिम एशिया में जल्द शांति स्थापित करने के प्रयासों में सहयोग करेगा। रूसी मीडिया के अनुसार, पुतिन ने यह भी उम्मीद जताई कि ईरान मौजूदा चुनौतियों से उबरकर स्थिरता और शांति की दिशा में आगे बढ़ेगा। पुतिन ने कहा, हम हर वह प्रयास करेंगे जो आपके और क्षेत्र के सभी लोगों के हित में हो, ताकि जल्द से जल्द शांति स्थापित की जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई का संदेश प्राप्त हुआ है, जिसका उल्लेख उन्होंने बातचीत की शुरुआत में किया।

कोलंबिया यूनिवर्सिटी की स्टार प्रणाली का कमाल: बांझ पुरुषों के लिए नई उम्मीद, एआई तकनीक ने खोजे छिपे शुक्राणु

बोगोटा, एजेंसी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित एक नई तकनीक ने उन पुरुषों के लिए उम्मीद की किरण जगा दी है जिन्हें बांझ घोषित कर दिया गया था। अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी की स्पर्म ट्रैक एंड रिकवरी (स्टार) प्रणाली ऐसे मामलों में भी शुक्राणु खोज पा रही है, जहां पारंपरिक जांच में एक भी शुक्राणु नहीं मिलता। इस तकनीक की मदद से कई दंपतियों को वर्षों बाद माता-पिता बनने का सुख मिला है। बीबीसी के अनुसार अमेरिका के न्यू जर्सी की एक महिला, जिन्हें रिपोर्ट में पेनेलोप नाम से संबोधित किया गया है, नवंबर 2025 में तब भावुक हो गईं जब डॉक्टर ने उन्हें गर्भवती होने की खबर दी। करीब ढाई साल की असफल कोशिशों के बाद यह संभव हो सका। रिपोर्ट के अनुसार उनके पति को क्लाइनफेल्टर सिंड्रोम नाम की आनुवंशिक बीमारी थी, जिसमें पुरुषों में अतिरिक्त एक्स क्रोमोसोम होता है और आमतौर पर शुक्राणु बनना बेहद कम या शून्य होता है। डॉक्टरों ने पहले ही साफ कर दिया था कि उनके पति के जैविक पिता बनने की संभावना लगभग नहीं के बराबर है। लेकिन स्टार तकनीक ने उनके नमूने में छिपे कुछ शुक्राणु खोज निकाले, जिनकी मदद से इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) यानी शरीर के बाहर निषेचन की प्रक्रिया सफल हुई। स्टार प्रणाली एआई और मशीन लर्निंग का उपयोग करके बेहद दुर्लभ शुक्राणुओं को पहचानती है।

माइक्रोफ्लूडिक चिप का होता है उपयोग : सामान्यतः एक मिलीलीटर वीर्य में लाखों शुक्राणु होते हैं, लेकिन एजूस्पर्मिया नामक स्थिति में एक भी शुक्राणु मिलना मुश्किल होता है। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें पुरुष के वीर्य में शुक्राणु नहीं के बराबर होते हैं। इस तकनीक में माइक्रोफ्लूडिक चिप का उपयोग होता है। यह एक बेहद पतली नलिकाओं वाला उपकरण होता है, जिसमें से नमूना गुजरता है। इसके साथ हाई-स्पीड इमेजिंग सिस्टम प्रति सेकंड सैकड़ों तस्वीरें लेता है और एआई एल्गोरिदम उनमें से शुक्राणु की पहचान करता है। कोलंबिया यूनिवर्सिटी फर्टिलिटी सेंटर के निदेशक जेव विलियम्स के अनुसार, यह ऐसे है जैसे मलबे के समुद्र में एक बेहद दुर्लभ कण को ढूंढना। एआई यह काम कुछ मिलीसेकंड में कर देता है, जबकि इंसान के लिए यह लगभग असंभव होता है। रिपोर्ट के अनुसार इस तकनीक के उपयोग से पिछले साल पहला बच्चा जन्मा, जो लगभग दो दशक से बांझपन से जूझ रहे एक दंपति के लिए बड़ी सफलता थी। अब तक 175 मरीजों पर किए गए।

जेल में बिगड़ी नोबेल विजेता नरगिस मोहम्मदी की तबीयत, अस्पताल में भर्ती; इलाज में लापरवाही के आरोप

तेहरान , एजेंसी। ईरान की जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी की तबीयत अचानक बहुत बिगड़ गई है। इसके बाद उन्हें तुरंत उत्तर-पश्चिमी ईरान के ज़ंजन शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह जानकारी उनके फाउंडेशन ने दी। ईरान की जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी को तबीयत अचानक बहुत ज्यादा बिगड़ गई। इसके चलते उन्हें आनन-फानन में उत्तर-पश्चिमी ईरान के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह जानकारी उनके फाउंडेशन ने शुक्रवार को दी। नरगिस मोहम्मदी फाउंडेशन के अनुसार, नोबेल पुरस्कार विजेता को दो बार बेहोशी और दिल से जुड़ी एक गंभीर समस्या का सामना करना पड़ा। फाउंडेशन ने बताया कि मोहम्मदी शुक्रवार को जंजन शहर की जेल में दो बार बेहोश हो गई थीं। उनके वकीलों ने मार्च के अंत में उनसे मुलाकात के बाद बताया था कि उन्हें संभवतः दिल का दौरा पड़ा था। उस समय वह कमजोर दिख रही थीं और चलने के लिए नर्स की मदद की ले रही थी।

इलाज में लापरवाही का आरोप : फाउंडेशन ने कहा कि मोहम्मदी की 12 दिसंबर को गिरफ्तारी के बाद से 140 दिनों तक उन्हें सही इलाज नहीं दिया गया। फाउंडेशन के अनुसार, जेल के डॉक्टरों ने पहले ही सलाह दी थी कि नरगिस का इलाज जेल में नहीं किया जा सकता है। डॉक्टरों ने उनका इलाज तेहरान में विशेषज्ञ टीम से करवाने को कहा था।

परिवार कई बार कर चुका था अच्छे इलाज की मांग : मोहम्मदी के परिवार ने हफ्तों से उन्हें अच्छा इलाज देने के लिए अस्पताल भेजने की वकालत की थी। फाउंडेशन ने परिवार के हवाले से कहा कि शुक्रवार को जंजन के एक अस्पताल में उनको भर्ती कराया जाना बहुत देरी से लिया गया फैसला और आखिरी समय में उठाया गया कदम लग रहा है।

पहले भी बिगड़ चुकी थी तबीयत : 24 मार्च को मोहम्मदी के साथी कैदियों ने उन्हें बेहोश पाया था। उन्होंने अपने वकीलों से कुछ दिनों बाद हुई मुलाकात में ये बताया था। जेल के क्लिनिक में बाद की जांच में एक डॉक्टर ने उन्हें बताया कि उन्हें शायद दिल का दौरा पड़ा था। तब से उन्हें सीने में दर्द और सांस लेने में कठिनाई हो रही थी।

'बाहर निकलो, कितनी झूठी हो': ट्रंप ने इल्हान पर की विवादित टिप्पणी, सांसद ने भी राष्ट्रपति को बता दिया अपराधी

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद इल्हान उमर के बीच एक बार फिर तीखी जुबानी जंग शुरू हो गई। फ्लोरिडा के 'द विलेज' इलाके में एक कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने उमर पर बेहद कड़े शब्दों में हमला किया।

उन्होंने इल्हान उमर को 'ढोंगी' कहा और उनके मूल देश सोमालिया को लेकर कई गंभीर बातें कहीं। इसके बाद इल्हान उमर ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राष्ट्रपति ट्रंप को करारा जवाब दिया है। दोनों नेताओं के बीच यह विवाद अब काफी चर्चा में आ गया है।

इल्हान उमर ने ट्रंप के आरोपों का क्या जवाब दिया : इल्हान उमर ने ट्रंप के इन विवादित बयानों को पूरी तरह से खारिज कर दिया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कड़ा जवाब दिया। उमर ने ट्रंप के बयानों को बेतुका बताया और कहा कि अगर यह किसी अपराधी की तरफ से नहीं आया होता, तो उन्हें सच में बहुत गुस्सा आता। सांसद उमर ने देश की जनता को याद दिलाया कि मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप 34 गंभीर मामलों में दोषी साबित हो चुके हैं। उमर ने ट्रंप पर लगे दुष्कर्म के आरोपों और अन्य गंभीर कानूनी मामलों का भी अपने पोस्ट में जिक्र किया। उमर ने हैरान होते हुए लिखा कि उन्हें यह समझ नहीं आता कि कोई इंसान अपनी इतनी बेइज्जती खुशी-खुशी कैसे करा सकता है। उमर ने ट्रंप की पार्टी पर तंज कसते हुए उन्हें अपनी कमियां छिपाने के लिए नया बहाना ढूंढने की सलाह दी है। क्या दोनों नेताओं के बीच पहले भी ऐसा विवाद हो चुका है? यह कोई पहला मौका नहीं है जब इन दोनों बड़े नेताओं के बीच इस तरह की जुबानी जंग और बहस देखने को मिली है। इससे पहले सितंबर 2025 में भी इल्हान उमर ने मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप पर बहुत ही तीखा और सीधा हमला किया था। उस वक्त उमर ने ट्रंप को 'झूठा और मूर्ख इंसान' बताया था, क्योंकि ट्रंप ने दावा किया था कि उन्होंने उमर को वापस भेजने के लिए सोमालिया के राष्ट्रपति से फोन पर बात की है। इल्हान उमर ने तब देश के लोगों से कहा था कि किसी को भी ट्रंप जैसी शर्मनाक बातें करने वाले इंसान को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। आपको बता दें कि उमर हमेशा से ट्रंप की इमिग्रेशन (प्रवासन) नीतियों की बहुत बड़ी आलोचक रही हैं और अक्सर उनका विरोध करती हैं। सोमालिया को लेकर ट्रंप ने अपनी पोस्ट में क्या दावे किए? ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' नाम के अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी इल्हान उमर और उनके मूल देश सोमालिया की कड़ी आलोचना की। उन्होंने लिखा कि सोमालिया में सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है और वहां दशकों से गृह युद्ध चल रहा है।

ट्रंप ने अपनी पोस्ट में दावा किया कि सोमालिया आतंकवाद, समुद्री डकैती, गरीबी, भुखमरी और बहुत ज्यादा भ्रष्टाचार से जूझ रहा है। ट्रंप के मुताबिक, सोमालिया की 70 प्रतिशत आबादी आज भी बेहद गरीबी में जी रही है और वहां की सरकार पूरी तरह से बेकार है। ट्रंप ने कहा कि ऐसी खराब जगह से आने वाली महिला अब अमेरिका को बता रही है कि हमें क्या करना चाहिए और कैसे करना चाहिए। अंत में ट्रंप ने उमर के लिए बेहद अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया और उन पर नागरिकता पाने के लिए भाई से शादी करने का आरोप फिर से दोहराया।

राष्ट्रपति ट्रंप ने ताश के पत्ते लिए तस्वीर की पोस्ट, लिखा- खेल मेरे हाथ में

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को एक ऐसी तस्वीर पोस्ट की जो उनके बेबाक अंदाज को जाहिर करती है। उनके हाथ में ताश के पत्ते हैं जिसका मैसेज उनके इरादों का संकेत देता है। ट्रंप ने शनिवार को एक के बाद एक कई पोस्ट्स की। इनमें कुछ तस्वीरें हैं, जिनमें अमेरिका के पुराने और अब नए दिनों की झलक है। ट्रंप बताना चाहते हैं कि अमेरिका का वर्तमान गुजरे वक्त से ज्यादा बेहतरीन है। उन्होंने दो तस्वीरों के कोलाज के साथ लिखा, 'ट्रंप के आने से पहले और बाद का अमेरिका।' इसमें लिंकन मेमोरियल के पूल की तस्वीर है। जिसमें ओबामा दौर में गंदगी तो ट्रंप दौर में सफाई का दावा किया गया है। इसके अलावा, माउंट रशमोर की तस्वीर पोस्ट की है। पहले भी वो ऐसा कर चुके हैं। माउंट रशमोर के प्रति डोनाल्ड ट्रंप का

लगाव जगजाहिर है। कई मौकों पर वो साउथ डकोटा के ब्लैक हिल्स में स्थित इस ऐतिहासिक मूर्ति का हिस्सा बनने की अपनी मंशा और इच्छा जाहिर कर चुके हैं; इस मूर्ति में उनके चार पूर्ववर्तियों—जॉर्ज वॉशिंगटन, थॉमस जेफरसन, थियोडोर रूजवेल्ट और अब्राहम लिंकन—के चेहरे उकेरे गए हैं।

इन सबमें से सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाली तस्वीर वो है जिसमें ट्रंप हाथ में ताश के पत्ते लिए खड़े हैं। 6 पत्ते हैं, जिनमें से हरेक पर 'वाइल्ड' लिखा हुआ है। इसके साथ ही कैप्शन के जरिए ये बताने की कोशिश की जा रही है कि राष्ट्रपति ट्रंप की स्थिति मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कैप्शन में लिखा है, 'आई हैव ऑल द कार्ड्स,' यानी कि वे मजबूत हालत में हैं और खेल उनके हाथ में है।

पूरी दुनिया ईरान संघर्ष के स्थाई समाधान को लेकर चिंतित है। ट्रंप की ओर सबकी निगाहें हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति भी लगातार कह रहे हैं कि शांति के इच्छुक हैं लेकिन सैन्य कार्रवाई का विकल्प भी अभी खुला है। वहीं नाटो से नाराजगी का इजहार भी वो करते रहे हैं। आरोप लगाते रहे हैं कि ईरान संघर्ष में इन देशों ने उनकी मदद नहीं की।

इस बीच जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की अमेरिका के हमले को लेकर की गई टिप्पणी भी ट्रंप को खल गई है। इसके बाद ही अमेरिकी मीडिया के हवाले से कहा जा रहा है कि जर्मनी से अमेरिका की सैन्य टुकड़ियों को हटाया जाने की योजना बनाई जा रही है।

ईरान युद्ध विवाद पर ट्रंप का नाटो को बड़ा झटका! जर्मनी से बुलाएंगे 5000 सैनिक वापस

लंदन, एजेंसी। ताजा जानकारी के अनुसार अमेरिका ने यूरोप में नाटो को एक बहुत बड़ा झटका दिया है। अमेरिका ने शुक्रवार को अधिकारिक तौर पर यह घोषणा की है कि वह अपने सहयोगी देश जर्मनी से 5000 सैनिक वापस बुला रहा है। यह चौकाने वाला कदम उस समय उठाया गया है जब राष्ट्रपति ट्रम्प और जर्मन चांसलर की टिप्पड़ी से यूरोप से विरोध गहरा गया। पेंटागन ने यह कदम ट्रंप और जर्मन चांसलर के बीच हुई बहस के बाद उठाया है। इस पूरे विवाह की प्रमुख वजह राष्ट्रपति ट्रंप की इरान युद्ध को लेकर जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज से हुई एक तीखी बहस है। इस बहस के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सख्त रुख अपनाते हुए सैनिकों की संख्या में कटौती करने की धमकी दी थी। अमेरिका का यह फैसला यूरोप और नाटो देशों के लिए बहुत ही सख्त कूटनीतिक और कड़ा संदेश है। पेंटागन के इस कदम से यूरोप में सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

ट्रंप और फ्रेडरिक मर्ज की बहस का कारण : जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने सोमवार को ईरान युद्ध पर विवादित टिप्पड़ी की थी। उन्होंने कहा था कि दो महीनों से चल रहे युद्ध को खत्म करने की बातचीत में ईरान अमेरिका को अपमानित कर रहा है। इसके जवाब में ट्रंप ने तीखे लहजे में कहा कि मर्ज को रूस और युक्रेन युद्ध को समाप्त करने पर ध्यान देना चाहिए। उन्हें अपने देश को ठीक करने पर ध्यान देना चाहिए। ईरान युद्ध पर उन्हें अपना टाइम वेस्ट नहीं करना चाहिए।

पेंटागन का आधिकारिक बयान : पेंटागन के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जर्मनी की हालिया बयानबाजी बहुत ही अनुचित थी। उन्होंने यह भी कहा कि नाटो देशों से सेना हटाकर राष्ट्रपति इन टिप्पड़ियों का बिलकुल सही जवाब दे रहे हैं। सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया 6 से 12 महीनों में पूरी हो जाएगी। पेंटागन की इस कटौती से यूरोप में अमेरिकी सैनिकों का स्तर 2022 से पहले के स्तर पर आ जाएगा। रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद उस समय के राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूरोप में सैनिकों की संख्या बढाई थी। लेकिन अब अमेरिका उन फैसलों को पलट रहा है।

बता दें कि यूरोप में अमेरिका का सबसे बड़ा सैन्य अड्डा है और जर्मनी नाटो का एक अहम सदस्य है। यहां अभी लगभग 35000 सैनिक तैनात हैं। यहां एक अहम ट्रेनिंग हब भी है। पिछले कुछ महीनों से जर्मनी और नाटो ट्रम्प के निशाने पर जोरो से हैं। ट्रंप ने ईरान युद्ध में हार्मुज स्ट्रेट खोलने के लिए अपनी नौसेना न भेजने पर यूरोपीय सहयोगियों और नाटो की कड़ी आलोचना की थी।

पाकिस्तान के बन्नू में पुलिस वैन पर रॉकेट हमला, 1 कांस्टेबल की मौत, 2 घायल; सीमावर्ती इलाकों में बढ़ा खौफ

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत प्रांतों में सुरक्षा बलों पर हमलों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू शहर में एक बड़ी आतंकी घटना हुई है जहां सशस्त्र हमलावरों ने पुलिस के एक वाहन को रॉकेट से निशाना बनाया। इस भीषण हमले में एक पुलिस कांस्टेबल की जान चली गई है जबकि दो अन्य जवान गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं।

रॉकेट हमले के बाद मची अफरा-तफरी : यह घटना बन्नू के कंगर जान बहादुर इलाके में उस समय हुई जब पुलिसकर्मी फतेह खेल चेकपॉइंट से अपनी ड्यूटी पूरी कर वापस लौट रहे थे। बन्नू के जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) यासिर अफरीदी के अनुसार, हमलावरों ने पुलिस की गाड़ी पर सीधे रॉकेट दागे जिसके बाद चारों ओर धमाकों और गोलीबारी की आवाजें गूंजने लगीं। इस हमले में कांस्टेबल (ड्राइवर) रजा अली शाह की मौके पर ही मौत हो गई। हमले में घायल हुए दो अन्य पुलिसकर्मियों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है जहां उनका इलाज जारी है। घटना के तुरंत बाद स्थानीय प्रशासन ने एहतियात के तौर पर मिरयान रोड पर यातायात पूरी तरह से बंद कर दिया है।

सघन तलाशी अभियान : हमले की सूचना मिलते ही अतिरिक्त सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को घेर लिया है। हमलावर रॉकेट दागने के बाद मौके से फरार होने में सफल रहे। जिनकी तलाश में सुरक्षा बलों द्वारा सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। डीपीओ यासिर

अफरीदी ने बताया कि इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

सीमावर्ती प्रांतों में बढ़ती हिंसा की लहर : यह हमला पाकिस्तान के सीमावर्ती प्रांतों, विशेष रूप से बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में कानून प्रवर्तन एजेंसियों को निशाना बनाकर किए जा रहे हमलों की एक कड़ी है। इसी सप्ताह की शुरुआत में बलूचिस्तान के पिशिन जिले के हुरमजई इलाके में भी एक चेकपोस्ट को निशाना बनाया गया जिसमें एक पुलिस हेड कांस्टेबल की मौत हो गई थी।

हालिया हमलों का खौफनाक रिकॉर्ड : पाकिस्तान में सुरक्षाकर्मियों पर हमलों के आंकड़े की अगर हम बात करें तो ये बहुत ही डराने वाले हैं। अभी हाल ही में 19 अप्रैल को खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम गढ़ी में बाजार में खरीदारी कर रहे दो फ्रंटियर कॉन्स्टेबुलरी जवानों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उसके पहले 18 मार्च को ऊपरी दीर के मनो बंडा इलाके में एलीट फोर्स के एक ASI को उनके घर के बाहर अज्ञात हमलावरों ने मौत के घाट उतार दिया था। लगातार हो रहे इन हमलों ने पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा और कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय मीडिया और आधिकारिक रिपोर्टों के अनुसार, सुरक्षा बलों को निशाना बनाने की इन घटनाओं में हाल के दिनों में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)